3 | राजधानी
सरकारी राशन दुकानदार कर सकेंगे साप्ताहिक अवकाश

6 | अभिमत
सही समय पर बिकी एयर इंडिया

11 | विदेश
उ. कोरिया ने किया पनडुब्बी मिसाइल का परीक्षण

12 | विविध
बुजुर्ग-देखभाल में बदलाव लाती प्रौद्योगिकी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 338
नई दिल्ली, बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

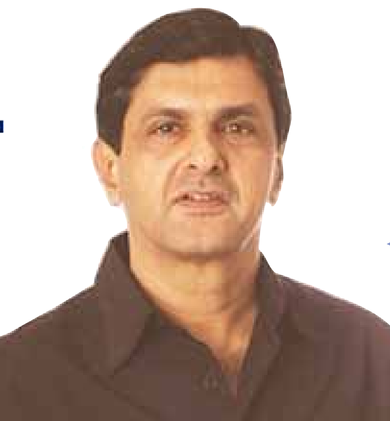

भारत-पाक के बीच विश्वकप मुकाबले होने चाहिए
स्पोर्ट्स-10

एलएसी पर अरुणाचल में चीन ने सक्रियता बढ़ाई

● बुनियादी ढांचा मजबूत करने के साथ सैन्य अभ्यास तेज किया

● भारत भी मजबूत, किसी भी स्थिति से निपटने को सेना तैयार: ईस्टर्न कमांड

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/रूपा (अरुणाचल प्रदेश)

पश्चिम में लद्दाख में सीमा पर जारी तनाव के बीच चीन ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्व में अपनी सेना की सक्रियता बढ़ा दी है। सैन्य अभ्यास तेज करने के अलावा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब बुनियादी ढांचागत निर्माण भी किया है। पड़ोसी देश की नीयत को भांपकर भारत कोई जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को बताया कि भारत ने भी पर्याप्त उपाय किए हैं और उस क्षेत्र में किसी भी खतरे से निपटने के लिए आकस्मिक योजना तैयार है। बेहद संवेदनशील पूर्वी सेक्टर की स्थिति का विवरण देते हुए पांडे ने कहा कि चीनी सेना ने आंतरिक क्षेत्रों में अपने वार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास की संख्या बढ़ा दी है। इसके अलावा, पिछले साल लद्दाख गतिरोध के बाद पूर्व में चीन द्वारा तैनात अतिरिक्त सैनिक वहां अभी भी मौजूद हैं।

पूर्वी कमान के प्रमुख ने यह भी कहा कि चीन गांव के करीब और भी आवासीय इकाइयां या बस्तियां स्थापित कर रहा है, जिनका दोहरा उपयोग चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में असपिला सेक्टर उन क्षेत्रों में से है, जहां भारतीय सेना ने एलएसी के करीब पीएलए द्वारा बुनियादी ढांचागत निर्माण होते देखा। इसके बाद वहां सैनिकों की तैनाती में वृद्धि की गई। पांडे ने कहा कि चीनी सैन्य अभ्यास का मुख्य उद्देश्य एकीकृत अभियान शुरू करना है और भारत ने पूर्व में सभी क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में सैनिकों की तैनाती सहित पर्याप्त जवाबी कदम उठाए हैं। सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्व में एलएसी लगभग 1,400 किमी लंबी है। उत्तरी सिक्किम के नाकू ला में भारत और चीन के सैनिकों के आमने-सामने होने के बारे में उन्होंने कहा कि एलएसी की अलग-अलग धारणा के कारण क्षेत्र में गश्त करते समय ऐसा हो जाता है और कभी-कभी टकराव की स्थिति का समाधान करने के लिए प्रोटोकॉल मौजूद है। मई 2020 में नाकू ला में बड़ी संख्या में भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने आ गए थे, जिसमें प्रतिद्वंद्वी सैनिकों को मारपीट में चोटें आई थीं। इस साल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच नाकू ला में एक बार फिर टकराव हुआ था। पांडे ने कहा कि एलएसी पर चीनी गतिविधियों में वृद्धि को देखते हुए भारतीय सेना ने उपग्रहों, लंबी दूरी के मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) और अन्य हाई-टेक खुफिया निगरानी और टोही (आईएसआर) प्रणालियों के जरिए सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है।

पूर्वी कमान के प्रमुख ने यह भी कहा कि आधुनिक हवाई प्लेटफॉर्म, रडार का बेहतर नेटवर्क, हाई-टेक नाइट विजन सिस्टम और आधुनिक संचार उपकरण सहित विशिष्ट तकनीक का उपयोग कर निगरानी क्षमता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पूर्व में चीनी खतरे का मुकाबला करने के लिए बनाई गई सेना की नई माउंटेन स्ट्राइक कोर अब पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने कहा कि जिस तरह के आधुनिक उपकरण लद्दाख सेक्टर में तैनात किए गए हैं, उसी तरह के पूर्व में भी तैनात किए जा रहे हैं। इनमें सेना की गश्त बढ़ाने, ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम, सटीक-लक्ष्य साधने वाले हथियार व गोला-बारूद तथा निगरानी प्रणाली (शेष पेज 9)

उत्तराखंड व उप्र में वर्षा से तबाही, 46 लोगों की मौत

● केरल में फिर बारिश की संभावना, बांधों के द्वार खोले गए

● प्रधानमंत्री मोदी ने की मुख्यमंत्री धामी से बात

उत्तराखंड में भारी बरसात से जिम कार्बेट नेशनल पार्क में डूबे वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में उत्तर से लेकर दक्षिण तक वर्षा का कहर जारी है। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से मंगलवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 42 और लोगों की मौत हो गई। वहीं उत्तर प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में चार लोगों की जान गई है। केरल में भारी बारिश की वजह से कई बांध भर गये हैं और कई जिलों को अलर्ट किया गया है।

यहां लबालब भरे बांधों के द्वार खोल दिए गए हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोगों से न घबराने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने चारधाम यात्रियों से फिर अपील की कि वे जहां हैं, वहीं रुक जाएं और मौसम में सुधार होने से पहले अपनी यात्रा शुरू न करें। उन्होंने चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों के जिला मजिस्ट्रेट से चारधाम यात्रा मार्ग पर फंसे हुए तीर्थयात्रियों की खासतौर से देखभाल करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धामी से बात कर स्थिति का जायजा लिया और मदद का भरोसा दिलाया। राज्य आपात अभियान केंद्र (एसईओसी) के अनुसार मंगलवार को राज्य में वर्षा जनित हादसों में 23 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 28 हो गई है। सोमवार को पांच लोगों की मौत की खबर थी। एसईओसी के अनुसार मंगलवार को जिन 23 लोगों की मौत हुई, उनमें 18 नैनीताल, तीन अल्मोड़ा और चंपावत तथा उधमसिंह नगर जिलों में एक-एक व्यक्ति शामिल है। नैनीताल में करीब 23 साल में सबसे अधिक बारिश हुई है। हर तरफ पानी-पानी है। नैनी झील ओवरफ्लो होकर बह निकली है। कुमाऊं के बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने मुख्यमंत्री धामी के साथ गये उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि नैनीताल में काठगोदाम और लालकुआं तथा उधमसिंह नगर के रुद्रपुर में सड़कें, पुल और रेलवे पटरियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त पटरियों की मरम्मत में कम से कम चार से पांच दिन लगेंगे।

राज्य में राहत और बचाव अभियानों में मदद के लिए भारतीय वायु सेना के तीन हेलीकॉप्टर पहुंच गये हैं। इनमें से दो को नैनीताल जिले में तैनात किया गया है जो बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई भूस्खलनों के (शेष पेज 9)

उप्र विधानसभा चुनाव में 40 फीसद टिकट महिलाओं को देगी कांग्रेस

● पार्टी ने चुनाव के लिए दिया नया नारा लड़की हूं, लड़ सकती हूं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने बड़ा दांव चलते हुए महिला वोटरों को लुभाने के लिए 40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका ऐलान किया।

प्रियंका ने कहा कि अगर उनका बस चलता तो उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत तक टिकट देतीं लेकिन सबकी सहमति 40 प्रतिशत पर ही बनी और यही वजह है कि 40 प्रतिशत टिकट देने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने यूपी चुनाव के लिए नया नारा लड़की हूं, लड़ सकती हूं भी दिया है। प्रियंका ने खुद के चुनाव लड़ने और सीएम चेहरे के सवाल पर कहा कि फिलहाल अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाएं यूपी विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से भागीदारी करेंगी।

पार्टियां सोचती हैं कि वे एलपीजी सिलिंडर और दो हजार रुपये देकर उन्हें बहला लेंगी। उन्होंने कहा कि देश में नफरत की राजनीति चल रही है और केवल महिलाएं ही इसे खत्म कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए कहा। उन्होंने यह फैसला क्यों लिया, इस सवाल पर प्रियंका ने कहा कि 2019 में जब यूपी में प्रचार कर रहीं थीं तब इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की कुछ छात्राओं ने बताया था कि किस तरह से कैंपस और हॉस्टल में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग अलग नियम हैं। यह फैसला उस महिला के लिए जिसने मुझे गंगा यात्रा के दौरान बताया था कि उसके गांव में कोई स्कूल नहीं है।

यह फैसला उन्नाव की बलात्कार पीड़िता के लिए है जिसे जलाकर मार डाला गया, हाथरस की पीड़िता के लिए है जिसे न्याय नहीं मिला, लखीमपुर खीरी में मिली उस लड़की के लिए है जिसने कहा था कि वह प्रधानमंत्री बनना चाहती है। प्रयागराज की उस लड़की पारो के लिए लिया गया है जिसने मेरा हाथ पकड़ कर कहा कि मैं बड़ी होकर नेता बनना चाहती हूं। यह फैसला हर महिला के लिए है जो उत्तर प्रदेश को आगे लेकर जाना चाहती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने हर विधानसभा के लिए आवेदन मांगे हैं जो अगले महीने की 15 तारीख (शेष पेज 9)

अपनी पार्टी बनाएंगे अमरिंदर सिंह

● कहा, भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे के लिए बातचीत को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही राजनीतिक दल के गठन की घोषणा करेंगे और अगर किसान आंदोलन का समाधान किसानों के पक्ष में होता है तो भाजपा के साथ सीटों को लेकर समझौता होने की उम्मीद जताई। कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के साथ लंबे मतभेद और प्रदेश कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई के बाद अमरिंदर ने मुख्यमंत्री पद से पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था। पार्टी ने उनके स्थान पर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया है। सिंह ने कहा, पंजाब के भविष्य को लेकर लड़ाई जारी है। मैं जल्द ही राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा करूंगा, ताकि पंजाब और उसके लोगों, साथ ही पिछले एक साल से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे किसानों के हितों के लिए काम किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अपने लोगों और अपने राज्य का भविष्य सुरक्षित बनाने तक चैन की सांस नहीं लूंगा। अमरिंदर के मीडिया सलाहकार के अनुसार, उन्होंने कहा, पंजाब को राजनीतिक स्थिरता और आंतरिक तथा बाहरी खतरों से सुरक्षा की जरूरत है। मैं अपने लोगों से वादा करता हूं कि शांति और सुरक्षा के लिए जो भी करना होगा मैं करूंगा, क्योंकि फिलहाल दोनों खतरे में हैं। सिंह ने कहा, अगर किसान आंदोलन का समाधान किसानों के हित में होता है तो 2022 के पंजाब विधानसभा में भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर आशान्वित हूं। इसके अलावा समान विचार रखने वाली पार्टियों के साथ समझौते के बारे में भी विचार कर रहे हैं... जैसे अकाली दल से टूट कर अलग हुए समूह, खासतौर से ढिंढसा और ब्रह्मपुरा समूह।

बाबुल सुप्रियो ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के पूर्व नेता बाबुल सुप्रियो ने को लोकसभा की सदस्यता से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया। सुप्रियो ने एक महीने पहले भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया था। सुप्रियो ने अपने प्रति विश्वास व्यक्त करने के लिए पूर्व पार्टी भाजपा को आभार प्रकट किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर इस्तीफा देने के बाद सुप्रियो ने कहा, मेरा दिल भारी है क्योंकि मैंने अपना राजनीतिक जीवन भाजपा से शुरू किया था। मैं प्रधानमंत्री, पार्टी अध्यक्ष और अमित शाह को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने मुझमे विश्वास दिखाया। उन्होंने कहा, मैंने पूरी तरह से राजनीति छोड़ दी थी। मैंने सोचा कि अगर मैं पार्टी का हिस्सा नहीं हूं तब मुझे सीट नहीं रखनी चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम बंगाल के आसनसोल से (शेष पेज 9)

लखीमपुर मामले पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को हुई हिंसा के मामले में बुधवार को सुनवाई करेगा। इस घटना में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की एक पीठ मामले पर सुनवाई करेगी। इसी पीठ ने आठ लोगों की बर्बर हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की कार्रवाई पर आठ अक्टूबर को असंतोष व्यक्त किया था।

मामले में अभी तक केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीजेआई को एक पत्र लिखकर दो वकीलों ने घटना की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग की थी, जिसमें सीबीआई को भी शामिल किया जाए। इसके बाद ही शीर्ष अदालत ने मामले पर सुनवाई शुरू की। गौरतलब है कि किसानों का एक समूह उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की यात्रा के खिलाफ तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहा था, तभी लखीमपुर खीरी में एक एसयूवी (कार) ने चार किसानों को कुचल दिया।

इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के दो कार्यकर्ताओं और एक चालक की कथित तौर पर पीट कर हत्या कर दी, जबकि हिंसा में एक स्थानीय पत्रकार की भी मौत हो गई। किसानों के अनेक संगठन कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार कानून, 2020 , कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) कानून, 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले साल नवंबर से आंदोलन कर रहे हैं। पंजाब से शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	60,737	↓ 452	
निफ्टी	18,161	↓ 169	
सोना	46,580	↑ 256	/10g
चांदी	62,328	↑ 188	/kg

क्विक न्यूज

सीआईएससीई बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं स्थगित की

नई दिल्ली। भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) की ओर से मंगलवार को कहा गया कि नियंत्रण से बाहर वाले कारणो केचलते कक्षा 10 और 12 के पहले टर्म की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी और सचिव गेरी आराथून ने एक आदेश में कहा, सीआईएससीई ने 2021-22 के लिए कक्षा 10 और 12 के पहले टर्म की परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय लिया है। यह कुछ ऐसे कारणों से किया गया जी हमारे नियंत्रण मे नही थे। सभी हितधारकों को भविष्य में संशोधित परीक्षा तिथि की सूचना दी जाएगी। कक्षा 10 और 12 की परीक्षा 15 नवंबर से होने वाली थी।

एनआरआई के खाते से 66 बार रकम निकालने की कोशिश

● एचडीएफसी बैंक के तीन कर्मियों समेत 12 लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेरिका में रहने वाले एक प्रवासी भारतीय के खाते से रकम निकालने के लिए ठगों ने एक, दो नहीं, 66 बार प्रयास किया। इसमें बैंक कर्मचयारियों की संलिप्तता भी पाई गई है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरोह का भंड़भोड़ करते हुए निजी बैंक के तीन कर्मियों समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि बैंककर्मी चेक बुक जारी करने, मोबाइल फोन नंबर को अपडेट करने और खाते पर लगी रोक हटाने के नाम पर हेराफेरी करते थे।

पुलिस ने बताया कि यह बात बैंक के संज्ञान में आई कि इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर एक प्रवासी भारतीय (एनआरआई) के खाते तक पहुंचने और धोखाधड़ी से प्राप्त एक चेक बुक के जरिए धन निकालने की कई बार अनधिकृत कोशिशें की गईं, जिसके बाद बैंक ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने बैंक खाते से जुड़े अमेरिका आधारित एक मोबाइल फोन नंबर को इससे मिलते-जुलते भारतीय नंबर से बदलने की भी कोशिश की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एचडीएफसी बैंक ने आरोप लगाया कि खाते की इंटरनेट बैंकिग सेवा तक पहुंच बनाने की 66 बार कोशिश की गई। पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 20 स्थानों पर छापेमारी की और बैंक के तीन कर्मियों समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने (शेष पेज 9)

शेख हसीना ने हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को गृहमंत्री को उन लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया, जिन्होंने धर्म का इस्तेमाल कर हाल में हिंसा भड़काई थी। हसीना ने लोगों से तथ्यों की जांच किए गए बगैर सोशल मीडिया पर किसी भी चीज पर विश्वास नहीं करने को कहा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 50 साल पहले पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी का विरोध करने वाले घरेलू तत्व अब भी हिंसा भड़काने के लिए जहर उगल रहे हैं, नफरत भरे विमर्श और पाखंड फैला रहे हैं। पिछले बुधवार से बांग्लादेश में हिंदुओं के मंदिरों पर हमले बढ़ गए हैं। दरअसल, (शेष पेज 9)

पहली खुराक तो लगवाई दूसरी के लिए लापरवाही

● देश में 70 फीसदी युवा आबादी को लगी पहली डोज, जबकि दूसरी डोज 30 फीसदी ने ही लगवाई

● केंद्र ने राज्यों को दिए निर्देश, दूसरी डोज के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

केंद्र सरकार को उम्मीद है कि 21 अक्टूबर को 100-करोड़ कोविड वैक्सीन डोज लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त कर लेगी, लेकिन कोविड-19 वैक्सीन की दूसरे डोज को लेकर लोगों की उदासीनता परेशान करने वाली है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके लिए राष्ट्रव्यापी संक्रमण दर कम होने और वैक्सीन लाभार्थियों की आत्मसंतुष्टि को जिम्मेदार ठहराया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को एक समीक्षा बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नई रणनीति पर फिर से योजना बनाने और आशा कार्यकर्ताओं को पूर्ण टीकाकरण के महत्व के बारे में लोगों को समझाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। भारत में अब तक 70 प्रतिशत से अधिक वयस्क आबादी को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है, जबकि लगभग 30 प्रतिशत को दूसरी खुराक लगाई गई। रिपोर्टों के अनुसार, राज्यों ने वैक्सीन स्टॉक का संतुलन बनाए रखा वहीं उसकी तुलना में लगने वाले डोज की दर कम है। उदाहरण के तौर पर पिछले सप्ताह शनिवार को राज्यों के पास उपलब्ध वैक्सीन का स्टॉक 11.12 करोड़ डोज का था, जबकि उन्होंने उन्होंने 38 लाख डोज ही लगा सके। इसी तरह बुधवार को राज्यों के पास लगभग 8.50 करोड़ की शेष वैक्सीन की डोज उपलब्ध थी, जबकि लगने वाली खुराक 50 लाख थी। गुरुवार को 27 लाख डोज लोगों को लगे जबकि 8.89 करोड़ डोज उपलब्ध थे। मंत्रालय ने कहा कि बड़ी संख्या में पात्र लाभार्थियों को वैक्सीन की दूसरी खुराक नहीं ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने स्वास्थ्य सचिवों और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशकों के साथ देश भर में व्यापक टीकाकरण अभियान की समीक्षा करने के बाद कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दूसरी खुराक पर ध्यान देना चाहिए। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कम कवरेज वाले जिलों की पहचान करने और उनपर फोकस करने के लिए कहा है। जिसमें स्थानीय चुनौतियों के समाधान के साथ, ग्रामीणों में टीकाकरण की आवश्यकता पर बल देने और ग्रामीण क्षेत्रों में सेंटर तक पहुंचने में हो रही परेशानी में सुधार लाने को भी कहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021

जेवर एयरपोर्ट को स्मार्ट टाउनशिप से जोड़ने पर दो लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप को नोएडा एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। साथ ही मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब भी एयरपोर्ट से जुड़ेंगे।

इन तीनों परियोजनाओं के लिए डीएमआईसी-आईआईटीजीएनएल ने प्लान तैयार कर लिया है। इस पर शीघ्र अमल करने की तैयारी है। ये तीनों प्रोजेक्ट देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के तमाम देशों से एयरपोर्ट के जरिए जुड़ जाएंगे। उन देशों से आवाजाही आसान हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा में दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत तीन बड़े प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं।

पहला इंटीग्रेटेड टाउनशिप, दूसरा मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब और तीसरा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा की इन तीनों परियोजनाओं को गति शक्ति योजना से जोड़कर नई गति दे दी है। इन तीनों परियोजनाओं को नोएडा एयरपोर्ट से जोड़ने का खाका तैयार किया गया है।

ये तीनों प्रोजेक्ट आपस में इंटर कनेक्टेड होंगे। इनको एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए दो रास्ते सुझाए गए हैं। पहला रास्ता लॉजिस्टिक हब से जीटी रोड को जोड़ा जाएगा। इसके लिए लॉजिस्टिक हब के पास जीटी रोड पर करीब 2.5 किलोमीटर रास्ते को चौड़ा किया जाएगा। मौजूदा दो लेन से छह लेन तक बनाने का प्रस्ताव है। शिव नाडर यूनिवर्सिटी के पास जीटी रोड को जोड़ते हुए अंडरपास भी बनेगाए जिससे लॉजिस्टिक हब से वाहन बील अकबरपुर इंटरचेंज से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए यमुना एक्सप्रेसवे तक पहुंच सकेंगे। ईस्टर्न पेरिफेरल और यमुना एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ने के लिए दनकौर के पास इंटरचेंज बनना है। वहां से वाहन नोएडा एयरपोर्ट जा सकेंगे।

दूसरा रास्ता ट्रांसपोर्ट हब से 130 मीटर रोड के जरिए सिरसा इंटरचेंज से ईस्टर्न पेरिफेरल व यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए वाहन नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। जहां भी जरूरत होगी, वहां इस रास्ते को और दुरुस्त कर दिया जाएगा।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब के विकसित होने से रोजगार के अवसर भी खूब पनपेंगे। इन तीनों परियोजनाओं से करीब दो लाख युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है, जबकि अप्रत्यक्ष रोजगार को जोड़ लिया जाए तो यह आंकड़ा और भी अधिक हो जाएगा।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप को डीएमआईसी और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के संयुक्त उपक्रम डी एम आई सी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड द्वारा करीब 750 एकड़ में विकसित किया गया है। इस टाउनशिप में अब तक पांच बड़ी कंपनियां अपना प्लांट भी लगा रही हैं। इनमें हायर इलेक्ट्रॉनिक्स फॉर्मी मोबाइल सत्कृति इंफोटेनमेंट चेनफेंग एलईडी कंपनी और जे वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

बोड़ाकी के पास प्रस्तावित मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के लिए आठ गांवों दादरी जुनपत चिटेहरा कठहेड़ा पल्ला पाली बोड़ाकी व थापखेड़ा की जमीन ली जा रही है। 478 हेक्टेयर जमीन पर ये दोनों प्रोजेक्ट विकसित किए जाएंगे। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब अंतर्गत रेलवे टर्मिनल, लोकल एवं अंतरराज्जीय बस अड्डा व मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी।

"इंटीग्रेटेड टाउनशिप में पांच बड़ी कंपनियां आ चुकी हैं। कई और कंपनियां यहां आने को तैयार हैं। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट व लॉजिस्टिक हब की डीपीआर शासन को भेज दी गई है। जैसे ही अप्रूवल आ जाता है, उसका भी टेंडर निकालकर काम शुरू कराया जाएगा। अगले तीन साल में ट्रांसपोर्ट व लॉजिस्टिक हब विकसित कर देने का लक्ष्य है। इससे आसपास के एरिया की सूरत बदल जाएगी।"

– नरेंद्र भूषण (सीईओ)

ग्रीन हाइवे के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी

● बल्लभगढ़ से नोएडा हवाई अड्डे तक का सफर 15 मिनट में होगा पूरा

नोएडा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इस कनेक्टिविटी को देने वाली सडक का नाम ग्रीन हाईवे दिया गया है। इसका रूट तय हो गया है। ग्रीन हाईवे के माध्यम से बल्लमगढ़ से जेवर एयरपोर्ट तक का सफर कुल 15 मिनट में तय किया जाएगा। इसमें केवल 12 गांव की जमीन का अधिग्रहण होगा। जिसको लेकर सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है।

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है। एयरपोर्ट को हर एक शहर और सड़क से जोड़ा जा रहा हैं। जिससे कहीं से भी आने वाले व्यक्ति को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। ग्रीन हाईवे को दिल्ली.मुंबई एक्सप्रेसवे के साथ.साथ फरीदाबाद में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे और ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। इसके अलावा डीएनडी और कालिंदी कुंज से भी ग्रीन हाईवे कनेक्ट किया जाएगा। इसके अलावा मंझावली गांव के पास फरीदाबाद से जोड़ने के लिए सड़क और यमुना नदी पर पुल बनाने का कार्य चल रहा है।

फिल्म सिटी के लिए कंपनी का जल्द होगा चयन

● यमुना प्राधिकरण ने टर्नओवर को लेकर रखी शर्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-21 में विकसित होने वाली फिल्म सिटी की प्रक्रिया में तेजी आई है। विकासकर्ता कंपनी के चयन के लिए बिड डॉक्यूमेंट और ड्राफ्ट कंसेशन एग्रीमेंट तैयार हो गया है।

दोनों दस्तावेज शासन को भेज दिए गए हैं। शासन की मुहर लगने के बाद ग्लोबल टेंडर निकाले जाएंगे। योगी आदित्यनाथ सरकार दिसंबर से पहले फिल्म सिटी का शिलान्यास कराने की तैयारी में है।

यमुना विकास प्राधिकरण के सेक्टर-21 में फिल्म सिटी विकसित की जानी है। फिल्म सिटी के लिए 1000 एकड़ जमीन रिजर्व की गई है। इस एक हजार एकड़ भूमि में से 75 प्रतिशत पर फि ल्म से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

5 प्रतिशत क्षेत्र में फि ल्म इंस्टिट्यूट, 15 प्रतिशत क्षेत्र में एम्यूजमेंट पार्क बचे हुए क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट, विला, व्यावसायिक दफ्तर बनेंगे। यमुना प्राधिकरण ने फि ल्म सिटी की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट सीबीआरई कंपनी से बनवाई है। इस कंपनी ने डीपीआर बनाकर दे दिया है। कंपनी ने बिड डाक्यूमेंट व कंसेशन एग्रीमेंट बनाकर सौंप दिए हैं। यमुना प्राधिकरण ने दोनों दस्तावेजों का अध्ययन करने के बाद शासन को भेज दिया है। ऐसी परियोजना के लिए शासन स्तर पर गठित बिड डॉक्यूमेंट और कंसेशन एग्रीमेंट का अध्ययन करेगी। इसके बाद वह इसे पास करेगी।

दोनों दस्तावेज प्रदेश कैबिनेट में जाएंगे। वैश्विक निविदा निकालने के 2 महीने के भीतर विकासकर्ता कंपनी का चयन हो जाने की उम्मीद है। दिसंबर तक फि ल्म सिटी के लिए विकासकर्ता कंपनी के चयन की उम्मीद है। इसकी प्रमुख शर्त होगी कि कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपये होना चाहिए। इस पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

डीएफसीसी परियोजना से प्रभावित किसानों ने राष्ट्रपति के नाम लिखा खत

नोएडा। नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ दिए जाने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ महीने से ग्रेटर नोएडा के बोडाकी गांव में धरनारत किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। साथ ही किसानों ने जल्द महापंचायत कर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

डीएफसीसी की ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना से प्रभावित ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी, पल्ला, पाली, रामगढ़ व रिठौड़ी तथा जमालपुर आदि गांव के किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून की पहली अनुसूची, दूसरी व तीसरी अनुसूची के अनुसार सभी लाभ दिए जाने की मांग को लेकर प्रभावित किसानों का धरना बोड़ाकी गांव में 106वें दिन भी जारी रहा। किसान नेता सुनील ने बताया कि किसान अधिकार युवा रोजगार आंदोलन के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों को उचित मुआवजा एवं पुनर्वास के साथ-साथ आबादियां शिफ्ट कर अलग कॉलोनी बनाए जाने का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

बिना एक्शन प्लान के ट्विन टावर को गिराने आई एजेंसी, सीईओ ने लगाई फटकार

● बैठक में अथॉरिटी सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट सीबीआरआई और गठित कमेटी के सदस्य शामिल थे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सुपरटेक एमेरल्ड कोर्ट ट्विन टावर को गिराने की योजना भी मूर्त रूप नहीं ले सकी। सुपरटेक बिल्डर ने जिन एजेंसी को टावर गिराने के लिए प्रेजेंटेशन का मौका दिलाया था, वे एक्शन प्लान नहीं दिखा सकी।

बैठक में नोएडा अथॉरिटी सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट सीबीआरआई और गठित कमेटी के सदस्य शामिल थे। अफसरों ने बताया कि ऑनलाइन हुई इस बैठक में दो एजेंसियां बिल्डर की तरफ से प्रेजेंटेशन देने आई थीं। उन्होंने इमारतों को गिराने का अपना अनुभव बताया। लेकिन ट्विन टॉवर्स के लिए सीबीआरआई ने दोनों एजेंसियों से एक्शन प्लान मांगा। मगर दोनों के पास कोई प्लान नहीं था।

इस पर अथॉरिटी के अफसरों ने नाराजगी जताई। दोनों एजेंसियों को एक्शन प्लान तैयार कर फि र से अगले सोमवार को प्रेजेंटेशन देने के लिए कहा गया है। बैठक में नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी भी शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिए गए समय के अंदर दोनों टावर ध्वस्त किए जाने हैं। इसलिए इसमें किसी तरह की देरी स्वीकार्य नहीं है। जो भी एजेंसी चुनी जाए वह प्रेजेंटेशन में अपना पूरा एक्शन प्लान दिखाए। ताकि चयन में देरी ना हो। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक 3 महीने में इन दोनों टावर को गिराया जाना है।

मतलब 30 नवंबर से पहले इन्हें ध्वस्त करना पड़ेगा। लेकिन अब तक प्राधिकरण ने किसी एजेंसी का चयन नहीं किया है। एजेंसी से कहा गया है कि वह अगले सोमवार को ट्विन टावर के स्ट्रक्चरल डिजाइन पर रिसर्च मजबूती और आसपास की स्थिति प्रदूषण रोकने ट्रैफि क डायवर्ट करने जैसे बिंदुओं पर एक्शन प्लान तैयार कर साझा करे। अथॉरिटी के अधिकारियों ने कहा कि अगर बिल्डर को जोखिम लगता है तो उसके आसपास की इमारत का बीमा करवाया जा सकता है। इस पर भी मंथन हुई है। फि लहाल कुछ फाइनल नहीं हो पाया है।

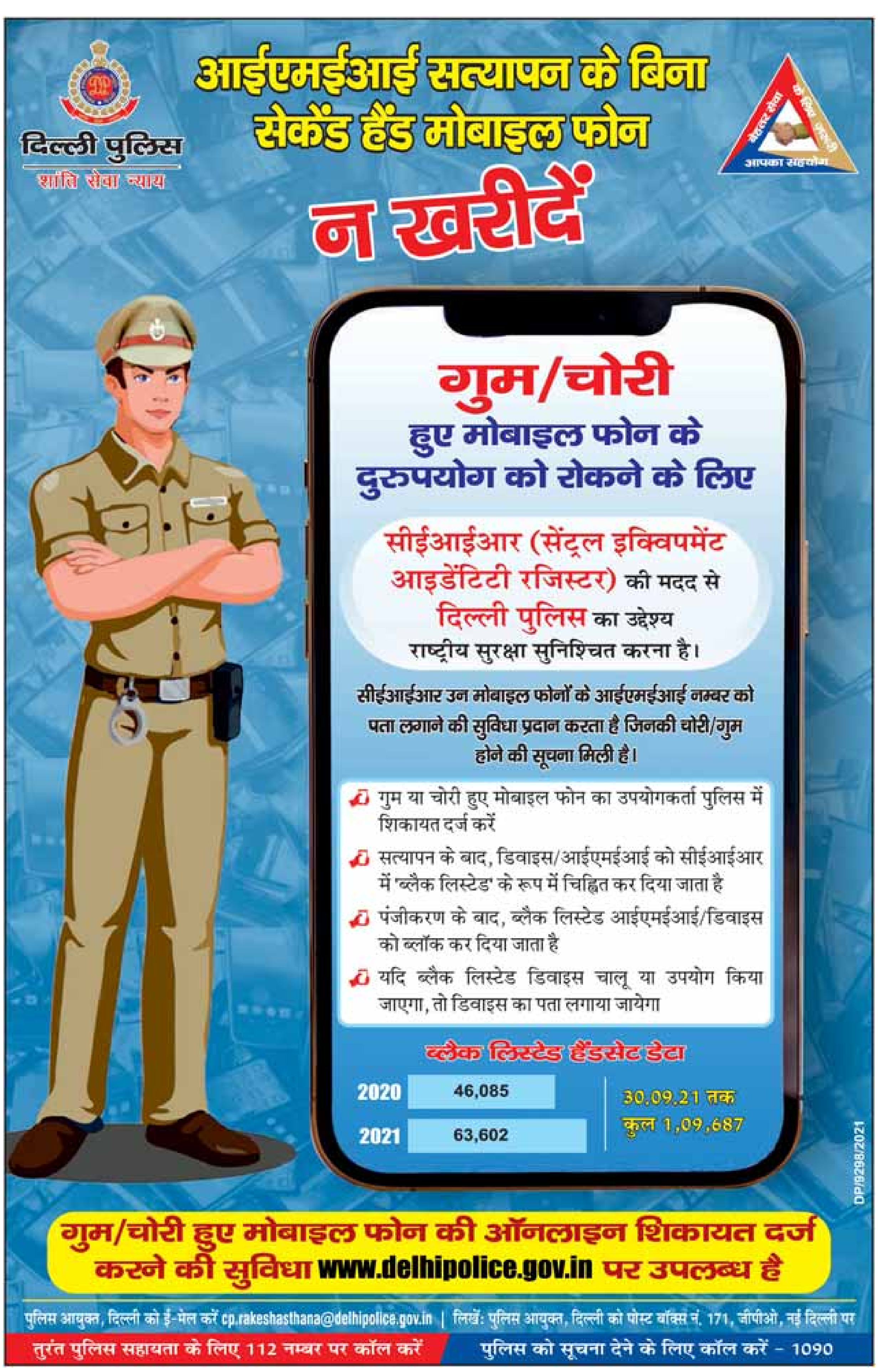

वाहन चेकिंग कर रहे सिपाही का अपहरण

● आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सूरजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गा गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रहे एक सिपाही का कार चालक ने अपहरण कर लिया।

अपहरण करने के बाद कार चालक, सिपाही को जंगल में फेंककर फरार हो गया। इस मामले के बाद जिले की पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी चालक को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा हरिश्चंद्र ने बताया कि रविवार को सूरजपुर कोतवाली की पुलिस दुर्गा गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

इसी बीच सिपाही विरेंदर ने एक गाड़ी की जांच करने के लिए रोका था। जांच में पता चला था कि वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई है। जिसके बाद सिपाही कार में बैठ गया और चालक से सूरजपुर कोतवाली चलने के लिए कहा। पीड़ित सिपाही विरेंदर ने बताया कि आरोपी चालक कोतवाली ले जाने की बजाय कार को भागने लगा और उसको अजायबपुर चौकी क्षेत्र के जंगल में फेंककर फरार हो गया। इसकी सूचना सिपाही ने कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम पर सिपाही के अपहरण की सूचना से हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी चालक को धर दबोचा है।

आरोपी चालक सचिन रावल मूलरूप से घोड़ी गांव का रहने वाला है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ सूरजपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस को आरोपी के बारे में अहम जानकारी हाथ लगी है। पता चला है कि सचिन हरियाणा के एक शोरूम से ट्रायल के नाम पर गाड़ी लेकर भागा था।

संदिग्ध हालत में घर में मृत मिला व्यक्ति, जांच शुरू

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र के अच्छेजा गांव में रहने वाले एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव उसके घर पर मिला है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह को थाना बादलपुर पुलिस को सूचना मिली कि अच्क्षेजा गांव में पूरन के मकान में किराए पर रहने वाले श्याम सिंह 50 वर्ष अपने घर में मृत अवस्था में पड़े हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मंत्री व परिवार पर लगाया साजिश रचने का आरोप

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के साले व मुरादनगर के भाजपा विधायक अजीतपाल त्यागी के मामा नरेश हत्याकांड के आरोपी जितेंद्र त्यागी के जमानत पर बाहर आने के बाद साजिश के आरोप लगे है। नरेश के पुत्र अभिषेक त्यागी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेस में राजपाल त्यागी व अजीतपाल त्यागी पर मुकदमे को प्रभावित करने के लिए साज़िश रचने का आरोप लगाते हुए अपनी व परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। अभिषेक ने आरोप लगाया कि ये दोनों उसकी या उसके परिवार की हत्या भी करा सकते हैं।

विभाग की सूचनाएं ट्विटर पर शेयर करेगा यूपीसीडा

● उद्यमियों और विभागीय अधिकारियों के बीच हुई वार्ता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) अपने उद्यमियों को नए नियमों व अन्य सूचनाओं की जानकारी समय-समय पर ट्विटर पर शेयर करेंगी।

यह निर्णय साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों और यूपीसीडा के बीच हुई वार्ता के बाद लिया गया। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश झा ने मंगलवार को यहां बताया कि बैठक में उद्यमियों ने नए नियमों की जानकारी समय पर नहीं मिलने की शिकायत की थी। जिसके मद्देनजर लोगों ने यह निर्णय लिया है कि विभाग से संबंधित जारी होने वाली तमाम नियम, सूचनाएं अब समय-समय पर ट्विटर के माध्यम से उद्यमियों को शेयर की जाएगी। इसके अलावा सभी ईमेल और मोबाइल नंबर भी एकत्र कर यूपीसीडा डाटा बैंक तैयार कर रहा है ताकि उद्यमियों को समय रहते विभाग से संबंधित सभी जानकारी मिल सके।

बैठक में लीज रेंट के बिल प्रत्येक वर्ष देने तथा ब्याज नहीं लगाने, शासनादेश में नीतियों को समय-समय पर उपलब्ध कराने के अलावा सेक्टर रेट की सूचना व किराएदार के प्रावधान को अवगत कराने से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे मुद्दों पर भी बैठक में चर्चा की गई।

गालंद में कूड़ा निस्तारण के लिए जमीन चिन्हित

● निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महानगर में कूड़ा डंपिंग ग्राउंड की समस्या का निस्तारण बहुत जल्दी होने जा रहा है ।

मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर गालंद गांव के जंगल में चिन्हित की गई लगभग 44 एकड़ भूमि पर बहुत जल्द नगर निगम बाउंड्री वॉल का कार्य शुरू कराने जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम के अधिकारियों की टीम ने मौके पर जाकर बाउंड्री करने के लिए मौका स्थल पर निरीक्षण किया। अपर नगर आयुक्त आर एन पांडेय ने बताया कि अतिवृष्टि के कारण आज मौके पर बड़े पैमाने पर जलभराव था। इस कारण आज से बाउंड्री वाल का कार्य शुरू नहीं हो सका लेकिन बहुत जल्दी ही बाउंड्री वाल का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि कूड़ा डंपिंग ग्राउंड ना होने के कारण गाजियाबाद नगर निगम को कूड़ा डंप करने में बड़े पैमाने पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब धौलाना के गालंद गांव के जंगल में से कूडा डम्प करने के लिए स्थल पर बाउंडरी वाल करने का की करवाई शुरू हो गई है।

कूड़ा डंपिंग को लेकर स्थानीय लोगों व नगर निगम के बीच तनातनी चल रही थी। मेरठ रोड स्थित मोरटा और राजनगर एक्सटेंशन के पास कूड़ा कूड़ा डंपिंग शुरू हो गया था लेकिन हिन्डन एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इस मामले में बड़ा एतराज जताया था और आशंका व्यक्त की थी कि पक्षियों के मंडराते के चलते कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है जिसके बाद कूड़ा डंप करना रोकना पड़ा था।

निरीक्षण करते अधिकारी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

राजधानी में 286 निर्माण स्थलों से फैल रहा प्रदूषण, 90 लाख जुर्माना

सभी निर्माण एजेंसियां मानदंडों का पालन करें वरना होगी कार्रवाई : राय

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सर्दियों में हर साल होने वाले प्रदूषण को कम करने की लगातार कोशिशें रही हैं। वायु प्रदूषण फैलाने वाली एजेंसियों पर नकेल भी कसी जा रही है। बावजूद इसके निर्माण एजेंसियां दिल्ली सरकार की तरफ से जारी 14 नियमों को पालन ठीक से नहीं कर रही हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की टीमों ने अब तक 1105 निर्माण स्थलों का निरीक्षण जिसमें से 286 स्थलों पर नियमों का पालन नहीं करने पर उन पर 90 लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। केजरीवाल सरकार वायु प्रदूषण को काबू करने के मकसद से 7 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन चला रही है। सरकार ने डीपीसीसी की टीमों को मानदंडों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और रोजाना कार्रवाई की रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को सभी से अपील करते हुए कहा कि निर्माण एजेंसियां मानदंडों का पालन करते हुए विकास कार्य करें। दिल्ली सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि डीपीसीसी की टीमों ने अब तक 1105 निर्माण स्थलों का दौरा किया है। इस दौरान 286 निर्माण स्थलों पर मानदंडों का उल्लंघन पाए जाने पर उन पर जुर्माना लगाया जा चुका है।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली वालों की सांसों पर वायु प्रदूषण का जो संकट आने की संभावना है, उससे उन्हें बचाने के लिए एंटी डस्ट अभियान चलाया जा रहा है। ताकि धूल प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

निर्माण साइटों पर 14 नियमों का लागू करना अनिवार्य

गोपाल राय ने धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर सभी सरकारी निर्माण एजेंसियों के साथ 14 सितंबर को और निजी निर्माण एजेंसियां के साथ 17 सितंबर को बैठक की थी। उस दौरान किसी भी निर्माण साइट पर क्या-क्या ऐहतियात बरतने है, उसके संबंध में 14 सूत्रीय नियम पर बातचीत हुई थी। उसके बाद 21-22 सितंबर को सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया था कि निर्माण साइटों पर इन 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसके बाद 2 अक्टूबर को सभी को रिमाइंडर भेजा गया था।

ऐप पर कर सकते हैं प्रदूषण फैलाने वालों की शिकायत

वायु प्रदूषण को काबू करना बेहद मुश्किल काम है। इसकी नियंत्रित करने के लिए कई कदम भी उठाए गए हैं। सरकार की तरफ से सात अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन चलाया जा रहा है। प्रदूषण पैदा करने वालों की शिकायत करने के लिए ग्रीन दिल्ली ऐप जारी किया है, ताकि लोग प्रदूषण फैलाने वालों की शिकायत ऐप के जरिए सरकार से कर सकें। इस पर आने वाली शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाती है। मालूम हो कि धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 31 टीमें बनाई गई हैं, जो अलग-अलग इलाकों में निगरानी का काम कर रही हैं कि कौन-कौन निर्माण एजेंसियां सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का पालन कर रही हैं और अनियमितता पाए जाने पर नोटिस जारी करने के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई भी कर रही हैं।

सरकारी राशन दुकानदार कर सकेंगे साप्ताहिक अवकाश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● **दिल्ली सरकार ने सातों दिने खुले रखने संबंधी आदेश वापस लिया**

दिल्ली सरकार ने उचित मूल्य की राशन दुकानों को सप्ताह के सातों दिन खुले रखने संबंधी अपना आदेश वापस ले लिया है और एक नया आदेश जारी करके इन दुकान मालिकों को साप्ताहिक अवकाश की अनुमति दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली सरकार ने यह कदम उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद उठाया है, जिसमें उसने राशन वितरित करने वाली इन दुकानों के मालिकों को सप्ताह में एक दिन अवकाश की अनुमति देने को कहा है। उच्च न्यायालय ने 23 सितंबर को अपने आदेश में कहा था कि सरकार शहर में उचित मूल्य की दुकानों के मालिकों को एक साप्ताहिक अवकाश की अनुमति देगी, ताकि वे बेहतर तरीके से काम कर सकें।

दिल्ली सरकार के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करने का आदेश सोमवार को जारी किया। विभाग ने अपने आदेश में कहा, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल, 2021 के अपने आदेश को 23 सितंबर, 2021 को संशोधित करते हुए कहा था कि ऐसे दुकान मालिकों को सप्ताह में एक दिन अवकाश की अनुमति होगी, ताकि वे बेहतर तरीके से काम कर सकें।

इसमें कहा गया, तदनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के नए निर्देशों का पालन करते हुए सप्ताह के सातों दिन लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरण करने के पांच मई, 2020 के आदेश को वापस लिया जाता है।

सास को जहर देने का प्रयास, एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने अपनी सास को कथित रूप से जहर देकर मारने का प्रयास करने वाली महिला और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिल्ली पुलिस को दिया है।

शिकायतकर्ता रीता गुप्ता ने अपनी बहू स्वाति गुप्ता पर आरोप लगाया है कि 25 सितंबर को उसने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर दूध में जहर मिला दिया था, और उसने उसी दूध से कॉफी बनाई। रीता गुप्ता ने दावा किया कि कॉफी पीने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सम्पत्ति की मांग को लेकर उनकी बहू ने यह कदम उठाया।

स्थिति रिपोर्ट में जांच अधिकारी (आईओ) ने कहा कि प्याले में बची कॉफी और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर एफएसएल के पास जांच के लिए भेज दिया गया है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अजय सिंह परिहार ने कहा कि फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट के लंबित होने के कारण पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार नहीं कर सकती।

श्मशान घाट और कब्रिस्तान से मिलेगी डिजिटल पर्ची

● **उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने ऑनलाइन एप्लिकेशन विकसित किया : महापौर**

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी नगर निगम क्षेत्र में शमशान घाट व कब्रिस्तान में उपलब्धता की स्थिति का पता अब घर बैठे ऑनलाइन लगा सकेंगे। यह जानकारी उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने देते बताया कि कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने श्मशान घाटो / कब्रिस्तानों में जगह की वास्तविक उपलब्धता व डिजिटल पर्चियों के लिए एक ऑनलाइन एप्लिकेशन विकसित की है।

राजा इकबाल सिंह ने बताया कि नागरिक उत्तरी दिल्ली नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट *https://mcdonline.nic.in/* पर जा कर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले श्मशान घाटो / कब्रिस्तानों मं जगह की वास्तविक उपलब्धता देख सकते है, इसके साथ ही इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को डिजिटल श्मशान पर्चियां भी उपलब्ध होंगी। इस योजना में 1. निगम बोध घाट, 2. इंदर पुरी, 3. पंचकुइयां रोड, 4. सतनगर, 5. बेरी वाला बाग, 6. वजीरपुर जेजे कॉलोनी, 7. पश्चिम विहार श्मशान घाट, 8. हैदर पुर श्मशान घाट, 9. रोहिणी सेक्टर-26 श्मशान घाट, 10. मंगोल पुरी श्मशान घाट, 11. मंगोल पुरी कब्रिस्तान, 12. मंगोल पुरी दफन मैदान को ऑनलाइन सुविधा से जोड़ा गया है। मेयर ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए निगम द्वारा कई सेवाओं को ऑनलाइन बनाया गया है।

वाहनों पर विज्ञापन के लिए ऑनलाइन सुविधा

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, संजय गोयल ने बताया कि निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र में चलने वाले रेडियो टैक्सी / ऑटो रिक्शा / निजी बसों आदि वाहनों पर विज्ञापनों के प्रदर्शन की अनुमति प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन आवेदन मॉड्यूल भी शुरू किया है।

वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली की क्षमता बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्र ने मौजूदा वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) की क्षमता बढ़ाते हुए मंगलवार को इसमें दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय लेने की क्षमता को शामिल किया।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त संस्थान भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान ने एक नयी निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) विकसित की है और मौजूदा वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली की क्षमता बढ़ाकर इसमें दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के प्रबंधन के लिए निर्णय लेने की क्षमता को शामिल किया है।

जन्मदिन या सालगिरह पर लगाएं पौधे, देखभाल करेगा निगम

एसडीएमसी ने ऑनलाइन गिफ्ट ए ट्री अभियान शुरू किया, एनजीटी के अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी को हरा-भरा बनाने में आम लोग भी अपना योगदान दे सकते हैं। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने एक अनूठी पहल गिफ्ट ए ट्री अभियान की शुरुआत की है। इस मुहिम के तहत लोग अपने स्वजनों के जन्मदिन, शादी की सालगिरह व अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर उनकी तरफ से निगम के चुनिंदा पार्कों में पौधारोपण कर सकते हैं लेकिन इस योजना का लाभ उठाने के लिए अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। इच्छुक व्यक्ति को निगम की वेबसाइड पर 2000 से 2500 रुपए का भुगतान करने पड़ेगा। इसके एवज में दक्षिणी निगम के ऑनलाइन मॉड्यूल की सहायता से एक प्रमाण पत्र मिलेगा जिसे वह अपने प्रियजन को दे सकेंगे। पौधा भेंट करने वाले व्यक्ति को इसके बाद पौधों की देखभाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि उसके देखभाल की पूरी जिम्मेदारी दक्षिणी निगम निभाएगा।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायाधीश आदर्श कुमार गोयल ने ऑनलाइन माध्यम से दक्षिणी निगम क हरसुख पार्क में मौलश्री का पौधा लगाकर गिफ्ट ए ट्री अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दक्षिणी निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने पौधारोपण से संबंधित प्रमाणपत्र गोयल को भेंट किया। एनजीटी अध्यक्ष दक्षिणी निगम के इस पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि निगम को इस प्रकार के पर्यावरण हितैषी कार्यक्रम युद्धस्तर पर लागू करने की जरूरत है।

दक्षिणी निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कहा कि वृक्ष धरती का आभूषण हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कार्य पौधारोपण है। हर वृक्ष अपने जीवनकाल में 1 टन कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करता है जिसकी वजह से भूमंडलीय ऊष्मीकरण को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। पौधारोपण प्रकृति की सुंदरता को सहेजने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया जा सकने वाला सबसे सरल कार्य है। इस अभियान के अंतर्गत दिल्ली वाले ऑनलाइन दक्षिणी निगम के चुनिंदा पार्कों में पौधारोपण कर सकते हैं। बाद में उस पौधे की देखभाल का पूरी जिम्मेदारी एसडीएमसी की होगी।

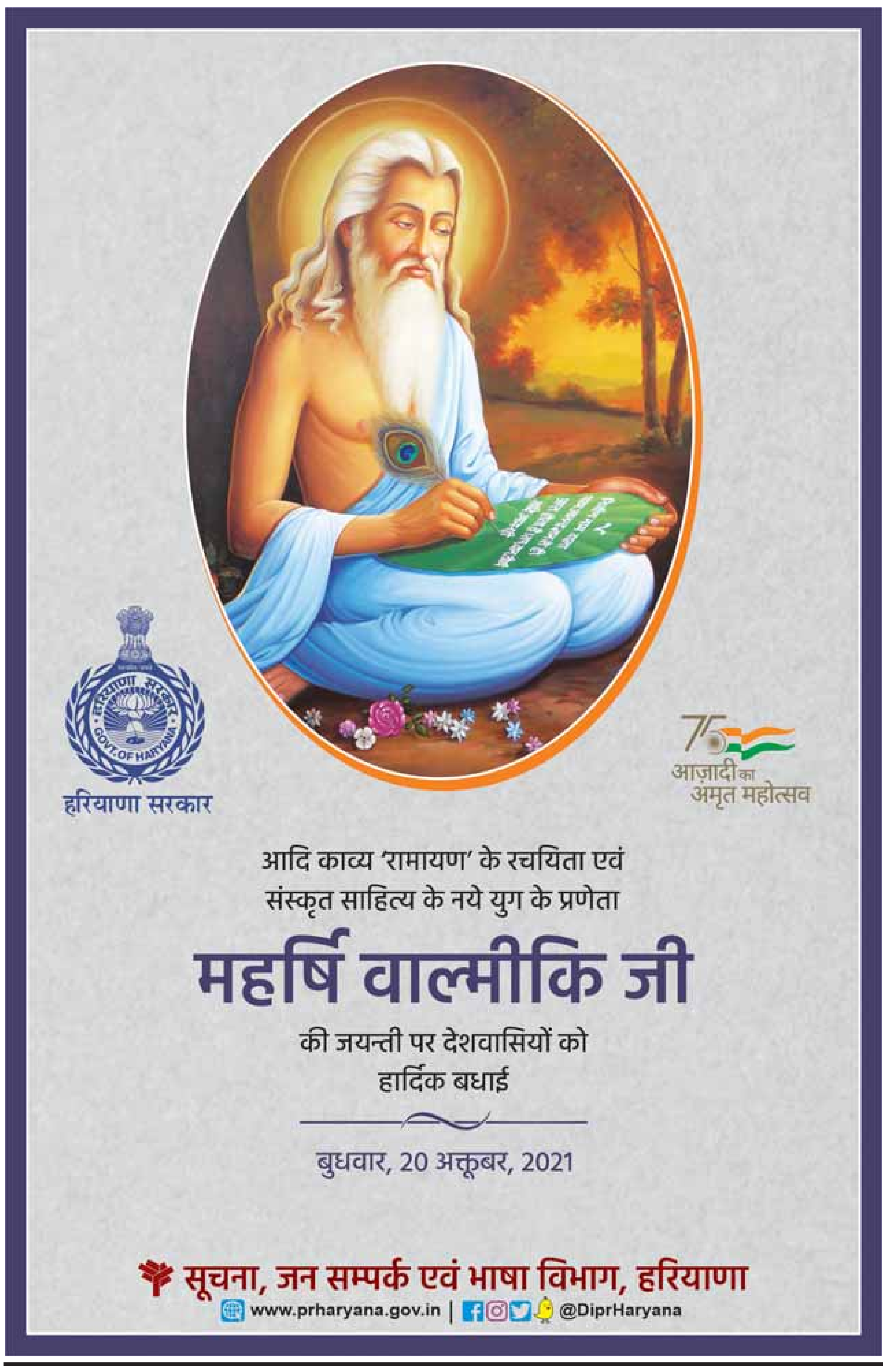

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021

1947 के विभाजन का दर्द-बुजुर्गों की जुबानी

भारत आकर 30 गज के टैंट में रहकर किया था गुजारा

भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय की मोतीराम मल्होत्रा ने सुनाई दास्तां

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पाकिस्तान में थे तब मौज का जीवन जी रहे थे। किसी तरह की चिंता ना थी। हर परिवार साधन संपन्न था। आपसी वैर भाव दूर-दूर तक नहीं था। अगस्त 1947 का महीने सबके लिए संकट लेकर आया। दो देश भारत-पाकिस्तान बने तो लोगों का जीवन ही बदल गया। यह कहना है कि पाकिस्तान से भारत आए मोतीराम मल्होत्रा पुत्र गोकल चंद मल्होत्रा का।

मोतीराम मल्होत्रा बताते हैं कि उनकी पैदाइश पश्चिमी पाकिस्तान के जिला मियांवाली तहसील बक्खर गांव पीर साहब में हुई। उनका जन्म 10 अगस्त 1933 को हुआ था। बंटवारे के समय वे 14 साल के थे। जिस उम्र में अच्छी शिक्षा हासिल करके जीवन में कामयाबी होने के सपने देखे जाते हैं। उस उम्र में उन्हें बंटवारे का दंश झेलना पड़ा। यह बहुत बड़ी पीड़ा थी। जब बंटवारा हुआ तो वे लोग भी दुश्मन हो गये, जिनके साथ एक थाली में खाना होता था। मोतीराम के मुताबिक किसी तरह अपनी जान बचाकर उनका परिवार गांव से तहसील बक्खर जिला मियांवाली में पहुंचे। वहां से भारत पहुंचने की योजना बनी। भारत सुरक्षित पहुंचना परिवार के लिए बहुत बड़ी चुनौती था। सैनिकों ने भी बहुत मदद की। किसी तरह से पाकिस्तान से निकलकर भारत पहुंचने के लिए निकले। रास्ते में कठिनाई बहुत आई। जान पर सांसत बनी, लेकिन उनकी अच्छी किस्मत थी कि वे सुरक्षित भारत पहुंच गये।

मोतीराम मल्होत्रा।

गुरुग्राम में शरणार्थी बनकर रहे

भारत आने के बाद वर्ष 1948 में उन्हें सिविल लाइन गुरुग्राम में टैंट में स्थान मिला। यहां वे शरणार्थी बनकर रहे। बुजुर्गों ने यहां पहुंचकर जी-तोड़ मेहनत की। मांगकर मुफ्त का खाने की बजाय उन्होंने श्रम करके गुजारा किया। अपनी पीढ़ियों को भी यही सिखाया। उन बुजुर्गों की मेहनत की बदौलत अगली पीढ़ियों ने यहां शिक्षा हासिल की। उस शिक्षा की बदौलत नौकरियां मिलीं। बहुतों ने अपना बिजनेस शुरू किया। अब तीसरी और चौथी पीढ़ियां कामयाबी की वह सीढ़ी चढ़ चुकी हैं, जो हर किसी की किस्मत में नहीं होती। हर क्षेत्र में आज पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए लोगों की अगली पीढ़ियों का बोलबाला है।

कोरोना से एक मरीज की मौत, 36 नए केस मिली

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को कोविड-19 से एक व्यक्ति की मौत हुई। पिछले चौबीस घंटे में 36 नए मरीज संक्रमण की चपेट में आए। संक्रमण की दर 0.06 प्रतिशत रही। शहर में पिछले माह कोरोना वायरस संक्रमण से पांच लोगों की मौत हुई। इनमें एक-एक मौत 7, 16 और 17 सितंबर को जबकि दो लोगों की मौत 28 सितंबर को हुई।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में अक्टूबर में अभी तक संक्रमण से तीन लोगों की मौत हुई है। इससे पहले दो और 10 अक्टूबर को एक-एक व्यक्ति की मौत हुई थी। अभी तक कुल 25,00 लोगों की मौत कोरोना से हो चुकी है।

कृषि पर्यटन की तरफ भी देना होगा ध्यान : प्रो. राम सिंह

कृषि पर्यटन केंद्रों से ग्राम्य व शहरी जीवन को संदेश देना जरूरी

अपनी पौराणिकता से अनजान है आधुनिक पीढ़ी

हरियाणा में खेतों में हल चलाता किसान और घर में दूध बिलोती महिला। (10 साल पहले की तस्वीरें)। इंसेट में प्रो. राम सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारी पौराणिकता पीछे छूटती जा रही है। ऐसे ही अपनी परम्पराओं, पौराणिकता को अगर हम दूर करते रहे तो एक दिन यह सब हमसे बहुत दूर हो जाएंगी। ऐसे में ग्रामीण एवं शहरी युवाओं को कृषि प्रधान देश के जीवन के सभी क्षेत्रों में पारंपरिक और आधुनिक कृषि पारिस्थितिकी तंत्र से परिचित कराने की सख्त जरूरत है। यह कहना है प्रो. राम सिंह (पूर्व, निदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन और पूर्व, प्रमुख, कीट विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार) का।

कला, संस्कृति का गूढ़ ज्ञान रखने वाले प्रो. राम सिंह कहते हैं कि करीब चार दशकों से ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र से शहरी वातावरण में जन शक्ति का बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। ज्ञान-आधारित सूचना प्रौद्योगिकियों के संयोजन में कृषि प्रौद्योगिकियों में ग्रामीण भौतिक प्रथाओं का बड़े पैमाने पर मशीनीकरण के लिए परिवर्तन शुरू चुका है। प्रो. सिंह वर्ष 1960 के मध्य से 2021 तक दोनों ग्रामीण और शहरी कृषि पर्यावरण के साक्षी हैं।

हमारे कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने, बदलने और वर्तमान समाज में एकीकृत करने के लिए कृषि पर्यटन एक अच्छा विकल्प है। प्रो. सिंह ने आधुनिक पीढ़ी के युवाओं में कृषि सामग्री की जानकारी और ज्ञान की कमी पर कुछ प्रकाश डाला है। डा. सिंह का कहना है कि आज की पीढ़ी ना तो पशुओं में भी भेद बता सकती हैं और ना ही वह पौधों व बीजों का अंतर जानती है। इतनी ही नहीं, जमीन के नीचे जड़ में व ऊपर पौधों में क्या लगता है, देसी खान-पान की चीजों के नाम, पक्षी और कृषि यंत्रों के नाम भी आज के युवाओं, बच्चों को नहीं पता।

1970 से पहले होती थी जैविक व टिकाऊ खेती

प्रो. राम सिंह के मुताबिक वर्ष 1970 से पहले देश में हर जगह जैविक और टिकाऊ खेती होती थी। वर्तमान समय में बढ़ती मानव आबादी की खाद्य आवश्यकता को पूरा करने के लिए कृषि पद्धतियां अत्यधिक उत्पादक लेकिन एक स्तर बनाए रखने के लिए अपर्याप्त हैं। बैलों द्वारा की गई खेती टिकाऊ खेती थी और ट्रैक्टर द्वारा की हुई खेती पृथ्वी का दोहन करने वाली खेती है। प्रो. सिंह का कहना है कि यदि मानव जाति अपना कर्तव्य करने में विफल रहती है तो प्रकृति अपना संतुलन खुद बना लेगी। यह कथन न तो दार्शनिक है और न ही अव्यावहारिक, बल्कि एक कड़वा सत्य है।

संस्कृति से जुड़े शब्दों, सामग्रियों की है प्रासंगिकता

मानव जाति की स्थिरता कायम रखने को हमारी संस्कृति से जुड़े सभी शब्दों और सामग्रियों की आज भी बहुत प्रासंगिकता है। सभी शब्द और सामग्रियां कम लागत और टिकाऊ कृषि के लिए आवश्यक हैं। प्रो. राम सिंह का सुझाव है कि एक से दो हेक्टेयर सरकारी भूमि पर कम से कम हर 15 किलोमीटर के दायरे में गांवों के समूहों में कृषि पर्यटन केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि फसलों और सामग्रियों से हमें एकीकृत ग्रामीण पर्यावरण पारिस्थितिकी तंत्र का वास्तविक अर्थ समझने में मदद मिले। उचित योजना बनाकर ये कृषि पर्यटन केंद्र आत्मनिर्भर बन सकते हैं। पूरे राज्य में एक या दो केंद्र जनता को शिक्षित करने के लिए घोर अपर्याप्त हैं। प्रो. राम सिंह की राय में आधुनिक इंसान को इच्छाओं और जनसंख्या पर नियंत्रण की अति आवश्यकता है।

शतरंज खिलाड़ी तानिया सचदेव ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मंगलवार को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित भारतीय शतरंज खिलाड़ी तानिया सचदेव ने मुलाकात की। विधायक सोमनाथ भारती के साथ आई तानिया को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने महिला विश्व टीम चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के लिए तानिया सचदेव को बधाई दी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपने और आपकी टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से दिल्ली समेत पूरे देश को गौरवांवित किया है। शतरंज को दिल्ली के हर घर तक पहुंचाने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तानिया सचदेव से दिल्ली में शतरंज को बढ़ावा देने के लिए एक प्लान भी तैयार के लिए भी कहा है। इस दौरान, सीएम अरविंद केजरीवाल को यह पता चला कि अर्जुन अवार्डी शतरंज खिलाड़ी तानिया सचदेव को उनके प्रदर्शन के लिए दिल्ली में अभी सम्मानित नहीं किया गया है। इस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने तुरंत फोन कर उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री मनीष सिसोदिया से इस संबंध में बात की।

सीएम ने नियमानुसार तानिया सचदेव को सम्मानित करने और हर संभव मदद देने के निर्देश दिए। स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए हमने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोली है। तानिया सचदेव ने कहा कि वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर-22 में चैलेंजर्स पाठशाला में बोतल देती छात्रा। फोटोः दीपक यादव

ऐसी पाठशाला जहां शिक्षा के बदले लेते है कचरा

नोएडा। चैलेंजर्स की पाठशाला में शिक्षा के बदले कचरा लिया जाता है। नोएडा में स्थापित सेक्टर-22 स्थित चैलेंजर्स की पाठशाला जो कि चैलेंजर्स ग्रुप द्वारा पिछले चार वर्षों से संचालित आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा केन्द्र है। पाठशाला में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे कूडा-कचरा बीनकर अपना व अपने परिवार का जीवनयापन करते हैं। संस्था की मुहिम प्लास्टिक लाओ शिक्षा पाओ का मुख्य उद्देश्य ऐसे कूडा.कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षित करना है। चैलेंजर्स ग्रुप के संस्थापक प्रिंस शर्मा ने कहा कि कि इस मुहिम प्लास्टिक लाओ शिक्षा पाओ से जहाँ कभी स्कूल न जाने वाले बच्चों को शिक्षा मिल सकेगी। पाठशाला में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे को मासिक शुल्क के रूप में एकल उपयोग प्लास्टिक कचरे की पांच बोतल जमा करनी होंगी। ग्रुप से गीतिका ने कहा कि जमा कचरे से हम बच्चों के लिए साज-सज्जा की कार्यशाला आयोजित कराते हैं। गौरतलब है कि शहर के विभिन्न स्थानों पर चैलेंजर्स की पाठशाला चलाई जाती हैं जिनमें झुग्गी-बस्तियों में बसर करने वाले 300 से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

गन्ना भुगतान को लेकर रालोद का प्रदर्शन

हापुड़। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, किसानों के गन्ने का भुगतान, बेरोजगारी, सरसो तेल आदि समस्याओं को लेकर तहसील चौराहा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा जिलाध्यक्ष अशोक त्यागी ने कहा कि आज हर वर्ग का परिवार महंगाई से परेशान है। पेट्रोल डीजल के दामों ने लोगो की कमर तोड़ दी है। वरिष्ठ नानक चन्द शर्मा नेता ने कहा कि प्रदेश सरकार भोली भाली जनता को गुमराह कर रही है। किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं हो रहा है इससे किसान के पास आज पैसा नही है। पूर्व जिला अध्यक्ष शिवकुमार त्यागी ने कहा कि सरकार ने किसानों की आय दुगनी तो नही करी पर सरसो का तेल जरूर दुगना कर दिया। इस मौकें पर योगेश जाखड़, पर्वेश सैफी, अतुल चट्टा, शैंकी मुंडीर, कुलदीप राठी, गुड्डू चौधरी, रविंद्र प्रधान जी, आखिल चौधरी, मोहित चौधरी, आकाश सिंह, अब्बास अली, हेमंत मिश्रा, वीरेंद्र गौतम, प्रवीण बाल्मिकी, आकाश यादव, मिंटू तेवतिया, रश्मि चौधरी, तरुण चौधरी, आमिर सैफी, आसिफ जरोडिया, अवनीश त्यागी, आकाश त्यागी, विकास त्यागी आदि मौजूद रहे।

पूरे घर के सामान पर समेट ले गए चोर

नोएडा। नोएडा में रहने वाले एक परिवार को गोवा घूमने भारी पड़ गया है। पूरा परिवार घर का ताला लगाकर गोवा घूमने गया था। पीछे से चोरों ने पूरे घर को साफकर दिया है। पीड़ित व्यक्ति ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल, नोएडा के सेक्टर 49 कोतवाली क्षेत्र में स्थित सेक्टर 47 में श्याम नामक एक व्यक्ति पूरे परिवार के साथ रहता है। श्याम बीते दिनों अपने पूरे परिवार के साथ गोवा घूमने के लिए गया था। पीछे से चोरों ने मकान पर हाथ साफकर दिया है। थाना सेक्टर 49 प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी है कि उनके घर से 60 हजार नकदी और लाखों की कीमत के आभूषण चोरी हो गए है। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। चोरों की तलाश शुरू हो गई है। पुलिस का दावा है कि उनको कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। सभी आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

प्रशासन ने प्रदर्शनी के जरिए दिखाईं उपलब्धियां

नोएडा। उप्र सरकार के साढ़े 4 वर्ष पूर्ण होने पर गौतमबुद्ध नगर में विकास उत्सव मनाया गया। इसमें इरादे नेक काम अनेक शीर्षक पर आधारित विकास उत्सव प्रदर्शनी विकास भवन प्रांगण में लगाई गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ डीएम सुहास एलवाई के नेतृत्व में मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने विकास भवन प्रांगण में विधिवत रूप से फीता काटकर किया। प्रदर्शनी में आत्मनिर्भर उप्र की झलकियों को प्रस्तुत किया गया। महिलाओं, युवाओं, किसानों एवं गरीबों के लिए किए गए कार्यों को विशेषकर दर्शाया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि पिछले 4 वर्ष 6 माह में उप्र सरकार ने तकरीबन डेढ़ करोड से अधिक श्रमिकों को मनरेगा के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराया है।

हरीश बंसल बनें आप छात्र संगठन के प्रदेश प्रभारी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन (सीवाईएसएस) ने अपने दिल्ली प्रदेश प्रभारी के तौर पर हरीश बंसल और प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर चंद्रमणि देव को नियुक्त किया है आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी दिल्ली और देश के छात्रों की आवाज को बुलंद करेंगे उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना भी हमारी प्राथमिकता हैं। संगठन के प्रदेश महासचिव के तौर पर ऋषि कुमार गुप्ता , उपाध्यक्ष- दिलीप यादव , तारिक खान , विराट तिवारी , सादिक रजा , मोहम्मद शकील , रवि पांडे , नितिन यादव को बनाया गया हैं। वही सचिव पद पर अनुषा सिंह , कुलदीप , रीतेश श्रीवास्तव, विश्वजीत कुमार ,संजय कुमार,नितिशा तावरा,जेसिका सिंह और आफताब आलम को दी गई हैं। संयुक्त सचिव के तौर पर आदिल अंसारी , संदीप यादव , वंशिका सिंह, हिमांशी गोयल , मनीष कुमार यादव , मनोज कुमार और अंजलि को मिली है, वही प्रवक्ता के तौर पर नाहिद खान, शिवानी तिवारी , जय ठाकुर , विपिन , कनिष्का गोस्वामी , रजनीश मिश्रा और ध्रुव गहलोत को बनाया गया है वही सोशल मीडिया के इंचार्ज के तौर पर गगन महायान को जिम्मेदारी दी गई हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण को निगम नियुक्त कर रहा ब्रांड एम्बेसडर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके तहत विशेष क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों को ब्रांड एम्बेसडर बनाना भी शुरू कर दिया गया है, ताकि वे आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरुक करें और शहर को स्वच्छता में बेहतर स्थान पर लाने में भूमिका निभाएं।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा हरियाणवी सिंगर मन्नू दवन (एमडी), नागरिक अस्पताल गुरुग्राम की पंचकर्म विशेषज्ञ डा. गीतांजलि अरोड़ा तथा सामाजिक कार्यकर्ता प्रिया राव को स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के तहत वॉकल फॉर लोकल ब्रांड एम्बेसडर की भूमिकाएं भी निर्धारित की गई हैं। इनमें मासिक आधार पर स्वच्छ भारत मिशन की टीम के साथ बैठक में सहभागिता और गतिविधियों के आयोजन के लिए सुझाव एवं परामर्श देना, वार्ड स्तर पर स्वच्छता विषय पर आयोजित गतिविधियों का आयोजन करना, श्रमदान कार्यक्रमों, गार्बेज रन, स्वच्छता शपथ जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी, दूसरे व्यक्तियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना, कचरा अलगाव के प्रति जागरुकता फैलाना, होम कंपोस्टिंग, स्वच्छता एप आदि के उपयोग एवं 3आर सिद्धांतों के बारे में जनसमुदाय को जागरूक करना आदि शामिल हैं।

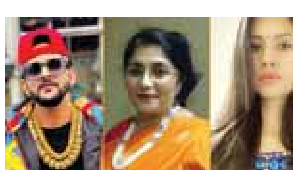

सिंगर मन्नू दवन, डॉ. गीतांजलि अरोड़ा।

विधायक सुधीर सिंगला ने सिटीजन पार्क में किया योगा सेंटर का उद्घाटन

रोटरी क्लब ऑफ साउथ सिटी गुड़गांव ने सेंटर में लगवाया साउंड सिस्टम

समाजसेवा के लिए लोगों को विधायक ने किया प्रेरित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सेक्टर-15 पार्ट-2 के सिटीजन पार्क में योगा सेंटर का उद्घाटन मंगलवार को किया। कार्यक्रम विजय रतन विहार सोसायटी के सामुदायिक केंद्र में किया गया। इस दौरान सिटीजन पार्क एसोएिशन की मांग पर रोटरी क्लब ऑफ साउथ सिटी गुड़गांव की तरफ से साउंड सिस्टम भी लगवाया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि रोटरी क्लब सामाजिक कार्यों में सदैव आगे रहता है। उन्होंने क्लब की टीम को बधाई देते हुए कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में ऐसे ही काम करते रहें। कोरोना काल में जरूरतमंदों को हर सहायता क्लब ने उपलब्ध करवाई। उन्होंने समाजसेवी संगठनों का आह्वान किया कि अपने-अपने क्षेत्र में वंचित लोगों की सहायता में सदा लगे रहें। विधायक ने कहा कि वे सिटीजन पार्क एसोसिएशन, विजय रतन विहार सोसायटी, सेक्टर-15 पार्ट-1, पार्ट-2 समेत अन्य क्षेत्रों में जब भी उनकी जरूरत होगी, वे सदैव खड़े मिलेंगे। भले ही यह क्षेत्र बादशाहपुर विधानसभा में हों, लेकिन वे इन्हें भी अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं।

इस कार्यक्रम में पार्षद सुभाष सिंगला ने कहा कि हम सब मिलकर शहर को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें। रोटरी क्लब ऑफ साउथ सिटी के प्रधान गजेंदर गुप्ता ने कहा कि समाजसेवा में क्लब सदैव अग्रणी रहेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक धीरज गुप्ता, प्रवीन शर्मा, राजबाला शर्मा, भारती गुप्ता, रोटरी क्लब के सचिव गौरव मंगला, प्रिंस मंगला, ईश्वर मित्तल, मनदीप किशोर गोयल, अमित गोयल, जोगिंद्र सिंह, विकी बंसल, गगन बंसल, अनिल गुप्ता, विकास गुप्ता, आशीष गुप्ता, सतीश गुप्ता, दीपक मंगला, एसएस पठानिया, नरेंद्र सिंह रांगी समेत कई समाजसेवी मौजूद रहे।

गुरुग्राम की विजय रतन विहार सोसायटी के सामुदायिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुधीर सिंगला का स्वागत करते क्षेत्रवासी।

स्वच्छता में अव्वल आने को ननि तैयारियों में जुटा

निगमायुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के तहत अधिकारियों के साथ की बैठक

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते निगमायुक्त मुकेश कुमार आहुजा।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 के लिए नगर निगम गुरुग्राम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 की तैयारियों में जुट जाएं। सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों की पालना में गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतरीन शहर बनाने की दिशा में कार्य करें।

सेक्टर-39 स्थित नगर निगम कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक में निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा निर्धारित स्थानों के अलावा अन्य जगहों पर कचरा डालने वालों पर कार्रवाई के लिए सहायक सफाई निरीक्षकों के नेतृत्व में सुपरवाईजरों की 9 टीमें गठित की जाएंगी। ये टीमें इधर-उधर कचरा डालने वालों की गाड़ियों को इंपाऊंड करने के साथ ही उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना भी लगाएंगी। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों, सड़कों के आसपास पड़े कचरे को उठाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं टीमों की होगी। निगमायुक्त ने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ट्रांसफर स्टेशन पर सेग्रीगेटिड कचरा पहुंचे। अगर कोई भी वाहन बिना सेग्रीगेट किए कचरा डालता है, तो उसका चालान किया जाएगा, चाहे वह वाहन इकोग्रीन एनर्जी का हो या अन्य किसी एजेंसी का। निगमायुक्त ने कहा कि गठित 9 टीमें सार्वजनिक स्थानों, मार्केट क्षेत्रों एवं डस्टबिन की सफाई करवाना भी सुनिश्चित करेंगी तथा पॉलीथीन के उपयोग पर भी अंकुश लगाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी। इस पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही वरिष्ठ सफाई निरीक्षक ऋषि मलिक की होगी तथा वे प्रतिदिन निगमायुक्त को इस बारे में रिपोर्ट भी देना सुनिश्चित करेंगे। निगमायुक्त ने कहा कि सेक्टर-39 कार्यालय में गुरुवार तक सेनीटेशन कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए। इसके लिए उन्होंने डिप्टी म्यूनिसिपल कमिशनर डा. विजयपाल यादव को जिम्मेदारी सौंपी। निगमायुक्त ने यह भी कहा कि कोई भी डस्टबिन या खत्ता खुला नहीं होना चाहिए। इसे कवर करें व सफाई सुनिश्चित करें, ताकि कचरा दिखाई ना दे। बैठक में निगमायुक्त ने महिला स्वच्छता सैनिकों को सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही बल्क वेस्ट जनरेटरों तथा होम कंपोस्टिंग पर फोकस करने के लिए कहा। उन्होंने अवैध मीट शॉप को बन्द करवाने तथा बागवानी कचरे के समयबद्ध उठान एवं निस्तारण के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में होंगे 7500 अंक

बैठक में बताया गया कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में कुल 7500 अंकों के आधार पर शहरों को स्वच्छता रैंकिंग दी जाएगी। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस के लिए 3000 अंक, सर्टिफिकेशन के लिए 2250 अंक तथा सिटीजन वॉयस के लिए 2250 अंक निर्धारत किए गए हैं।

किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने की सुधा यादव से मुलाकात

पूर्व सांसद डा. सुधा यादव से मुलाकात करते भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विरेंद्र यादव व अन्य पदाधिकारी।

गुरुग्राम। भाजपा किसान मोर्चा गुरुग्राम के नवनियुक्त मण्डल प्रभारियों और अन्य पदाधिकारियों ने मोर्चा के जिला अध्यक्ष विरेंद्र यादव के नेतृत्व में पूर्व सांसद एवं पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य डा. सुधा यादव से मुलाकात की।

विरेन्द्र यादव के साथ जिला महामंत्री मुकेश जेलदार, कर्मचन्द यादव उपाध्यक्ष व प्रभारी गुरुग्राम, दिनेश यादव उपाध्यक्ष व प्रभारी बादशाहपुर विधानसभा, मण्डलों के प्रभारियों में सीताराम सिंगला जिला कोषाध्यक्ष एवं प्रभारी सरस्वती मण्डल, सिया शर्मा अर्जुन मण्डल, नवीन यादव डूण्डाहेड़ा मण्डल, सतीश कुमार भोडंसी मण्डल, राजेश ठाकरान खेड़कीदौला, सुनील वर्मा दयानन्द मण्डल प्रभारी, सूबेदार ओमप्रकाश यादव, राजीव कटारिया, संदीप जोहरी अर्जुन मण्डल महामंत्री, महाबीर प्रधान, सुरेश यादव सहित प्रमुख कार्यकर्ता उनसे मुलाकात करने पहुंचे। श्रीमाता शीतला के चरणों से लाई गई चुनरी डा. सुधा यादव को ओढ़ाई गई। उन्हें 31 अक्टूबर को 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए गांव चंदू बुढेड़ा में पहुंचने का न्योता भी दिया। डा. सुधा यादव ने सभी कार्यकर्ताओं को नये दायित्व के लिए बधाई दी।

टीएमयू से मेडिकल की पढ़ाई कर रही युवती ने की आत्महत्या

पिता की शिकायत पर दो युवकों पर केस

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

मुरादाबाद के टीएमयू कैंपस में ऐसा क्या है जो हर साल किसी न किसी बेटी को निगल लेता है।

कभी कोई लड़की फंदे पर झूल आत्म हत्या कर लेती हैं तो कोई कैम्पस से गिरकर मरती है। इसके पीछे का राज आखिर क्या है। जिसकी पुलिस को गहनता से जांच करनी चाहिए। बता दें कि हापुड के मोदीनगर रोड स्थित प्रमोद चौधरी ने अपनी बेटी वैशाली चौधरी को मुरादाबाद के पाकबड़ा स्थित कॉलेज तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में डॉक्टर बनने के सपने को लेकर पढ़ाई करने भेजा था जो पल भर में टूट गया। पिता प्रमोद ने बताया कि वैशाली डॉक्टर बनना चाहती थी, बेटी का सपना पूरा करने के लिए प्लॉट बेचकर उसका दाखिला मेडिकल कॉलेज में कराया था। जैसे ही वैशाली की मौत की सूचना मिली पूरा परिवार सदमे में आ गया। आनन फानन में मकान का ताला लगाकर परिवार मुरादाबाद के रवाना हो गया। प्रमोद किसान है ।

फाइल फोटो

बेटी बचाओ का नारा आज भी नहीं हुआ सार्थक

नहर किनारे बंद थैले में मिली नवजात बच्ची

पुलिस ने अज्ञात पर किया मामला दर्ज

कविता । फरीदाबाद

बीके अस्पताल की नर्सरी में भर्ती कराए शिशु का चिकित्सीय परीक्षण करती पुलिस।

बेशक जिले में लिंगानुपात बढ़ गया है और कितने ही भ्रूण जांच केन्द्र बंद कर दिए गए हो, लेकिन सरकार द्वारा दिया गया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा सार्थक नहीं हो पाया है।

मंगलवार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक बच्ची को बैग में डालकर नहर किनारे मरने के लिए छोड़ दिया। हालांकि नहर किनारे बैग में पड़ी बच्ची की किस्मत अच्छी निकली और वहां से गुजर रहे लोगों ने उसकी आवाज सुनकर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे अस्पताल में इलाज को दाखिल करवा दिया है।

मंगलवार को सेक्टर-25 स्थित गुरुग्राम नहर के किनारे कचरे के ढेर पर किसी अज्ञात ने बच्ची को बैग में डालकर फेंक दिया। बच्ची करीब दो से तीन दिन की बताई जा रही है।

बच्ची के रोने की आवाज वहां से गुजर रहे राहगीरों ने सुनी तो उन्होंने बैग खोलकर उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दे दी। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को अपने कब्जे में ले लिया और उसे बीके सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में जांच के बाद उसे नर्सरी में भर्ती करवा दिया है। बच्ची फिलहाल पूरी तरह से ठीक है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सिरे नहीं चढ़ी पालना योजना

नवजात बच्चों का नालों और कूड़े के ढेर में फेंकने की घटनाएं शहर में पिछले लंबे समय से हो रही है। कई बार तो कूड़े के ढेर पर पड़े नवजात बच्चों को कुत्ते और अन्य आवारा जानवर नोंच कर मार चुके हैं। ऐसे नवजात बच्चों की जान बचाने के लिए सरकार ने कई साल पहले पालना योजना शुरू की थी। जिसके तहत बाल भवन में पालने भी लगाए गए थे। ताकि लोग बच्चों को फेंकने की बजाए यहां रख जाए, लेकिन जागरूकता के अभाव में यह योजना आज तक कामयाब नहीं हो पाई।

फेंकने वालों पर नहीं होती कार्रवाई

नवजात बच्चों को फेंकने वाले लोगों का पहले तो पुलिस पता ही नहीं लगा पाती और यदि किसी तरह आरोपियों का पता लग भी जाता है तो उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। ज्यादातर मामलों में पुलिस सिर्फ मुकदमा दर्ज कर अपना कर्तव्य पूरा कर लेती है। यदि पुलिस इन मामलों में गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करें तो इस तरह की घटनाएं रुक सकती हैं।

नवनियुक्त प्राचार्य का ग्रामीणों ने किया स्वागत

फरीदाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पन्हैड़ा खुर्द में नवनियुक्त प्रधानाचार्य रेणु शर्मा का गांव के गणमान्यों ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। प्रधानाचार्य व गणमान्य लोग एक-दूसरे से रूबरू हुए और विद्यालय का संचालन बखूबी हो तथा देहात आंचल के बच्चों की शिक्षा का स्तर सुधरे व व्यवस्था सुचारू रूप से चले ऐसी आशा कर बेटियों में नैतिकता का विकास हो इस तरह की मंत्रणा प्रधानाचार्या से की गई। गांव के लोगों ने नवनियुक्त प्रधानाचार्य रेणु शर्मा को भरोसा दिलाया कि हम हर तरह से विद्यालय की मदद के लिए हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर रहेंगे। प्रार्थना की आप विद्यालय के शिक्षा का स्तर बढ़ाकर प्रदेश में विद्यालय का नाम रोशन करें।

संक्षिप्त समाचार

ईको ग्रीन के अधिकारियों की वार्ड कमिटी के साथ बैठक

ईको ग्रीन के जनरल मैनेजर संग बैठक करते पार्षद व लोग।

फरीदाबाद। लघु सचिवालय में मंगलवार को वार्ड 28 के कमिटी सदस्यों, पार्षद नरेश नंबरदार व वार्ड के नोडल ऑफिसर डीडीपीओ राकेश मोड़ की ईको ग्रीन कम्पनी फरीदाबाद के जनरल मैनेजर अनंत सुत्रा से मीटिंग हुई। जिसमें ईको ग्रीन के ठेकेदार धर्मेंद्र नागर, सैनिटेरी इंस्पेक्टर जसराज, एमसीएफ दरोगा मदनलाल भी शामिल हुए। वार्ड 28 की ओर से अरुण यादव, विकास सिंह, विनोद, नितेश व अधिवक्ता सतिंद्र दुग्गल शामिल हुए। मीटिंग में जिन मुद्दों पर विचार किया गया व फैसले लिए गए उनमें कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों की संख्या, ठेकेदार व ईको ग्रीन की गाड़ियों की सही संख्या व उनकी मॉनिटरिंग, गाड़ियों में सूखा व गीला कूड़ा रखने की अलग-अलग व्यवस्था, खत्तों की संख्या व व्यवस्था, कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के रूट व टाइम-टेबल, कार्य क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से वार्ड का सबवॉर्ड में विभाजन, कूड़े का निस्तारण करने वाले स्थान का समय समय पर निरीक्षण शामिल थे।

अब तक 23.78 लाख लोगों को लगा टीकाः डॉ. गुप्ता

बीके में स्वास्थ्य कर्मी से टीका लगवाता जवाहर कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश।

फरीदाबाद। जिले में अब तक 2378349 लोगों को कोविड-19 के वायरस के बचाव के लिए, दोनों डोज लगाए गए है। यह बात जिला सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि नोवल कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए टीकाकरण एक सशक्त माध्यम है। लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन की डोज निरन्तर लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला फरीदाबाद की जनता को बिना किसी डर के वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। टीकाकरण से स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता, कोविशील्ड व कोवैक्सीन का एक समान प्रभाव है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण कराने के लिए अब पहले की अपेक्षा ज्यादा उत्साह जिला में देखा जा रहा है। टीकाकरण के नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिले में मंगलवार को 10836 लोगों को डोज लगाई गई। जिसमें प्रथम डोज सरकारी में 2602 को और सैकेंड डोज 8018 लोगों को लगाई गई। वहीं निजी अस्पतालों में प्रथम डोज 29 को और सैकेंड डोज 187 लोगों को लगाई गई। इसके साथ ही वैक्सीनेशन केंद्र पर स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाई जाएगी। स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज के स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि इन सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर वॉक इन प्रक्रिया के तहत पहले आओ पहले लगवाओ के आधार पर कोरोना रोधी टीका लगाया जाएगा।

जिले में चलाये नौ लीगल लिटरेसी कार्यक्रम

लीगल लिटरेसी कार्यक्रम के तहत जागरूक करते हुए।

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ राजन गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार हरियाणा राज्य के प्रत्येक जिले के अंदर व सब डिविजन लेवल पर आजादी का अमृत महोत्सव दो अक्टूबर 2021 से लेकर 14 नवंबर 2021 तक मनाया जा रहा है। अमृत महोत्सव के तहत पैनल एडवोकेट पैरा लीगल वालंटियर स्टूडेंट लीगल लिटरेसी क्लब एनजीओ अन्य संस्थाएं भाग ले रही है। इसी कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के चेयरमैन एवं जिला व सत्र न्यायाधीश यशवीर सिंह राठौर के आदेशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में नौ लीगल लिटरेसी कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें दो घर-घर जाकर जागरूकता गांव सदपुरा व गांव रिवाजपुर में आयोजित किया गया। एक कार्यक्रम फंडामेंटल राइट्स के ऊपर, एक कार्यक्रम ट्रैफिक रूल्स ओमनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। इसके अलावा एक कैंप कोविड-19 के ऊपर लगाया गया तथा लोगों को लीगल लिटरेसी बुक्स वह पंपलेट बांटकर लोगों को जागरूक किया गया। रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद द्वारा अमृत महोत्सव के तहत जिला फरीदाबाद के प्रत्येक व्यक्ति को कानूनी जानकारी वे कानूनी मैट्रियल वितरित किया जा रहा है। ताकि हमारे जिले का कोई भी व्यक्ति कानून की जानकारी के अभाव में अपने न्याय के अधिकार से वंचित ना रह सके।

खेड़ीकला ने कबड्डी चैंपियनशिप कप पर किया कब्जा

टीम के साथ गणमान्य लोग।

फरीदाबाद। खेड़ी कला गांव में डिस्ट्रिक्ट जूनियर कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। मौके पर वशिष्ठ अतिथि जगबीर सिंह तेवतिया मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में विजयपाल तेवतिया मौजूद रहे। प्रतियोगिता में फरीदाबाद शहर की 14 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 70 किलोग्राम वर्ग के पहलवानों ने भाग लेते हुए मुकाबला किया। सभी मैच काफी दिलचस्प रहे, प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेड़ी कला और वाईएमसीए स्पोर्ट्स कंपलेक्स सेक्टर 17 फरीदाबाद के बीच हुआ। जिसमें खेड़ी कला ने 15 के मुकाबले 18 अंकों से जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे खेल प्रेमी जगबीर सिंह तेवतिया ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन करना बहुत ही जरूरी है। आज खेलों का महत्व इतना बढ़ गया है कि खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर ना केवल फ्यूचर बनाया जा सकता है, बल्कि अपने समाज शहर और देश का नाम भी रोशन किया जा सकता है। आयोजकों को मैं हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने इस तरह के खेलों का आयोजन कर उभरते खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दिया है।

बुढ़ैना हत्याकांड के आरोपी ब्रह्मजीत के हत्यारे कोर्ट से बरी

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

खुदाई कर ब्रह्मजीत के शव की तलाश का फाइल फोटो।

बहुचर्चित बुढ़ैना हत्याकांड के मुख्य आरोपी ब्रह्मजीत की हत्या के मामले में शामिल राजू भाटी और स्वाति को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नाजर सिंह की कोर्ट ने मंगलवार को बरी कर दिया। मामला करीब साढ़े तीन साल से अदालत में विचाराधीन था।

ये था मामला

बहुचर्चित बुढ़ैना हत्याकांड के मुख्य आरोपी ब्रह्मजीत का कंकाल 24 मार्च 2018 को पुलिस को होडल (पलवल) में राजीव के फार्म हाउस में 10 फुट जमीन खोदकर मिला था। इस केस में आरोपित राजीव भाटी मुनीरगढ़ी पलवल का निवासी है और प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। फरीदाबाद व गुरुग्राम में उसके कार्यालय भी थे। ब्रह्मजीत से उसकी पुरानी दोस्ती थी। राजीव की ब्रह्मजीत के गांव बुढ़ैना में ससुराल है। दोनों मिलकर प्रॉपर्टी खरीद फरोख्त का काम करते थे। वहीं जवाहर नगर कैंप पलवल निवासी स्वाति सेठी पिछले सात-आठ साल से राजीव के साथ काम करती थी। ब्रह्मजीत के परिजनों के अनुसार आरोपी ने 10 करोड़ की देनदारी से बचने के लिए हत्या की साजिश रची थी। वहीं पुलिस का कहना है कि राजीव के तीन-चार महीने पहले ब्रह्मजीत ने थप्पड़ मारा था। उसका बदला लेने के लिए उसने हत्या की थी। ब्रह्मजीत की हत्या के मामले में उसके जिगरी दोस्त व उसकी सहियोगी पर हत्या का आरोप लगा था। शव बरामद होने पर थाना सेंट्रल ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था।

मिलन वाटिका के पास से गायब

27 फरवरी को ब्रह्मजीत सेक्टर-11 मिलन वाटिका के सामने से लापता हुआ था। सीसीटीवी में वह राजीव भाटी की लाल रंग की ब्रेजा कार में बैठकर जाता दिखा था। ब्रह्मजीत की हत्या के बाद शव दफना कर उन्होंने कार को जयपुर ले जाकर फूंक दिया था। वहीं जिस पिस्तौल से गोली मारी, उसे आगरा नहर में फेंक दिया था। तत्कालीन मिसिंग सेल प्रभारी इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल मामले की जांच कर रहे थे। जांच के दौरान राजीव भाटी पर संदेह हो गया। हिरासत में पूछताछ की गई तो उसने सच उगल दिया था।

हाईकोर्ट में याचिका

कोर्ट से बरी हुए अपराधियों के मामले में पीड़ित पक्ष के वकील यशवीर भडाना का कहना है कि इस केस में पुलिस की कार्यशैली और कोर्ट के फैसले पर पहले से ही शक था। उन्होंने इस मामले की शिकायत हाईकोर्ट में भी कर रखी है। कोर्ट का फैसला आने के बाद अब ऑर्डर कॉपी पढ़कर हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

नहीं की हत्या

बचाव पक्ष के वकील प्रशांत यादव ने बताया कि कोर्ट में उन्होंने यह सबूत पेश किए ब्रह्मजीत की हत्या उनके दोनों मुवक्किलो ने नहीं की है। पुलिस भी इस केस में कोई खास सबूत नहीं पेश कर सकी है। उन्हें फर्जी केस बनाकर फंसाया गया। वहीं उन्होंने कोर्ट में इस बात के सबूत भी पेश किए थे कि पुलिस को ब्रह्मजीत का शव पहले ही बरामद हो गया था।

गली में कूड़ा करकट फेंकने पर होगा जुर्माना : यशपाल

नगर निगम के आयुक्त यशपाल बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

फरीदाबाद। एमसीएफ के आयुक्त यशपाल ने कहा कि एनसीएफ द्वारा स्वच्छता अभियान की समीक्षा पोर्टल पर निरंतर की जा रही है। इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन पूरी व्यवस्था की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा निरंतर की जाएगी।

कर्मचारियों द्वारा आम लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जा रहा है। अब जो लोग स्वच्छता अभियान के विरुद्ध काम करेंगे उनके खिलाफ जुर्माना भी लगाना सुनिश्चित किया गया है और जो भी जुर्माना लगाया जाएगा उसकी 100 फीसदी रिकवरी भी की जाएगी। आयुक्त यशपाल ने यह निर्देश लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में सभी वार्डों के नोडल अधिकारियों को दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं पोर्टल पर फरीदाबाद की स्वच्छता अभियान की समीक्षा कर रहे हैं और मुख्यमंत्री इस बारे गंभीर भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड नोडल अधिकारी को काफी कनिष्ठ अभियंता को सहायक के तौर पर स्वच्छता अभियान में जोड़ा गया है। अब सभी नोडल अधिकारी अपने-अपने वार्डों में जनप्रतिनिधियों से मिलकर ग्राउंड लेवल पर कार्य करें। प्रत्येक वार्ड सदस्य को इसमें शामिल करें और स्वच्छता अभियान को सफल बनाने और क्लीन फरीदाबाद बनाने में हर घर के हर नागरिक को हर नागरिक को भागीदार बनाएं।

यशपाल यादव ने कहा कि मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन, आरडब्लूए सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों और एनजीओ सहयोग लेकर क्लीन फरीदाबाद बनाने में कोई कोर कसर ना छोड़ें।

डेंगू के चार नए मामलों से कुल पॉजिटिव 173

फरीदाबाद। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के चार नए मामलों की पुष्टि की है। डेंगू संक्रमितों की संख्या 173 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग अब एंटीलार्वा एक्टिविटी के अलावा पोस्टर व बैनर के जरिये जागरूकता अभियान चलाएगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग ने उन सभी जगहों पर पोस्टर व बैनर लगाना शुरू कर दिए हैं, जहां से अधिक संख्या में लोग आवागमन करते हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम 18 जगहों पर बैनर लगा चुका है। इन जगहों में एआइटी स्थित बस स्टैंड, एसजीएम नगर, सेक्टर-21डी, सूरजकुंड डिस्पेंसरी,सेक्टर-30, पल्ला, ऐतमादपुर, भारत कालोनी, खेड़ीकलां, फरीदाबाद रेलवे स्टेशन, सामान्य अस्पताल बल्लभगढ़, बस स्टैंड बल्लभगढ़, रेलवे स्टेशन बल्लभगढ़, सेक्टर-55, सारन चौक, न्यू टाउन रेलवे स्टेशन पर बैनर व पोस्टर लगाए गए हैं।

इलाज के दौरान किशोरी की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

चिकित्सक बोलीः रुक-रुक कर चल रही थी सांस, लाइफ सैविंग ही दी थी

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

बीके अस्पताल में बच्ची की मौत के बाद विलाप करती मां।

बीके अस्पताल में नस न मिलने पर एक मरीज को बार-बार इंजेक्शन लगाने के प्रयास और लगने के तुरंत बाद एक बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। मृतक बच्ची की मां ने अस्पताल के कम्पाउंडरों पर लापरवाही से इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बच्ची की मौत के बाद नर्स ने कम्पाउंडर को डांट लगाई कि जब इंजेक्शन नहीं लग रहा था, तो लगाया ही क्यों।

वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि लाइफ सेविंग इंजेक्शन लगाने के बाद दूसरा इंजेक्शन लगाने की तैयारी की जा रही थी कि बच्ची की मौत हो गई। बच्ची पहले ही अस्पताल में देरी से आई थी। परिजनों ने बाद में शिकायत देने से इनकार कर दिया।

ये है पूरा मामला

डबुआ कॉलोनी निवासी 15 वर्षीय निशा को उसकी मां दौरे पड़ने कारण बीके अस्पताल में लेकर पहुंची थी। अपातकालीन कक्ष में निशा को चिकित्सक ने इंजेक्शन लिख दिए। वहां मौजूद कुछ स्वास्थ्य कर्मियों ने निशा को इंजेक्शन लगाने शुरू कर दिए। लेकिन किसी से भी इंजेक्शन नहीं लगा। अंत में एक कम्पाउंडर आया और निशा को इंजेक्शन लगाने का प्रयास करने लगा। करीब तीन चार बार लगाने के बाद इंजेक्शन लग गया, लेकिन इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद ही निशा की मौत हो गई। मां ने निशा की मौत का जिम्मेदार कम्पाउंडर को बताया है। आरोप है कि बच्ची कि मौत के बाद पहुंची स्टाफ ने भी कम्पाउंडर को गलत इंजेक्शन लगाने के लिए डाटा था। उनका आरोप है कि निशा की मौत गलत इंजेक्शन की वजह से हुई है। वहीं इस घटना के बाद आरोपी कम्पाउंडर और नर्स कोई भी उन्हें नहीं मिला।

सांस लेने में थी दिक्कत

अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि वह अवकाश पर है। चिकित्सक से पूछताछ करने पर पता चला कि अपातकालीन कक्ष में डॉ. स्मृति धामी की ड्यूटी थी। उन्होंने जांच के बाद बच्ची को तुरंत लाइफ सेविंग इंजेक्शन लगाने के निर्देश दिए थे। क्योंकि बच्ची की सांस रुक-रुक कर चल रही थी। दूसरा इंजेक्शन निकाला ही था कि तभी बच्ची की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में मरीज की नस कई बार नहीं मिलती। उन्होंने बताया कि कम्पाउंडर ने नहीं, नर्स ने इंजेक्शन लगाया था। वहीं अस्पताल की तरफ से जब यह बात मरीज के तीमारदारों को बताई गई तो उन्होंने कोई शिकायत न देते हुए माफी मांग ली।

जन्माष्टमी पर हुई युवक की हत्या के आरोप में पांच गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 की टीम ने गांव सोतई में झगड़े के दौरान हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पांच आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल हुई है। गिरफ्तार आरोपी चन्द्रभान, सूर्यदेव, योगेश कुमार और लेखराज उर्फ लेखू फरीदाबाद के गांव सोतई के रहने वाले है और आरोपी रोहित सोहना रोड पलवल का रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने बताया कि 31 अगस्त 2021 को गांव सोतई में जन्माष्टमी पर्व वाले दिन दही मटकी फोड़ने को लेकर दो पक्षों में आपस में झगड़ा हो गया था। झगड़े के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो गई थी। जिस पर आरोपी के खिलाफ मामला थाना सदर बल्लभगढ़ में हत्या, मारपीट, जान से मारने की धमकी के तहत दर्ज किया गया था। क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस मामले में 4 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। क्राइम ब्रांच पुलिस टीम ने बताया कि मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 की टीम ने विशेष सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर उपरोक्त एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियो से 5 लकड़ी के डंडे बरामद किये गये है। आरोपियो को आज पेश अदालत कर जेल भेज दिया गया है।

हार्डवेयर से पेट्रोल पम्प तक सड़क निर्माण में तेजी

नवनिर्मित सड़क का दौरा करते बीआर भाटिया।

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

औद्योगिक क्षेत्र के लिये घोषित 119 करोड़ की इंफ्रास्ट्रक्चर योजना एवं जमीन पर भी नजर आने लगी है। हार्डवेयर चौक से सेक्टर 22 (पेट्रोल पम्प) तक बनने वाली सड़क का कार्य जोर-शोर से चल रहा है।

फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया ने मंगलवार को सड़क बनाने वाली फर्म आरके गांधी के मालिक राजकुमार गांधी के साथ कार्यस्थल का दौरा किया और निर्माण कार्य पर संतुष्टि व्यक्त की। राजकुमार गांधी ने विश्वास दिलाया कि सड़क का निर्माण कार्य जल्दी खतम कर जनता के लिये खोल दिया जाएगा। सड़क के निर्माण की विशेषता यह कही जा सकती है कि परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के कथनानुसार सड़क कार्य अपने नियम अनुसार ही चल रहा हैं।

विद्यार्थी भुगत रहे अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

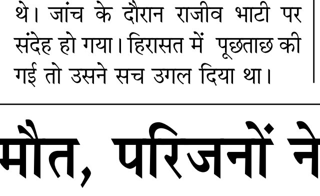

खस्ता हालत में मेवला महाराजपुर स्थित सरकारी स्कूल।

जिले में पिछले पांच सालों से सरकारी स्कूलों की मरम्मत कराने और कमरे बनाने का एस्टीमेट ही नहीं भेजा गया है। जिसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। स्कूलों की हालत ऐसी हो गई है, कि आज उनमें पढ़ाई करने वाले छात्रों को अपनी जान जोखिम में यहां बैठने को मजबूर होना पड़ता है।

जानकारी के मुताबिक मौलिक निदेशालय विजय कुमार यादव ने पिछले दिनों फरीदाबाद आकर मौजूदा जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा आनंद सिंह को इन कार्यों को करने के लिए एस्टीमेट भेजने को कहा। आनंद सिंह ने 33 स्कूलों के लिए करोड़ों रुपये का एस्टीमेट बनाकर भेज दिया है। दरअसल जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा में कर्मचारी व अधिकारियों में आपसी खींचतान रहती है। पिछले कई सालों से जो भी अधिकारी यहां पर आए, उन्होंने गुट बनाकर रंजिश की भावना से काम किया। इसका खामियाजा यहां के कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। इसी कड़ी में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट दीपक कुमार फर्जी डिग्री के मामले में बर्खास्त हुआ था। उठापटक में पूर्व में रहे जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा लगे रहे और स्कूलों की ओर ध्यान नहीं दिया। इस कारण स्कूलों की ओर ध्यान नहीं दिया गया।

स्कूलों में बिल्डिंग बनवाने, पुरानी बिल्डिंग में मरम्मत कराने का काम या फिर शौचालय बनाने का काम जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा के अधीन है। बताते हैं कि पांच साल से इन कार्यों के लिए यहां से कोई एस्टीमेट नहीं भेजा गया है। इस कारण इमारत की कमी के कारण विद्यार्थियों को बैठने में परेशानी होती है।

यह बनाया एस्टीमेट

आनंद सिंह ने बताया कि उन्होंने 33 स्कूलों में कार्य कराने के लिए, एस्टीमेट बनाकर भेजे हैं। इनमें 26 प्राइमरी व मिडिल स्कूलों के लिए, 10644827 रुपये का एस्टीमेट भेजा है, जबकि 106 नए कमरों के लिए, 11 करोड़ 85 लाख रुपये का बजट भेजा है। 26 स्कूलों में भी नए कमरे बनाने की प्लानिंग हैं।

मरम्मत की जरूरत

आनंद सिंह, जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा ने बताया कि 33 वे स्कूल हैं, जिनमें छात्र संख्या बहुत अच्छी है। वहां कमरों की मरम्मत कराने की जरूरत है और कमरे बनाने भी जरूरी हैं। कमरे बनने से विद्यार्थियों को सहूलियत होगी। असल में पांच सालों से एस्टीमेट ही नहीं भेजे गए। हमारा प्रयास स्कूलों में कार्य कराने का रहेगा।

पानी की बर्बादी रोकना समाज की जिम्मेदारी : चतुर्वेदी

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

गांव जाम्बा में जल मांगता जीवन के लेखक पंकज चतुर्वेदी ने लोगों से जल जीवन मिशन, जल संरक्षण को लेकर चर्चा की। वही लाभान्वित लोगों से रूबरू हुए। पंकज चतुर्वेदी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दी जा रही जलापूर्ति की तारीफ की और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जनहित में जारी किए टोल फ्री नंबर 18001805678 की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा यह अपने आप में पारदर्शिता को दर्शाता है। पंकज चतुर्वेदी ने ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्यों से बातचीत की, उन्होंने कहा की अब विभाग का काम पूरा होता है, अब समाज की जिम्मेदारी है कि वह कैसे पानी की बचत करें। विभाग का काम है, लोगों को साफ पेयजल उपलब्ध करवाना। वही समाज का काम है कि पानी की बर्बादी को रोकना ताकि हमें जल संकट का सामना ना करना पड़े। उन्होंने कहा कि हमें जल, जंगल, जमीन तीनों को मिलकर बचाना होगा। पानी बचाने का अभियान तभी सफल हो सकता है, जब हम पूरे पर्यावरण चक्र के बारे में एकीकृत तरीके से सोचें। पानी बचाने के लिए पृथ्वी आवश्यक है। बारिश के लिए भी पेड़ चाहिए और पहाड़ भी - घने जंगलों में रहने वालों के लिए पेड़ ही काम आते हैं। घना जंगल तभी बनेगा, जब सारे जानवर होंगे। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वासो के जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि गांव जांबा में एक ट्यूबल है, जिसमें 25 हॉर्स पावर की मोटर है।

शशिकला का प्रयास
राजनीतिक प्रासंगिकता

शशिकला स्वयं को पुन: राजनीतिक रूप से प्रासांगिक बनाने के प्रयास कर रही हैं, पर वे प्रभावशाली नहीं लग रहे हैं। यह तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक का स्वर्ण जयंती वर्ष है, पर इस अवसर पर आयोजनों का अभाव है। उसके पास एकजुट करने वाला नेता नहीं है। वह राज्य की सत्ता द्रमुक को सौंप चुकी है तथा जयललिता के निधन के बाद से उसके कार्यकर्ता गुटीय लड़ाइयों में फंसे हैं। क्या ऐसी पार्टी कभी पुनर्जीवन की सोच सकती है? हालांकि, उनकी निकट सहयोगी पुरातची थैलवी वी.के.शशिकला ऐसा सोचती हैं। वे यदि पार्टी नहीं तो कम से कम उसकी नेता बन कर अपने पुनर्जीवन की संभावना खोज रही हैं। भ्रष्टाचार मामले में चार साल जेल की सजा पूरी करने के बाद उन्होंने पार्टी स्थापना के 50 साल के अवसर का आयोजन स्वयं को पुन: राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बनाए रखने के लिए किया। हालांकि, उनके राजनीतिक प्रयास हल्के रहे, पर उनमें प्रचार की कमी नहीं थी। शशिकला ने चेन्नै में पार्टी के स्मारकों व संग्रहालयों का दौरा कर एमजीआर तथा जे. जयललिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जयललिता की विरासत वापस लाने की बात कही, लेकिन शायद अभी उनके द्वारा जनता को संबोधित करने का समय नहीं आया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की भावनायें समझने के लिए राज्य के दौरे की बात कही। इससे शशिकला का शुरुआती दांव पूरा हो गया है। अब पार्टी की नेतृत्व करने वाली एलापडि के. पलानीस्वामी तथा ओट्टाकार्तेवर पनीरसेल्वम को प्रतिक्रिया देनी है। पलानीस्वामी ने विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक का सफाया न होने का श्रेय लिया है जिसे आश्चर्यजनक रूप से 77 सीटें मिली हैं। वे स्वयं को ओपीएस से बेहतर नेता मानते हैं। ओपीएस को शशिकला का प्रभाव बढ़ने की आशंका है क्योंकि उनकी जाति एक ही है। शशिकला के लिए नेतृत्व वाली जोड़ी तोड़ना कठिन नहीं है, पर वे पार्टी को तोड़ना नहीं चाहती हैं क्योंकि इससे उनका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। वे देखना चाहती हैं कि 2017 में जयललिता के कोडानाड स्टेट में हुई हत्या की घटना का ओपीएस-ईपीएस जोड़ी पर क्या प्रभाव पड़ता है। तत्कालीन मुख्यमंत्री ईपीएस ने इसकी विशेष जांच का आदेश नहीं दिया था, लेकिन अब द्रमुक सरकार ने यही किया है। इन सारी घटनाओं से पार्टी कार्यकर्ता भ्रमित हैं। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि तीन नेताओं में से किसे शक्ति मिलेगी। वे देखना चाहते हैं कि क्या शशिकला को 'अम्मा' के निकट होने का भावनात्मक लाभ मिलेगा। वे प्रतीक्षा करना और देखना चाहते हैं कि क्या क्या कोडानाड जांच से ईपीएस व ओपीएस को कोई परेशानी होती है। इसी कारण कोई नेता जल्दबाजी में कदम नहीं उठा रहा है।

राज्य की द्विध्रुवी राजनीति में अन्नाद्रमुक को एकजुट रखने की संभावना वाला नेता जयललिता का वारिस बन सकता है। द्रमुक भी नहीं चाहती है कि राज्य में उसके सामने अन्नाद्रमुक के सिवा कोई और बने। एम.के.स्टालिन का बयान इसका रिकार्ड है। कांग्रेस पहले से ही अपना स्थान जानती है। हालांकि, भाजपा इस संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। उसने मूल रूप से चुनाव में अन्नाद्रमुक के कमजोर होने तथा उसके टूटने पर एक गुटीय नेता अपने पक्ष में लाने की तैयारी की थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि ओपीएस-ईपीएस का लक्ष्य बड़ा है और वे स्वयं पार्टी पर कब्जा करना चाहते हैं। शशिकला ने स्वयं को चुनावों से दूर रखा था और उनके इस निर्णय के पीछे एक अदृश्य हाथ की बात कही जाती थी। क्या वे जयललिता की तरह राष्ट्रीय पार्टियों को किनारे रखने का साहस दिखा सकेंगी?

सही समय पर बिकी एयर इंडिया

एक दशक से अधिक समय तक एयर इंडिया की लगातार अनदेखी उसकी बिक्री पर विचार के समय भी जारी रही जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने 28 जून, 2017 को केन्द्रीय कैबिनेट में एयर इंडिया-एआई तथा उसकी पांच सहायक कंपनियों के 'सिद्धान्त रूप से' रणनीतिक विनिवेश के निर्णय की घोषणा की थी। इसके पचास महीने से अधिक समय बाद 8 सितंबर, 2021 को सरकार ने एआई तथा उसकी शत प्रतिशत सहायक एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड के निजीकरण तथा एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज़ लिमिटेड-एआईएटीएसएल में 51 प्रतिशत शेयर बेचने की घोषणा की। इससे प्रतीक 'महाराजा' एक बार फिर 68 साल बाद अपने मूल टाटा समूह के पास पहुंच गया है, जबकि इस कपंनी का 1953 में राष्ट्रीयकरण किया गया था। एआई निजीकरण प्रक्रिया में चार प्रमुख कमियां दिखती हैं।

पहला, यह कदम पहले दिन से ही आधा-अधूरा था। यह नौकरशाहों तथा राजनेता वर्ग में अंतर्निहित प्रवृत्ति स्पष्ट करता है कि वे विनिवेश के बाद भी थोड़ा नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं ताकि नए मालिक के अंतर्गत भी कर्मचारियों को सुरक्षा कवच सुनिश्चित हो। 2017-18 में पहले कदम का कोई नतीजा नहीं निकला क्योंकि उस प्रस्ताव में सरकार ने 24 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने पास रखने पर जोर दिया था तथा कर्मचारियों को कम से कम तीन साल बनाए रखने जैसी अन्य शर्तें भी लगाई गई थीं। एक अतिरिक्त शर्त यह भी थी कि कम्पनी एआई के कर्जो का बड़ा हिस्सा स्वीकार करेगी। इस कारण निवेशकों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। आखिरकार आधे-अधूरे मन के स्थान पर पूरे मन को जगह मिली तथा सरकार ने अपना शत-प्रतिशत हिस्सा बेचने और अधिग्रहीत करने वाली कंपनी को कर्मचारियों को एक साल बाद हटाने की छूट दी। उसने बोलीकर्ताओं को 'उद्यम मूल्य' बताने को कहा। इसका वित्तीय रूप से अर्थ यह है कि उनको बिक्री वाले उद्यम की बैलेंस शीट का बहुत कम कर्ज स्वीकार करना था। लेकिन इस विलम्ब से केन्द्र सरकार को भारी खामियाजा भुगतना पड़ा। जब पहले विनिवेश का विचार सामने आया था तब एआई पर कर्ज लगभग 50,000 करोड़ था। निवेश व सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव के अनुसार एआई से रोज 20 करोड़ का नुकसान हो रहा था। ऐसे में कोई आश्चर्य नहीं कि कुल कर्ज बढ़ कर 77,500 करोड़ रुपये हो गया था।

दूसरा, विनिवेश योजना सामने आने के बाद संबंधित पीएसयू के प्रबंधन में मतभेद से उसका वित्तीय स्वास्थ्य और खराब होता है। 31 मार्च, 2021 को एआई का कर्ज 58,000 करोड़ था। अगले पांच महीनों में 31 अगस्त, 2021 तक इसमें 3,500 करोड़ का अतिरिक्त कर्ज जुड़ गया। इसके साथ ही महाराजा पर तेल पीएसयू, हवाईअड्डों के बकाए तथा अन्य वेंडरों के 16,000 करोड़ के 'बकाया बिलों' का भुगतान लंबित है। कुल मिला कर एआई पर 77,500 करोड़ की देनदारियां हैं। इनमें से टाटा केवल 18,000 करोड़ का भुगतान करेगा तथा 15,300 करोड़ के कर्ज के हिस्से के बदले 2,700 करोड़ देगा। इससे केन्द्र सरकार पर कम से कम 60,000 करोड़ की भारी देनदारियां बची रहती हैं। इनको पूरी तरह एक स्पेशल परपज़ वेहिकिल में बदला जाएगा जिसे एयर इंडिया असेट होल्डिंग कंपनी लिमिटेड-एआईएएचसीएल का नाम दिया गया है। केन्द्र ने गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों, जैसे जमीन, इमारतों और आवासीय कालोनियों को अपने पास रखा है जिनकी बिक्री से लगभग 15,000 करोड़ प्राप्त हो सकते हैं। यह धनराशि अंतत: करदाताओं की जेब से जाएगी जो 2009-10 तक एयर इंडिया चलाए रखने पर खर्च 1,10,000 करोड़ के अलावा है।

तीसरा, नौकरशाही में व्याप्त लाल फीताशाही का वर्चस्व बना रहता है। अवधारणा बनाने, स्वीकृतियां प्राप्त करने, प्राथमिक सूचना मेमोरैंडम-पीआईएम, प्रस्ताव की प्रार्थना-आरएफ्पी, वित्तीय बोलियां आमंत्रित करना, बोलीकर्ता का चयन, शेयर साझा समझौता-एसपीए, आदि लगभग सभी प्रक्रियाओं पर नौकरशाही की पकड़ बनी रहती है जो विनिवेश को सफल बनाने के लिए जरूरी हैं। इसके साथ ही नौकरशाह इस भय से समय पर निर्णय नहीं लेते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद भी उनसे इस पर सवाल पूछे जा सकते हैं।

एआई की बिक्री भी इस समस्या से अछूती नहीं रही है। बताया जाता है कि कुछ उपायों पर विचार किया गया, जैसे पीआईएम, आरएफ्पी व एसपीए पर निर्णय को दीपम पर छोड़ा गया। वर्तमान समय में इन मुद्दों पर फैसला अंतर-मंत्रालयी समिति समिति लेती है जिसकी सह-अध्यक्षता सचिव दीपम तथा संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय के सचिव के पास होता है। यह आधा-अधूरा सुधार है। चौथा, पीएसयू को अक्सर राजनीतिक अवस्थापना द्वारा 'घाटे' वाली स्थिति में पहुंचाया जाता है जिसमें नौकरशाही पूरी सहायता करती है। इसका कारण नौकरशाही द्वारा लगातार इन उद्यमों के कामकाज में हस्तक्षेप है जो अत्यधिक श्रमशक्ति, बढ़े हुए खर्चों, वेंडरों को अधिक भुगतान, आदि के रूप में सामने आते हैं। एआई के मामले में यह 2007 में उस समय संकट में आई जब राजनेताओं ने प्रबंधन को 70,000 करोड़ में 111 विमान खरीदने के आदेश दिए जो प्रबंधन द्वारा बताए 28 विमानों की आवश्यकता का चार गुना था। जब कोई फर्म भारी देनदारी ओढ़ लेती है जिसका उसके बिजनेस से कोई मेल नहीं होता है तो वह अपरिहार्य रूप से खतरनाक स्थिति में पहुंच जाती है।

हवाईजहाजों की खरीद को बैंकों के एक समूह से कर्ज लेकर पूरा किया गया था। इस प्रकार के निर्णय से लाभ बहुत कम होता है और बाकी धन कर्ज में बदल जाता है। विडंबना है कि तत्कालीन सरकार ने विमानों का प्रयोग बढ़ाने के बारे में कुछ नहीं किया। इसके अलावा अत्यधिक द्विपक्षीय सीटें तथा मुनाफे वाले रूट विदेशी-निजी एयरलाइनों को दिए गए। इनके कारण ये विमान बेकार खड़े रहे। दूसरा गलत निर्णय 2007 में इंडियर एयरलाइन्स का एआई में विलय था। इनके बीच कोई संगति नहीं थी तथा इनकी कार्य संस्कृति, मुआवजे के पैकेजों, कर्मचारियों की आयु संरचना, आदि में भारी अंतर था। इससे आपरेशनल विसंगतियां पैदा हुईं तथा संयुक्त किए उद्यम का कर्ज बढ़ा।

कुल मिला कर कहें तो एक दशक से अधिक समय तक एयर इंडिया की लगातार अनदेखी उसकी बिक्री पर विचार के समय भी जारी रही जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। ऐसे में इसकी बिक्री कभी नहीं से देर भली वाली स्थिति है। दिसंबर, 2021 में पूरे होने वाले इस समझौते से मोदी सरकार ने संसाधनों की और बरबादी को बचा लिया है। इसके साथ ही टाटा से 18,000 करोड़ तथा गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की बिक्री से 15,000 करोड़ प्राप्त होंगे। दर्जनों पीएसयू में विनिवेश लंबित है। इसे देखते हुए सरकार को अतीत की गलतियों से सबक लेना चाहिए, जिनकी चर्चा यहां की गई है।

इससे लाभकारी उद्यमों की बिक्री से अधिकतम प्राप्तियां होंगी तथा घाटे वाले उद्यमों की देनदारियों में वृद्धि न्यूनतम होगी। उदाहरण के लिए, एआई के मामले में यदि 2017-18 में शत-प्रतिशत शेयर बेचने तथा शर्तें न लगाने का निर्णय होता तो कर्ज और बढ़ने से रोका जा सकता था। इसके साथ ही इसकी परिसंपत्तियों व संसाधनों से लाभ उठाया जा सकता था जिनमें 141 विमानों के साथ 4,400 घरेलू व 1,800 अंतरराष्ट्रीय लैंडिंग व पार्किंग स्लाट तथा विदेशी हवाईअड्डों पर 900 स्लाट शामिल हैं। इसके साथ ही वह महाराजा जैसे आकर्षक ब्रांड की स्वामी है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सक्रिय व सहयोगी नौकरशाही के साथ अन्य पीएसयू की बिक्री में बेहतर नतीजे दिखाएंगे।

भारत के लिए लाभकारी था विभाजन

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं स्तम्भकार हैं)

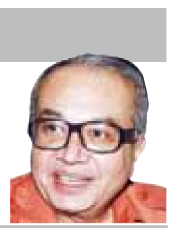

प्राण चोपड़ा, जो बाद में स्टेट्समैन के संपादक बने, एक चुनाव पर रिपोर्टिंग कर रहे थे जिसने बहुत कुछ कहा। जालंधर में एक जनसभा आयोजित की गई, जिसके बीच में अज़ान या प्रार्थना का आह्वान किया गया। भीड़ प्रार्थना करने गई लेकिन जिन्ना एक कुर्सी पर बैठ गए, एक सिगार निकाला और उसे जला दिया। उन्होंने तब तक धूम्रपान किया जब तक भीड़ वापस नहीं लौटी और फिर अंग्रेजी में अपना भाषण फिर से शुरू किया। वे केवल गुजराती ही बोल सकते थे। उन्हें उर्दू सीखने की फुरसत नहीं थी। जब भी जिन्ना चिल्लाते थे 'इस्लाम खतरे में है', भीड़ ने उनका जोरदार समर्थन किया। एक मुस्लिम नेता का नमाज और धूम्रपान से दूर रहने का उदाहरण बता रहा है।

यदि नेता नहीं तो वह कौन था जो एक उपमहाद्वीप को विभाजित करने में सफल रहा? जाहिर है, वह पाकिस्तान के लिए महाधिवक्ता थे। वह देख सकता था कि भारत में मुसलमान आम तौर पर घबराए हुए थे, अगर डरे हुए भी नहीं थे। वे हिंदुओं से कम पढ़े-लिखे थे और देश में कुल संख्या में कम थे। इसके अलावा, उनके कुलीन स्वामित्व वाले उद्योग और नेहरू की समाजवादी सरकार भी उनकी जमीन नहीं छीनेगी। मुसलमानों, जिन्होंने सदियों तक भारत पर शासन किया था, हिंदुओं के नौकर और क्लर्क बन जाएंगे।

एडवोकेट के पास पाकिस्तान का एक फॉर्मूला था, जिसका अलीगढ़ के छात्रों के लिए मतलब एक न्यू मदीना था जो एक खलीफा को फेंक सकता था। सुन्नी इस्लाम का कोई शासक धार्मिक-सह-अस्थायी मुखिया नहीं था। आखिरी वाला तुर्की का सुल्तान था जिसे कमाल अतातुर्क ने 1924 में गद्दी से उतार दिया था और निर्वासित कर दिया था। कोई प्रतिस्थापन नहीं किया गया था। उन्होंने अपने मुवक्किलों - मुसलमानों - के लिए एक व्यवहार्य रणनीति की योजना बनाई और अपना काम जारी रखा। वह कई वर्षों तक ब्रिटिश साम्राज्य में सबसे अधिक वेतन पाने वाले बैरिस्टर रहे थे। देश को बांटने के लिए उनकी फीस इतिहास के हॉल ऑफ फेम में जगह होगी।

एक वकील के रूप में अपनी भूमिका को इंगित करने के लिए, जब वे पहली बार फरवरी 1948 में पाकिस्तान के पूर्वी विंग में ढाका गए, तो विश्वविद्यालय के छात्रों ने बंगाली को भी एक राष्ट्रीय भाषा बनाने की मांग की। जिन्ना ने जोर देकर कहा कि यह केवल एक ही भाषा हो सकती है जिसका नाम उर्दू है। वह रूखा था, वह बंगाली मानस को नहीं जानता था, और जो अंतत: बांग्लादेश बन गया, उसके बीज बोए। एक नेता

अधिक चतुर और मिलनसार होता। उसने दिल्ली में कुछ ऐसा ही किया क्योंकि वह आखिरकार कराची के लिए रवाना हो रहा था। कुछ स्थानीय मुसलमान अपने कायद-ए-आजम से पूछने के लिए चिंता में इकट्ठा हो गए थे कि अब उनका क्या हो सकता है कि विभाजन हो गया है? उनका जवाब जल्दबाजी और रूखा था, मैंने तुम्हारे लिए वह हासिल किया है जो तुम चाहते थे, अब अपना ख्याल रखना। मेरे द्वारा और क्या किया जा सकता है? फिर से एक वकील का रवैया और नेता का नहीं। सितंबर 1948 में अपने जीवन के अंतिम दिन क्वेटा में उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा था, जहां वे आराम करने गए थे। उनके साथ उनकी बहन फातिमा और एक ब्रिटिश डॉक्टर भी थे। जैसे ही उनका विमान कराची में उतरा, एक पुरानी एम्बुलेंस उनके आने का इंतजार कर रही थी। याद रखें, वह गवर्नर-जनरल थे। दो या तीन मील के भीतर, वाहन रुक गया और आगे नहीं बढ़ा। तो डॉक्टर ने एक और एम्बुलेंस ली, जिसे आने में लगभग एक घंटा लग गया और बीमार जिन्ना को उनके घर ले गए। उसी शाम करीब 10 बजे उनका निधन हो गया। अगले दिन उन्हें दफनाया गया था लेकिन कथित तौर पर एक स्ड्ड1द्बद्यद्द ऋ्र2 सिलवाया सूट में। संयोग से, उनकी मृत्यु उनके जन्म के शहर कराची में हुई थी।

जिन्ना ने वह हासिल किया जो उन्होंने 23 मार्च 1940 को लाहौर में निर्धारित किया था। उनकी मृत्यु कोई त्रासदी नहीं थी, क्योंकि यह अधूरी आकांक्षाओं का अंत नहीं था। अगर वह अधूरा मर गया होता, तो यह उसके लिए कुछ हद तक दुखद होता, लेकिन हिंदुओं के लिए इससे भी ज्यादा। साधारण कारण यह है कि कोई विभाजन नहीं होता, जिन्ना के बिना बंटवारा संभव नहीं था। कई मुसलमानों का मानना है कि कायदे आजम के बिना ब्रिटिश शासकों के साथ बातचीत करने वाला कोई नहीं होता। मुसलमानों के पास कोई अन्य अखिल भारतीय नेता नहीं था। इसी विश्वास के आधार पर मुस्लिम लीग ने उनसे अनुरोध किया कि वे लंदन में एक बैरिस्टर में अपने अभ्यास को त्याग दें, लीग के आजीवन अध्यक्ष के रूप में भारत में उनका स्वागत करें।

पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए कि हिंदुओं को विभाजन की आवश्यकता है, डॉ बी आर अम्बेडकर द्वारा दिए गए तर्कों को पचाना होगा जो उनके पूर्ण कार्यों के खंड आठ में उपलब्ध हैं। अपने एक तीखे बयान में, बाबासाहेब ने घोषणा की, 'एक सीमा के बिना एक दुश्मन भीतर के दुश्मन की तुलना में अधिक वांछनीय है।' उन्होंने आगे लिखा कि हिंदू प्रांत बहुत अधिक कर दे रहे थे, जिसका राजस्व मुस्लिम प्रांतों द्वारा साझा किया जाता था। फिर भी अपने धार्मिक प्रतिबंधों के कारण मुस्लिम सैनिक भारत के लिए नहीं लड़ सकते थे, अगर हमलावर दुश्मन मुस्लिम थे। खिलाफत समिति ने और मुस्लिम लीग ने भी इसका समर्थन किया था।

किसी भी मामले में, एक अविभाजित भारत में पाकिस्तान या बांग्लादेश की दृष्टि में, देश की बड़ी आबादी केवल 60 प्रतिशत गैर-मुस्लिम होती। यह 60 प्रतिशत इस्लामी अधिग्रहण या खुले गृहयुद्ध को रोकने के लिए बहुत कम होगा। दूसरे शब्दों में, हिंदू सभ्यता के लिए जीवित रहना मुश्किल होता। यह असंभव नहीं है कि हिंदू इस गृहयुद्ध में हार गए हों। एक के लिए, भारतीय सेना में मुसलमानों की संख्या बाकियों से आगे निकल गई, खासकर अगर कोई केवल लड़ने वाली इकाइयों को माइनस गैर-लड़ाकू इकाइयों में गिना जाता है। दूसरे, हिंदू विशेष रूप से खून बहाने और उन लोगों की जान लेने से हिचकते थे जब वे अपने भाइयों के रूप में देखते थे। नतीजतन, भारत एक दार-उल-इस्लाम होने के लिए वापस चला गया, जो कि 1858 तक कई शताब्दियों तक रहा था। सिंहासन पर अंतिम मुगल शासक, बहादुर शाह जफर को गिरफ्तार किया गया था और बर्मा (तब रंगून) में यांगून में निर्वासित कर दिया गया था। जब इस्लामिक दुनिया ने माना कि हम इस्लामिक स्टेट नहीं रह गए हैं।

आप की बात

स्वार्थपूर्ण विरोध प्रदर्शन

शांतिपूर्ण विरोध स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अति आवश्यक है बशर्ते विरोध का अंतिम उद्देश्य जनहित हो लेकिन अगर विरोध करने का उद्देश्य निजी स्वार्थ हो तो इसके परिणाम निश्चित ही अतियंत घातक होंगे। लगभग एक वर्ष से तथाकथित किसान नेता ने कृषिकानूनों के विरोध में आन्दोलन कर रहे है गैरराजनैतिक रूप से शुरू हुआ आन्दोलन धीरे धीरे धीरे अपना स्वरूप बदलने लगा और सरकार बनाने और गिराने की बात करने लगा और हर छोटी बड़ी घटनाओ पर धरने प्रदर्शन सड़क जाम और अन्य प्रकार से गुंडा गर्दी होने लगी कई रणनीतिक पार्टी भी खुलकर समर्थन में खड़ी दिखने लगी। लेकिन हद तो तब हो गई जब कुछ समय पहले धरना स्थल पर एक महिला ने अपने साथ बलात्कार का आरोप लगाया, और अब दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के एक दलित युवक की निर्ममता से हत्या कर दी जाती है। दोनों ही घटनाओ पर कोई कुछ नही बोलता है ना तो विपक्षी राजनैतिक पार्टी कोई विरोध और धरना करती है ना ही तथाकथित किसान नेता। वजह जो भी हो लेकिन इन सभी बातो का निष्कर्ष ये बताता है वर्तमान में हो रहे सभी विरोध प्रदर्शन सिर्फ दिखावा है जिनका उद्देश्य केवल और केवल निजी स्वार्थ है।

- **सुनील विद्यार्थी**, मोदीपुरम, मेरठ

कश्मीर घाटी में आतंकी हमले

कश्मीर घाटी में आये दिन हो रहे गैर कश्मीरियों व अल्पसंख्यकों पर हमले योजनाबद्ध हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी कथित प्रतिरोध मोर्चा टीआरएफ ने ली है। इस नेतृत्वविहीन दल को सुरक्षा बलों द्वारा लश्कर.ए.तैय्यबा द्वारा स्थापित किया गया बताया जाता है। धारा 370 हटने के बाद से अब तक बड़ी संख्या में लोगों को कश्मीरी मूल निवास प्रमाण पत्र जारी हो चुके है। इनमे बड़ी संख्या वो हिन्दु सिख शरणार्थी हैं जो 1947 में पाकिस्तान से आकर कश्मीर घाटी में बसे, 1947 से पहले से कश्मीर में रह रहे वाल्मीकि समाज के लोग व नेपाली मूल के भारतीय गुरखा हैं। ये हमले कश्मीर से गुम होते अलगाववाद के विचार को जगाये रखने का प्रयास है पाकिस्तान द्वारा। पाक में बैठे आतंकी सरगनाओं से निपटने के लिए राजनीतिक ताकतों को जम्मू-कश्मीर में अल्पसंख्यकों के बीच डर को दूर करने की कोशिश करनी होगी। चिन्हित हत्याओं के परिणामस्वरूप कश्मीरी हिंदू और सिख समुदायों में भय व्याप्त हो गया है। कई कश्मीरी पंडितों और सिख कर्मचारियों ने नौकरियों व अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान पर जाने से परहेज किया या अस्थायी रूप से छुट्टी ले ली। यह 1990 में आतंकवादी हमलों के कारण कश्मीरी पंडितों के पलायन को याद दिलाता है।

- **परमवीर केसरी**, मेरठ

धर्मांतरण का खेल जारी

पैसों की लालच और सुख सुविधा की आड़ में धर्मांतरण का घिनौना खेल देश में जारी है। जब कभी भी ऐसी घटना सामने आती है देश में हो-हल्ला मचता है और कड़े कानूनों के बावजूद षड़यंत्रकारियों पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है इससे उनके हौसले बुलंद होते हैं। अभी फिर धर्मांतरण को लेकर मामला गर्म है। विदेशी फंडिंग से उजागर होते राज की तह तक जाकर ही इसकी जड़े नष्ट की जा सकती है। धर्मांतरण मामले में गिरफ्तारी के तार विदेशों से जुड़ते जा रहे हैं। यूके, अमेरिका और अन्य खाड़ी देशों से हवाला और अन्य जरिए फंडिंग करके गरीब और जरूरतमंद लोगों को शिकार बनाया जा रहा है? पंजाब में धर्मांतरण को लेकर अकाल तख्त के जत्थेदार ने ईसाई मशीनरियों पर पैसे और लालच देकर धर्मांतरण का आरोप लगाया है। इन घटनाओं से धर्मांतरण के खेल को समझा जा सकता है। कड़े कानूनों के बावजूद धर्मांतरण करने वालों को निश्चित रूप से राजनीति संरक्षण प्राप्त है। सरकार को चाहिए कि वह संरक्षण देने वालों के चेहरों से नकाब हठाए और उन्हें कड़ी सजा दे?

- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

प्रधानमंत्री के कुछ दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए जनता को ठगा जा रहा है और मैं जनता के साथ खड़ा रहूंगा।

- **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

इजराइल को वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ अपने सभी उपायों को बंद कर देना चाहिए।

- **महमूद अब्बास**
फिलिस्तीनी राष्ट्रपति

अपनी सहानुभूति के प्रतीक के रूप में, मैं केरल में जारी राहत और बचाव प्रयासों के लिए दान करना चाहता हूं।

- **दलाई लामा**
आध्यात्मिक नेता

वाल्मीकि जयन्ती पर सीएम ने दी बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाव्य रामायण के रचयिता की जयन्ती श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनायी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने आदिकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया। भगवान श्रीराम की गाथा को देश दुनिया में पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन हम सभी को त्याग, मर्यादाओं के पालन और कर्तव्य परायणता की सीख देता है। भगवान श्री राम से हमें सदैव धर्म का अनुसरण करते हुए जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उनके द्वारा दी गई शिक्षा और आदर्शों को अपनाकर प्रगतिशील एवं समरसतायुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कोविड 19 के प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करने की अपील की है।

अतिवृष्टि प्रभावित लोगों को राहत और मदद दें: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अतिवृष्टि के दृष्टिगत राहत कार्य पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश से प्रभावित लोगों को राहत और मदद प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनहानिए पशुहानि तथा क्षतिग्रस्त मकानों का आकलन करते हुए प्रभावितों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल उपलब्ध करायी जाए। जिलाधिकारी तेज बारिश से फसल को हुए नुकसान का आकलन करते हुए अपनी रिपोर्ट शासन को शीघ्र उपलब्ध कराएं ताकि प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी प्रभावित किसानों को पूरी मदद देने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसम बारिश से संक्रामक रोगों के प्रसार की सम्भावना को देखते हुए पूरी सावधानी बरती जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि जल जमाव न होने पाए। उन्होंने संक्रामक रोगों के नियंत्रण के लिए सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को संक्रामक रोगों से बचाव के बारे में जागरूक किया जाए।

अक्टूबर के अंत तक पीजीआई में शुरू होगा लिवर ट्रांसप्लांट

लखनऊ। पीजीआई में अक्टूबर माह के अंत तक लिवर ट्रांसप्लांट शुरू होगा। संस्थान में पहले दस मरीजों का मु त में लिवर ट्रांसप्लांट करने का प्लान है। इस बावत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके बाद ट्रांसप्लांट का शुल्क तय होगा। ट्रांसप्लांट के लिए संस्थान की तरफ से चार मरीजों की स्क्रीनिंग कर ली गई है। इनके परिजनों ने लिवर डोनेट करने की सहमति दे दी है। ऐसे में पीजीआई यूपी में केजीएमयू के बाद लिवर ट्रांसप्लांट करने वाला दूसरा सरकारी संस्थान बन जायेगा। पीजीआई के निदेशक डॉ आरके धीमान के मुताबिक कोरोना संक्रमण अब कम हो गया है। ऐसे में संस्थान में लिवर ट्रांसप्लांट शुरू करने का प्लान है। इसके लिए डॉक्टरों ने 22 जुलाई से ओपीडी शुरू कर दी है। सोमवार से शुक्रवार तक लिवर फेल्योर के मरीजों को देखा जा रहा है। ट्रांसप्लांट के लिए मरीज और डोनर की काउंसिलिंग की जा रही है।

राजधानी में डेंगू के 26 नये मरीज मिले

लखनऊ। कोरोना के बाद राजधानी में डेंगू लगातार मरीजों की सं या बढ़ा रहा है। जबकि डेंगू प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग लगातार अभियान चला रहा है। मंगलवार को डेंगू के 26 नए मरीज सामने आए हैं। यह मरीज ऐशबाग, काकोरी, आलमबाग, रेडक्रास, अलीगंज, इन्दिरानगर, एनके रोड, सिल्वर जुबली, सरोजनीनगर आदि क्षेत्र में पाये गये हैं। डेंगू-मलेरिया पर काबू पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने आज कुल 1255 घरों तथा विभिन्न मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 7 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाये जाने पर नोटिस जारी किया गया। इन घरों में कूलर, खाली बर्तन, गमले आदि में डेंगू मच्छर के लार्वा मिले हैं। इन्हें नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है। वही मु य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर आज नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा हुसैनाबाद, बालागंज, इन्दिरानगर, रफी अहमद किदवई, बाबू कुंज बिहारी इब्राहिमपुर वार्ड के आस पास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा कर रहा यूपी

रेशम उत्पादन के लिए यूपी में हैं अपार संभावनाएं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को खादी ने दी मजबूती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान देश को आत्मनिर्भर भारत का एक नया मंत्र दिया। आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किए बगैर कोई देश सम्मान पूर्वक अपने जीवन को आगे नहीं बढ़ा सकता। आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें वोकल फॉर लोकल के मंत्र का पालन करना चाहिए। जो हमारे देसी, स्वदेशी, स्थानीय उत्पाद हैं उसको प्रोत्साहित, प्रमोट करने संग उसको नई तकनीकी के साथ जोड़ते हुए आगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिए। जिसके लिए विभाग कि ओर से कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित खादी महोत्सव 2021 के उद्घाटन अवसर पर कहीं। सीएम

योगी ने कहा कि यूपी आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को तेजी से पूरा कर रहा है। प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद की योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, माटी कला बोर्ड से जुड़ी हुई योजनाओं से जुड़कर लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। खादी आज नए भारत का एक नया ब्रांड बन गया है। आगे आने वाला समय खादी का है। देश ने आजादी के 75 वर्ष में प्रवेश किया है आज खादी के प्रति लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। खादी ने भारत की आजादी की लड़ाई को एक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के साथ देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एक मंच दिया था। वह खादी ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए एक नए ब्रांड के रूप में काम करेगा।

सीएम ने कहा कि खादी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है इससे ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने में मदद मिलेगी। विभाग ने विगत तीन चार वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से बहुत कुछ नया किया है। जैसे पहले मैनुअल चरखे हुआ करते थे उसको सोलर चरखों के साथ जोड़ा है। तकनीकी के संग जब सामान्य कार्य को जोड़ते हैं तो व्यक्ति की कार्य क्षमता के साथ उसकी कमाई को भी बढ़ा देता है।

प्रदेश में आज खादी की मांग तेजी से बढ़ी है ऐसे में तकनीक, टूलकिट्स और ट्रेनिंग के कार्यक्रम चल रहे हैं। महज पिछले 3-4 वर्षों में बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर हम सबने देखी है। साल 2017 में बेरोजगारी की दर 17 से 18 फीसद थी, जो आज घटकर 5 फीसदी ही रह गई है। ये इस बात का प्रमाण देती है कि हमारी सरकार की योजनाएं प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

यूपी समेत कई राज्यों के खादी उत्पाद प्रदर्शनी में बने आकर्षण का केंद

- मुख्यमंत्री ने टूल किट वितरण के साथ ही लाभार्थियों को किया पुरस्कृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित खादी महोत्सव 2021 में लगाई गई प्रदर्शनी में खादी का नया नवेला अंदाज देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में 200 से अधिक स्टाल लगाये गये है । यूपी राज्य के विभिन्न जनपदों के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों जैसे गुजरात, बिहार, आंध्र प्रदेश, उत्तराखण्ड तथा राजस्थान आदि स्थानों से आये उद्यमियों द्वारा अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में सहारनपुर के नक्काशीदार फर्नीचर, लेदर का सामान ,भदोही के कारपेट, कन्नौज के मिटटी से बने बर्तन व घरेलू सजावटीं सामान ,प्रतापगढ़ का आँवला मुरब्बा ,कानपुर का हैण्डीक्राफ्ट, अमरोहा के चादर, गमछे एवं सदरी, सीतापुर के तौलिये एवं दरी, उन्नाव की बेकरी एवं जैकेट लखनऊ की शुद्ध रॉयल हनी, वाराणसी की रेशम तथा शिल्क की साड़ी, राजस्थान के बीकानेरी पापड़ एवं नमकीन , उत्तरांचल के कोट एवं जैकेट तथा गुजरात एवं राजस्थान के हस्तकला पर आधारित वस्त्र उपलब्ध हैं। आजादी के अमृत महोत्सव पर पं. दीनयाल उपाध्याय खादी विपणन विकास सहायता योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनान्तर्गत 71 लाभार्थी लाभान्वित होंगे, जिसमें सांकेतिक रूप से मुख्यमंत्री द्वारा योजना से जुड़े 5-5 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेकों का वितरण किया गया तथा कम पूंजी निवेश पर अधिक रोजगार प्रदान करने वाले 3 उद्यमियों कमशः दानबहादुर चौधरी, भारती एवं शिवकुमार यादव को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया । इसके अतिरिक्त योजना से जुड़े 71-71 उद्यमियों को सोलर चर्खे, विद्युत चालित चाक, दोना-पत्तल मशीनें एवं माटीकला के लाभार्थियों को टूलकिट का वितरण किया। इस कार्यक्रम में पं दीनदयाल उपाध्याय रेशम उत्पादकता पुरस्कार योजना के 5 लाभार्थियों को भी मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया। खादी मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि आज खादी एवं ग्रामोद्योग के उत्पादों एवं योजनाओं को जन सामान्य तक पहुँचाने व उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु नयी विस्तृत खादी तथा ग्रामोद्योग विकास एवं सतत् स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति बनाई गयी है। प्रदेश सरकार द्वारा माटी कला बोर्ड का गठन कर मिटटी का कार्य करने वाले कारीगरों एवं शिल्पियों के व्यव को बढ़ाने, कला को संरक्षित करने एवं उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ साथ रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

एनर्जी एक्सचेंज में बिजली की कालाबाजारी रोकने की उठी मांग

इंजीनियर्स फेडरेशन ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को लिखा पत्र

- कोयला संकट की जांच के लिए उच्च स्तरीय तकनीकी कमेटी बनाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को लिखकर एनर्जी एक्सचेंज में बिजली की कालाबाजारी को रोकने की मांग की है। फेडरेशन ने कहा कि एनर्जी एक्सचेंज में निजी घरानों द्वारा 20 रूपए प्रति यूनिट तक बिजली बेचने की कालाबाजारी को रोकने के लिए तत्काल फोरम ऑफ रेगुलेटर्स की बैठक बुलाई जाए। एनर्जी एक्सचेंज में बिजली बेचने की अधिकतम दर तय की जाए। फेडरेशन ने यह भी मांग की है कि मौजूदा कोयला संकट की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया गया जो ऐसे संकट से बचने के उपाय सुझाए जिससे भविष्य में ऐसा संकट ना होने पाए।

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने केंद्रीय विद्युत मंत्री आर के सिंह को प्रेषित पत्र में यह मांग की है कि कोयला संकट से उत्पन्न बिजली संकट के इस दौर में निजी घरानों को मनमाना मुनाफा कमाने और लूट की अनुमति नहीं दी जानी

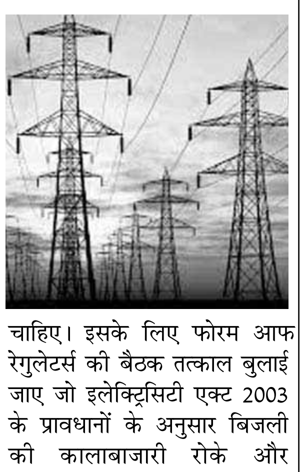

चाहिए। इसके लिए फोरम आफ रेगुलेटर्स की बैठक तत्काल बुलाई जाए जो इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के प्रावधानों के अनुसार बिजली की कालाबाजारी रोके और सुनिश्चित करें कि एनर्जी एक्सचेंज में किसी भी स्थिति में 5 रूपए प्रति यूनिट से अधिक की कीमत पर बिजली न बेंची जा सके। फेडरेशन ने मौजूदा कोयला संकट को बिजली संकट का एक मुख्य कारण मानते हुए यह मांग की है कि एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का तुरंत गठन किया जाए जो मौजूदा कोयला संकट की जांच कर कोयला संकट की जिम्मेदारी तय करें और यह भी सुझाव दें की ऐसी परिस्थिति में भविष्य में क्या कदम उठाए गए जिससे ऐसा संकट पुनः उत्पन्न न हो। फेडरेशन ने मांग की है कि उच्च स्तरीय समिति में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के प्रतिनिधि भी शामिल किए जाएं जो कोयले की स्थिति का लगातार अनुश्रवण करते हैं।

पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक व उनके पुत्र ने कांग्रेस छोड़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनावों से पहले ही कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। प्रियंका गांधी के सलाहकार पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक के साथ ही उनके पुत्र व कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज मलिक ने भी इस्तीफा दे दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दोनों बड़े और ताकतवर नेता माने जाते हैं। गौरतलब है कि पंकज मलिक दो बार कांग्रेस से विधायक रह चुके हैं, वहीं हरेंद्र भी सांसद रह चुके हैं। प्रियंका गांधी ने कुछ दिनों पहले ही पंकज मलिक को चुनाव स्ट्रेटेजी और प्लानिंग कमेटी का सदस्य भी बनाया था। चर्चा है कि दोनों ही नेता जल्द समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे पत्र में पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा है कि मैं काफी लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ हूं और वर्तमान में सदस्य एआईसीसीए सदस्य चुनाव समिति उत्तर प्रदेश, सदस्य चुनाव अभियान समिति उत्तर प्रदेश के साथ साथ प्रियंका गांधी के सलाहकार सदस्य के रूप में नामित हूं। मैं अपरिहारिक कारणों से तत्कालीक प्रभाव से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता तथा उन सभी पदों से जो पार्टी नेतृत्व द्वारा मुझे नामित किया गया था त्यागपत्र दे रहा हूं।

स्कालरशिप व शुल्क प्रतिपूर्ति को लेकर ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार ने छात्रवृत्ति व फीस प्रतिपूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की समय सीमा बढ़ा दी है। कक्षा दशमोत्तर कक्षाओं के लिए स्टूडेंट्स अब 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नवीन व नवीनीकरण से बचे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। अभी तक आवेदन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर थी। छात्रवृत्ति की समय सीमा बढ़ाए जाने से कई कारणों से आवेदन नहीं कर सके छात्र-छात्राओं ने राहत की सांस ली है। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ अमरनाथ यति के मुताबिक स्टूडेंट्स आवेदन की हार्ड कॉपी जरूरी सभी संलग्नकों के साथ 27 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से अपने शिक्षण संस्थानों में जमा कर दें।

कांग्रेस की घोषणा कोरी चुनावी नाटकबाजीः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस द्वारा यूपी चुनाव में 40 फीसद महिलाओं को टिकट देने की घोषणा को बसपा सुप्रीमो मायावती ने कोरी चुनावी नाटकबाजी बताया है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस को महिलाओं की इतनी चिंता है तो संसद में 33 फीसद आरक्षण का कानून क्यों नहीं बनाया।

मंगलवार को ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में होती है व इनके अच्छे दिन होते हैं तो इनको दलित, पिछड़े व महिलाएं आदि याद नहीं आतीं, किन्तु अब जब इनके बुरे दिन नहीं हट रहे हैं तो पंजाब में दलित की तरह यूपी में इनको महिलाएं याद आई हैं व उन्हें 40 प्रतिशत टिकट देने की घोषणा इनकी कोरी चुनावी नाटकबाजी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति कांग्रेस की चिन्ता अगर इतनी ही वाजिब व ईमानदार

होती तो केन्द्र में इनकी सरकार ने संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून क्यों नहीं बनाया, कांग्रेस का स्वाभाव है कहना कुछ व करना कुछ जो इनकी नीयत व नीति पर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है। मायावती ने कहा कि यूपी व देश में महिलाओं की आधी आबादी है तथा इनका हित व कल्याण ही नहीं बल्कि इनकी सुरक्षाए आदर सम्मान के प्रति ठोस व ईमानदार प्रयास सतत् प्रक्रिया, जिसके प्रति मजबूत इच्छाशक्ति जरूरी, जो कांग्रेस व भाजपा आदि में देखने को नहीं मिलती है जबकि बीएसपी ने ऐसा करके दिखा दिया है।

यूपीसीडा ने लगभग 1200 इकाइयों को 1,100 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित की

यूपीसीडा राज्य भर में उद्यमिता विकास और प्रोत्साहन सप्ताह का कर रहा है आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में संतुलित विकास और उद्यमियों के लिए अनुकूल औद्योगिक परिवेश बन रहा है। इसके परिणामस्वरूप पिछले साढ़े चार वर्षों में यूपीसीडा ने राज्य में लगभग 1200 इकाइयों को 1,100 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित की है और इन इकाइयों में 8,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है तथा 80,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। पूर्व में देवरिया से लेकर पश्चिम में सहारनपुर तक और उत्तर में पीलीभीत से लेकर दक्षिण में चित्रकूट तक कई प्रतिष्ठित उद्यमियों ने निवेश के साथ अपनी प्रमुख परियोजनाओं की स्थापना की है अथवा कर रहे हैं। हाल ही में यूपीसीडा ने 2,300 करोड़ रुपये से अधिक के विदेशी निवेश की परियोजनाएं जैसे एबी मौरी, पेप्सिको, आईनॉक्स और एमएपीईआई जैसे प्रसिद्ध समूहों को

भूमि आवंटित की गई है। जैसा कि राज्य के सिंगल विन्डो पोर्टल, निवेश मित्र में दर्ज किया गया है, प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित निवेशक अनुकूल पहल और सुधारों के परिणामस्वरूप चालू वर्ष में 94 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ताओं ने यूपीसीडा की सेवाओं पर संतुष्टि व्यक्त की है। एक और निवेशक अनुकूल पहल के रूप में 18 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2021 के बीच यूपीसीडा राज्य भर के अपने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमिता विकास और प्रोत्साहन सप्ताह का आयोजन कर रहा है।

इस उद्यमिता विकास और प्रोत्साहन सप्ताह के दौरान यूपीसीडा द्वारा किए गए डिजिटल सुधारों, सेवा वितरण प्रक्रियाओं के सरलीकरण और निवेशक अनुकूल नीतिगत पहलों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों और आवंटियों के साथ बैठकें आयोजित कर रहा है। इन संवादात्मक बैठकों का उद्देश्य विभिन्न उद्यमियों और औद्योगिक संघों से सुझाव प्राप्त करना है ताकि राज्य में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए विचारों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सके।

इस पहल के तहत लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर, हमीरपुर, जौनपुर, सहारनपुर, आगरा, मुरादाबाद और गाजियाबाद जैसे जिलों के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। यूपीसीडा द्वारा निवेशकों के हित में लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए यूपीसीडा द्वारा पूरे सप्ताह अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसी तरह के संवादात्मक सत्रों को आयोजित करने की योजना है। उद्योग संघों के अधिकारियों के साथ साथ उद्यमियों ने भी इन सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव और प्रतिक्रियाएं साझा कीं।

इन सत्रों के दौरान यूपीसीडा के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को यूपीसीडा द्वारा शुरू किए गए डिजिटल सुधारों के बारे में बताया। यूपीसीडा के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को उनकी शिकायतों का त्वरित अनुश्रवणतथा निवारण किए जाने का भी आश्वासन दिया।

उत्तर प्रदेश को अग्रणी के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों ने संगठित औद्योगिक विकास और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सुझाव भी व्यक्त किए। यूपीसीडाके सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों से जुड़ना है ताकि नई पहलों और नीतिगत सुधारों पर उनके सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके और यूपीसीडाके औद्योगिकक्षेत्रों में निवेश के विभिन्न लाभों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

चुनावी रिहर्सल में सीएम योगी ने सबको पछाड़ा

अब तक करीब चालीस जिलों में जाकर टटोली चुनावी जमीन

- सपा ने विजय यात्रा तो शुरू की लेकिन दौरों के मामले में योगी से पीछे
- कांग्रेस और बसपा भी जिलों के दौरों के मामले में बहुत पीछे

कमल दुबे। लखनऊ

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में यूपी में सत्ता के दावेदारों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बसपा प्रमुख मायावती और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के प्रमुख नाम हैं। ये सभी चेहरों में पिछले महीने से ग्राउंड जीरों पर उतरकर चुनाव की घोषणा होने से पहले होमवर्क में जुटे हैं। सत्ता हासिल करने की इस रिहर्सल में फिलहाल सीएम योगी सब पर भारी पड़ते नजर आ रहे है। उन्होंने अब तक सूबे के करीब चालीस जिलों में जाकर न केवल जनता की नब्ज टटोली है बल्कि अरबों रुपये की विकास योजनाओं के तोहफों की बौछार भी की है। अगर आंकड़ों की बात करें तो सीएम योगी के मुकाबले अन्य दलों के नेता फिलहाल कहीं नहीं ठहरते। विपक्ष के सपा बसपा और कांग्रेस के नेताओं ने चुनावी बिगुंल तो जरूर बजा दिया है लेकिन जिलों में जाकर सभाएं करने के मामले में वह पिछड़ते दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा चुनाव 2022 के चुनावी अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में विगत 14 सितंबर को अलीगढ़ से की थी। पीएम मोदी ने यहां राजा महेन्द्र सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी की आधारशिला तथा डिफेन्स कारीडोर के अलीगढ नोड का शिलान्यास करके राज्य की जनता को बड़ा संदेश दिया था। पीएम की मौजूदगी में चुनावी अभियान का आगाज करने के बाद से सीएम योगी लगातार जिलों का दौरा करके विकास योजनाओं का लोकापर्ण-शिलान्यास कर रहे हैं। मुरादाबाद, बिजनौर, संभल, गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, उन्नाव, कानपुर नगर, कानपुर देहात, जालौन, गौतमबुद्ध नगर, अयोध्या, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर तथा प्रयागराज सहित करीब चालीस जिलों को दौरा कर चुके हैं। इन दौरों में उन्होंने पार्टी की रणनीति के तहत विकास योजनाओं का लोकपर्ण और शिलान्यास करने, पार्टी के स्थानीय नेताओं की जमीन का आंकलन करने के अलावा जनता तथा प्रशासनिक अधिकारियों की नब्ज को भी अच्छे से टटोला। दरअसल भाजपा ने जो चुनावी रणनीति तय की है उसके हिसाब से सीएम योगी को प्रत्येक सप्ताह में चार से पांच दिन किसी न किसी सरकारी या संगठनात्मक कार्यक्रम में शिरकत करना है और हर दिन एक से दो जिलों का दौरा करने का प्रावधान किया गया है। इस रणनीति में सप्ताह में दो से तीन दिन जिलों में रात्रि विश्राम कर वहां की चुनावी थाह लेने के साथ प्रशासनिक मशीनरी को दुरुस्त करना तथा संगठन के जरिये चुनावी बिसात बिछाना भी शामिल है। भाजपा की कोर कमेटी ने विपक्षी दलों की धार को कुंद करने और चुनाव में भगवा माहौल बनाने के लिए नवंबर तक योगी से पूरा प्रदेश मथने की योजना बनाई है। इसी रोडमैप के आधार पर सीएम योगी अपने कदमों को आगे बढा रहे हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम योगी के इस रिहर्सल के विपरीत सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिता मुलायम सिंह यादव का आशीर्वाद लेकर विगत 12 अक्टूबर से अपनी विजय यात्रा को शुरू किया है, अभी तक उन्होंने दस से 12 जिलों में जाकर पार्टी के संदेश लोगों को दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लखीपुर कांड के बाद से लगातार यूपी में सक्रिय जरूर हैं लेकिन जिलों के दौरों के मामले में वह सपा के अखिलेश यादव के भी पीछे हैं। जहां तक बसपा की बात करें तो ब्रहमण वोटों को रिझाने के लिये बसपा महासचिव तो दौरे कर रहे हैं लेकिन बसपा सुप्रीमों मायावती ने बहुत ज्यादा सभाएं नहीं की हैं। वह पार्टी के बैठके करके चुनावी रणनीति बनाने तक अभी सीमित हैं। विदित हो कि पिछले कुछ दशकों के राजनीतिक पार्टियों ने अपनी रणनीति को बदला है और वह चुनाव अधिसूचना के जारी होने से पहले ज्यादा से ज्यादा चुनावी दौरे करके जमीन तैयार करने का काम कर लेती है। चुनाव की घोषणा होने के बाद नेताओं के होने वाले दौरे और छोटी-बडी सभाओं और खर्चों पर सीधे आयोग की नजर रहती है। जिस कारण चुनाव घोषित होने से पहले ही जमीन पर चुनावी संग्राम छिड़ जाता है।

पावर एक्सचेंजों की केंद्र कराए जांच: उपभोक्ता परिषद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने खुलासा करते हुए कहा है कि कोयला संकट के बाद पावर एक्सचेंजों ने मुनाफा कमाने के लिए यह सब किया। केवल पांच दिन में लगभग 1000 करोड़ की मुनाफाखोरी की गई जिसकी केंद्र सरकार उच्च स्तरीय जांच कराए।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया ऐसे में वर्तमान में देखा जाए तो केवल इंडियन एनर्जी एक्सचेंज जिसने कभी 145 मिलयन यूनिट से ज्यादा रोज व्यापार नहीं किया। संकट के दिनों में 350 मिलयन यूनिट बिजली रोज बेची जिसकी औसत कीमत 15 से 17 प्रति यूनिट के बीच रही। उन्होंने आरोप लगाया कि कहीं सब कुछ पहले से मुनाफाखोरी की प्लानिंग का एक हिस्सा तो नहीं था। ऐसे में केंद्र सरकार इस पूरे मांमले की जांच कराए जिसमे सभी उन राज्य के नियामक आयोगों के चेयरमैन को शामिल किया जाए। जिस राज्य में सबसे अधिक मंहगी बिजली का भुगतान किया।

नरेश उत्तम फिर बने सपा के प्रदेश अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- सपा की 72 सदस्य राज्य कार्यकारिणी घोषित

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से आज 72 सदस्यीय उत्तर प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल सहित डॉ. फिदा हुसैन अंसारी, जयशंकर पाण्डेय तथा जगपाल दास गुर्जर को उपाध्यक्ष, राजकुमार मिश्रा को कोषाध्यक्ष, राज नारायण बिंद को प्रमुख महासचिव तथा श्यामलाल पाल एवं पूर्व मंत्री तिलक चंद्र अहिरवार को महासचिव नामित किया गया है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी में 24 सचिव नामित किये गये है जिसमें क्रमशः जयशंकर पाण्डेय, जगपाल दास गुर्जर, राजनारायण बिन्द, श्याम लाल पाल, तिलक चन्द्र अहिवार, पूर्व मंत्री हाजी मो अनवर खां, रामसिंह राणा, सरदार सतनाम सिंह सेठी, दयाशंकर निषाद, लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, महेन्द्र चौहान, बख्तावर सिंह, दिलीप कमलापुरी, संजय सविता विद्यार्थी, जुगुल किशोर बाल्मीकि, अब्दुल्ला आजम, रामगोविन्द प्रजापति, लालता प्रसाद बियार, देवनाथ साहू, प्रमोद मौर्या, राजेश कुशवाहा, ओंकार पटेल, सराफत खां, त्रिवेणी प्रसाद पाल, दीपाली रायकवार, विभा शुक्ला, डा महिमा यादव, अनीता दिवाकर, अजय चौधरी को सचिव नामित किया गया है।

इसके साथ ही समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी में 40 सदस्य नामित किये गये है। सपा प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी की राज्य कार्यकारिणी में समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

सेना प्रमुख ने जम्मू में नियंत्रण रेखा के अग्रिम इलाकों का दौरा किया

भाषा। जम्मू

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और उन्हें क्षेत्र में जमीनी स्थिति तथा वहां चल रहे घुसपैठ रोधी अभियानों की जानकारी दी गई।

जनरल नरवणे घाटी में आतंकवादियों के हाथों आम नागरिकों की हत्याओं की बढ़ती घटनाओं और पुंछ तथा राजौरी जिलों के जंगलों में चल रहे आतंकवाद रोधी अभियान के बीच दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे हैं। आतंकवाद रोधी अभियान में पिछले एक हफ्ते में नौ जवान शहीद हो गए हैं। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशक (एडीजीपीआई) ने ट्वीट किया, सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने नियंत्रण रेखा पर व्हाइट नाइट कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। सेना प्रमुख को कमांडरों ने मौजूदा हालात और घुसपैठ रोधी अभियान के बारे में जानकारी दी। कश्मीर घाटी के विभिन्न इलाकों में इस महीने आतंकवादियों के हमले में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच गैर स्थानीय मजदूर, अल्पसंख्यक समुदायों के दो शिक्षक और एक लोकप्रिय दवा दुकानदार शामिल है। आम नागरिकों की हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के बीच जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों और उनसे सहानुभूति रखने वाले लोगों को सजा देकर खून के एक-एक कतरे का बदला लेने का आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि सेना प्रमुख ने राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों का दौरा किया, जहां 11 अक्टूबर के बाद से मेंढर, सुरनकोट और थानामंडी के जंगली इलाकों में छिपे आतंकवादियों की तलाश करने का व्यापक अभियान चल रहा है। सुरनकोट के वन्य क्षेत्र में 11 अक्टूबर को आतंकवादियों के हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे जबकि गत बृहस्पतिवार को मेंढर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड में चार जवान शहीद हो गए।

जम्मू में आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवाणे लाइन ऑफ कंट्रोल का निरीक्षण करते हुए।

पुर्तगाली बैंक ने वापस किए साइबर ठगी में गंवाए व्यवसायी के 31 लाख

भाषा। वडोदरा

गुजरात के वडोदरा शहर में एक व्यवसाई को कथित तौर पर साइबर ठगों द्वारा पैसे की चपत लगाए जाने के बाद एक पुर्तगाली बैंक ने उक्त व्यवसाई के लगभग 31 लाख रुपए लौटा दिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता रमेश शाह ने काक्सा जेराल डि डेपोसिटोस ब्रागा बैंक की लिस्बन शाखा में 31 लाख रुपए जमा किए थे और वडोदरा की साइबर अपराध शाखा के कर्मचारियों द्वारा बैंक तथा लिस्बन की साइबर पुलिस से अनुरोध किए जाने के बाद राशि लौटा दी गई। साइबर पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा, मामले की जांच के लिए एक टीम बनाई गई। एसबीआई के साथ मिलकर काम करते हुए हमने पुर्तगाली बैंक काक्सा जेराल डि डेपोसिटोस ब्रागा की मुंबई और लिस्बन स्थित शाखाओं तथा एसबीआई की फ्रैंकफर्ट, जर्मनी स्थित शाखा से संपर्क किया।

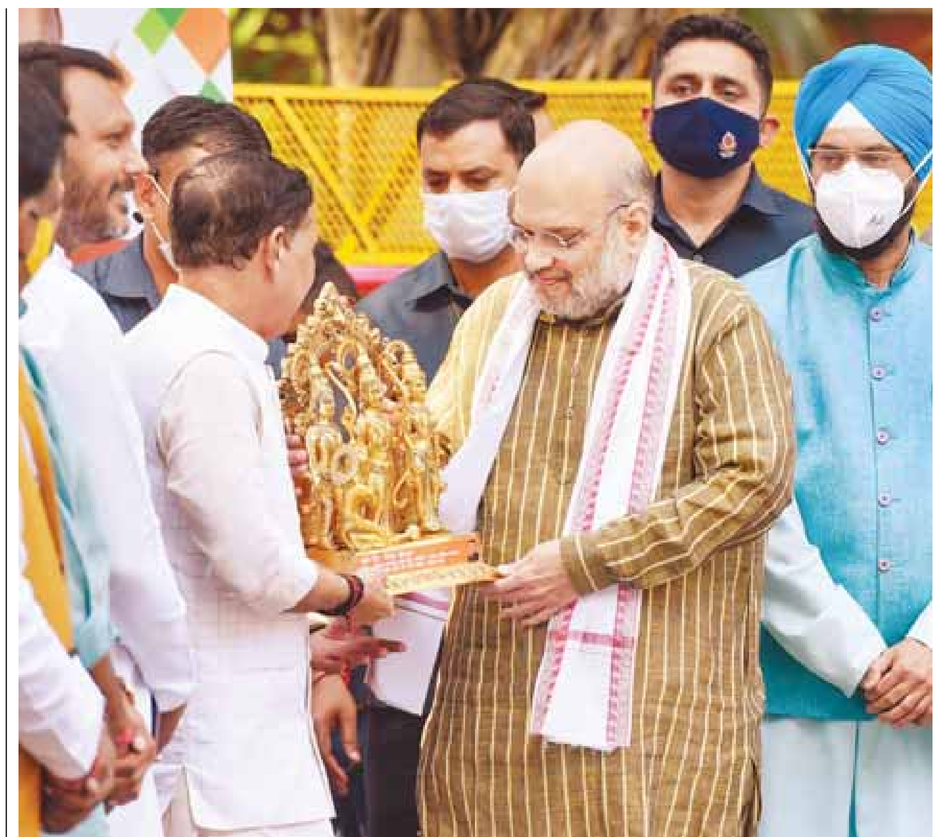

नई दिल्ली में सेवा ही संगठन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नाबालिग लड़की ने परिवार के चार सदस्यों को जहर देकर मारा

भाषा। चित्रदुर्ग (कर्नाटक)

कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में भेदभाव से खफा 17 वर्षीय एक लड़की ने परिवार के चार सदस्यों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिले के इसामुद्रा गांव में लंबानिहट्टी में यह घटना जुलाई में हुई और अब मामला प्रकाश में आया है। मृतकों में लड़की के पिता, मां, दादी और बहन है जबकि उसका 19 साल का भाई जहर से बीमार पड़ गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 12 जुलाई को उन्होंने (परिवार) रात के भोजन में किशोरी द्वारा बनाए गए रागी मुद्दे (रागी के गोले) खाए। पुलिस के अनुसार इनमें कीटनाशक मिला हुआ था जिससे सभी को उल्टियां आने लगी और उनमें से चार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि किशोरी ने रात के भोजन में बहन द्वारा तैयार चावल और रसम खाया था।

खाद्य सामग्रियों और बर्तनों को जांच के लिए फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया था और जांच के बाद रागी के गोले में कीटनाशक मिले होने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें पता चला कि आरोपी अपने ननिहाल में पली-बढ़ी थी और तीन साल पहले ही अपने माता-पिता के घर आई थी। उसकी शिकायत थी कि माता-पिता उसके और भाई-बहनों के बीच भेदभाव करते हैं। वह इस बात को लेकर परेशान थी कि उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा और उसके भाई-बहन को ज्यादा स्नेह दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस वजह से उसने जहर देने का फैसला किया। परिवार के सदस्यों को जहर देने की कोशिश वह पहले भी कर चुकी थी लेकिन उसमें वह सफल नहीं हो पाई। नाबालिग होने की वजह से आरोपी को लड़कियों के रिमांड होम भेज दिया गया।

संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के बाद मप्र में 163 संयंत्र स्थापितः चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 182 मीट्रिक टन की सामूहिक उत्पादन क्षमता वाले 163 ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए गए हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान प्रदेश में ऑक्सीजन की बेहद कमी हो गई थी और दूसरे प्रदेशों से इसे लेना पड़ा था। मुख्यमंत्री चौहान ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि मार्च 2020 में (कोविड-19 महामारी फैलने से पहले) प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा, अब 182 मीट्रिक टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाले 163 ऑक्सीजन संयंत्र राज्य के विभिन्न जिलों में शुरु किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में सभी 202 संयंत्र चालू हो जाएंगे तो रोजाना करीब 230 मीट्रिक टन चिकित्सकीय ऑक्सीजन का उत्पादन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान जीवन रक्षक गैस की कमी का सामना करने के बाद इन संयंत्रों पर काम शुरू किया गया था। शेष 39 संयंत्र को भी इस माह के अंत तक शुरू किया जाएगा। वर्तमान में प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 360 मीट्रिक टन तरल ऑक्सीजन की सामूहिक भंडारण सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा प्रदेश के 34 जिला चिकित्सालयों में छह किलोलीटर क्षमता के तरल ऑक्सीजन टैंक (कुल 248 मीट्रिक टन) की स्थापना की जा रही है।

पुलिस थाने में विधायक के हंगामा करने का वीडियो वायरल हुआ

जोधपुर। कांग्रेस की एक विधायक और उसके पति द्वारा कथित तौर पर यहां स्थित एक पुलिस थाने में हंगामा करने की घटना कैमरे में कैद हो गई। दरअसल, विधायक के एक रिश्तेदार पर शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में मामला दर्ज हुआ था और उसका वाहन जब्त कर लिया गया था जिसके बाद दंपति ने पुलिस थाने में हंगामा किया। शेरगढ़ से विधायक मीरा कंवर और प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य व उनके पति उम्मेद सिंह का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वे दोनों पुलिस थाने में फर्श पर बैठ कर पुलिसकर्मियों से बहस कर रहे हैं। सोमवार रात से वायरल हो रहे वीडियो में विधायक और उनके पति को यह कहते सुना जा सकता है कि सभी बच्चे शराब पीते हैं और थोड़ा बहुत पीने से कोई नुकसान नहीं होता।

कंवर, रातानाडा पुलिस थाने के कर्मियों से अपने रिश्तेदार और उसके वाहन को छोड़ने की मांग करते हुए कह रही हैं, सबके बच्चे पीते हैं। क्या हुआ जो थोड़ी बहुत ले ली? वीडियो में दंपति को पुलिसकर्मियों पर, शराब के नशे में बदसलूकी करने का आरोप लगाते भी सुना जा सकता है। कंवर कह रही हैं कि पुलिस वालों को अपनी कुर्सी से उठकर उनके सामने खड़ा होना चाहिए।

वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी, विधायक और उनके पति से कुर्सी पर बैठने का अनुरोध कर रहे हैं, फिर भी वे पुलिस पर दबाव बनाने के लिए फर्श पर बैठे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि बाद में विधायक के दबाव में पुलिस ने कंवर के रिश्तेदार को वाहन समेत जाने की अनुमति दी। अधिकारी ने बताया कि हालांकि पुलिस ने आरोपी पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है, इसके बावजूद उसे छोड़ दिया गया। वीडियो के बारे में पूछे जाने पर डीसीपी (पूर्व) भुवन भूषण यादव ने कहा कि मामले की जांच एसीपी (पूर्व) को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। मीना कंवर का दावा है कि पुलिस ने परिचय देने के बाद भी उनके रिश्तेदार के साथ बदसलूकी की। उन्होंने आरोप लगाया वह (रिश्तेदार) शराब के नशे में नहीं पाए गए।

क्विक न्यूज

पुंछ-राजौरी के जंगल में आतंकवाद निरोधक अभियान का नौवां दिन, लोगों को घरों में रहने की सलाह

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलो मे वन क्षेत्र मे आतंकवाद निरोधक अभियान को मंगलवार को नौ दिन हो गए, वही मेंढर मे सार्वजनिक घोषणाएं कर स्थानीय लोगो से घरो मे रहने को कहा गया है। भट्टा दुर्यां और आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय मस्जिदो से मुनादी कर लोगो को सतर्क किया गया। सुरक्षा बल आतंकवादियो के खिलाफ अंतिम वार की तैयारी कर रहे है जो पुंछ जिले के मेंढर मे वन क्षेत्र में छिपे हो सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, लोगो से वन क्षेत्र में नही जाने को और अभियान के मद्देनजर अपने मवेशियो को भी घरो में रखने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि बाहर गए लोगो को मवेशियो के साथ घर लौटने को कहा गया है। पुंछ के सुरनकोट इलाके मे 11 अक्टूबर को शुरू हुई मुठभेड़ मे एक जेसीओ सहित पांच सैन्य कर्मी मारे गए थे।

शिअद ने चार और उम्मीदवारों की घोषणा की

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने चार और उम्मीदवारो के नाम की घोषणा की। नके साथ ही शिअद के घोषित उम्मीदवारो की संख्या 74 हो गई। शिअद के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने बताया कि बलदेव सिंह को सुनाम, हरपल जुनेजा को पटियाला शहरी सीट, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल को लेहरा और हरदेव सिंह मेघ को बलुआना से उम्मीदवार बनाया गया है। पंजाब की 117 सदस्ईय विधानसभा सीट पर होने वाले चुनाव के लिए जून मे शिअद ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन किया था। गठबंधन के तहत मायावती नीत बसपा 117 में से 20 सीटो पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। बाकी सभी सीटो पर शिअद चुनाव लड़ेगा।

सीआरपीएफ का जवान रामबन में मृत मिला

बनिहाल/जम्मू। सीआरपीएफ का एक जवान जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में मंगलवार को मृत मिला। शव पर गोलियो के निशान पाए गए है। आधिकारिक सूत्रो ने यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि कांस्टेबल राजीव रंजन जिले के बूम चंदेरकूट इलाके में 84 बटालियन कैंप में सुबह करीब आठ बजकर 40 मिनट पर मृत पाए गए। सूत्रो ने बताया कि रंजन बिहार के छपरा जिले के रहने वाले थे और उन्होने कथित तौर पर अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली। उन्होने बताया कि पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 174 के तहत मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

राणा के बाद नेकां के एक और कद्दावर नेता ने छोड़ी पार्टी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पूर्व मंत्री प्रेम सागर अजीज यहां नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) से अलग हो गए और उन्होंने पार्टी के पूर्व सदस्य देवेंद्र सिंह राणा को समर्थन दिया है जो हाल मे भारतीय जनता पार्टी मे शामिल हुए है। अजीज, नेकां के बानी निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी थे। उन्होने कहा कि वह अपने समर्थको के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। मै 45 साल तक कांग्रेस में था और राणा की वजह से नेकां में शामिल हुआ था। मुझे पता है कि वह जम्मू के लिए काम कर रहे है इसलिए मै उनका समर्थन करता हूं। अब चूंकि जम्मू की खातिर राणा नेकां से अलग हो गए है इसलिए मै भी पार्टी मे नही रह सकता और मै राणा का समर्थन करता हूं। राणा, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के छोटे भाई है और उन्होंने पूर्व मंत्री एस एस सलाथिया के साथ 10 अक्टूबर को नेकां की सदस्यता छोड़ दी थी। इन दोनो नेताओ ने अगले दिन दिल्ली मे भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। राणा नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष थे। अजीज ने कहा कि वह राणा के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहेंगे क्योकि जम्मू के लिए उनका योगदान लोगो के लिए प्रेरणास्रोत है।

खराब मौसम के कारण नायडू की सिक्किम यात्रा टली

गंगटोक। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की सिक्किम यात्रा खराब मौसम के मद्देनजर दो दिन के लिए टाल दी गई। नायडू अब बुधवार की बजाय शुक्रवार को इस हिमालई राज्य का दौरा करेंगे। उप राष्ट्रपति दक्षिण सिक्किम के नामची मे प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया के नाम पर बने एक स्टेडियम का उद्घाटन करेंगे। सिक्किम के खेल एवं युवा मामलो के सचिव राजू बसनेत ने एक विज्ञप्ति मे बताया, लगातार खराब मौसम के कारण माननीय उप राष्ट्रपति का दौरा स्थगित कर दिया गया। इसी तरह नामची मे बाइचुंग स्टेडियम के उद्घाटन का कल (20 अक्टूबर) का कार्यक्रम भी टल गया और अब यह 22 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

उड़ीसा उच्च न्यायालय में तीन न्यायाधीशों ने कार्यभार संभाला

कटक। उड़ीसा उच्च न्यायालय मे मंगलवार को तीन और न्यायाधीशो ने पदोन्नति के बाद कार्यभार संभाल लिया। इससे एक दिन पहले ही दो न्यायाधीशो को यहां स्थानांतरण किया गया था। मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर ने न्यायमूर्ति मृगांक शेखर साहू, न्यायमूर्ति राधा कृष्ण पटनायक और न्यायमूर्ति शशिकांत मिश्रा को पद की शपथ दिलाई।

पटना में 100 साल पुराने बिहार विधान सभा भवन के बाहर सुरक्षाकर्मी पहरा देते हुए। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद गुरुवार को शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी चीन के बारे में बोलने से डरते हैं : ओवैसी

हैदराबाद। ईंधन की बढ़ती कीमतों और भारतीय जमीन पर चीन के अतिक्रमण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर प्रहार करते हुए एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने यहां आरोप लगाए कि मोदी चीन के बारे में बात करने से डरते हैं। हैदराबाद के सांसद ने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार की विफलता के कारण कश्मीर में नागरिकों की चुन-चुनकर हत्या की जा रही है। एआईएमआईएम के प्रमुख ने सोमवार की रात को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री दो बातों पर कुछ नहीं बोलते -- पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में बढ़ोतरी और चीन के देश में घुसकर बैठने के बारे में। मूल्यों में काफी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है लेकिन प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा।

ओवैसी ने आरोप लगाए, और अब चीन देश में घुसा हुआ है और अंदर बैठा हुआ है। जब पाकिस्तान ने पुलवामा (हमला) किया तो मोदी ने कहा था कि घर में घुसकर मारेंगे लेकिन अब चीन घुस आया है और भारत में बैठा हुआ है तो वह कुछ नहीं कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री चीन के बारे में बात करने से डरते हैं। उन्होंने कहा, हमारे नौ सैनिक मारे गए (हाल में जम्मू-कश्मीर में) और भारत तथा पाकिस्तान के बीच टी-20 मैच होने वाला है।

ओवैसी ने पूछा, मोदी जी...हमारे नौ सैनिक मारे गए और क्या आप टी-20 खेलेंगे? पाकिस्तान कश्मीर में भारतीयों की जिंदगी के साथ टी-20 खेल रहा है। बिहार के गरीब मजदूर मारे जा रहे हैं और चुन-चुनकर हत्याएं की जा रही हैं। आईबी (खुफिया ब्यूरो) और अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री) क्या कर रहे हैं। कश्मीर में गुप्तचर विभाग क्या कर रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से हथियार और आतंकवादी आ रहे हैं और आप मैच खेलेंगे।

महाराष्ट्रः गढ़चिरौली जिले से दो लाख रुपए का इनामी नक्सल गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में वन क्षेत्र से मंगलवार को एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया। उसके सिर पर दो लाख रुपए का इनाम था। नक्सली की पहचान मगरू कटाकु मडवी के रूप में हुई। वह पर्मिली एलओएस समूह की एक्शन टीम का सदस्य है और दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन (डीएकेएमएस) का वरिष्ठ सदस्य है। मडवी को गढ़चिरौली पुलिस द्वारा मंगलवार तड़के गढ़चिरौली के अहेरी उपमंडल के पर्मिली वन क्षेत्र में चलाए गए तलाश अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। मडवी निर्दोष लोगों की हत्या करने और इलाके में पुलिस चौकी पर हमले में शामिल रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि वह कुछ महीने पहले गढ़चिरौली जिले के बर्गी में एओपी (सशस्त्र पुलिस चौकी) पर हमले और उप सरपंच रामा तलंदी की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल था। उसके खिलाफ कई पुलिस थानों में हत्या के तीन मामले और एक मुठभेड़ में शामिल होने का मामला दर्ज है।

कूच बिहार में भाजपा उम्मीदवार विधायक के साथ धक्का-मुक्की

भाषा। कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए मंगलवार को प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के एक उम्मीदवार और एक विधायक के साथ कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के एक सांसद की मौजूदगी में धक्का-मुक्की की। हालांकि, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने इस घटना में पार्टी कार्यकर्ताओं की संलिप्तता से इनकार किया है। जलपाईगुड़ी से भाजपा के सांसद जयंत रॉय की मौजूदगी में नायरहाट में चुनाव प्रचार के दौरान दिनहाटा विधासनभा सीट के लिए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार अशोक मंडल और नाताबाड़ी से पार्टी के विधायक मिहिर गोस्वामी के साथ धक्का-मुक्की हुई।

यहां कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे भाजपा नेताओं के लिए वापस जाओ के नारे लगाए। यहां 30 अक्टूबर को उप चुनाव होना है। मंडल और गोस्वामी को सोमवार को बामनहाटा इलाके में भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार से रोकने के लिए ऐसी हरकत की गई।

दिनहाटा विधानसभा सीट से जीतने वाले उम्मीदवार और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के अपने लोकसभा सीट पर ही बने रहने के बाद, इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव की जरूरत पड़ी। तृणमूल कांग्रेस ने यहां से उदयन गुहा को फिर से टिकट दिया है, जो प्रमाणिक से चुनाव हार गए थे। दिनहाटा के अलावा शांतिपुर (नदिया), गोसाबा (दक्षिण 24 परगना) और खरदा (उत्तर 24 परगना) सीटों पर भी उपचुनाव होंगे।

सामाजिक न्याय की मजबूती के लिए हिन्दू संत रामानुजाचार्य से जुड़ने की जरूरतः कांग्रेस नेता

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु में कांग्रेस विधायक दल के नेता के. सेल्वापेरुंथगई ने कहा कि राज्य में सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए हिन्दू संत रामानुजाचार्य से जुड़ने की जरूरत है जो लगभग एक सहस्राब्दी पहले भेदभाव उन्मूलन और समानता के सिद्धांत को बढ़ावा देने वाले प्रणेता थे।

सेल्वापेरुंथगई श्रीपेरुमबदूर गांव के निवासी हैं जहां रामानुजाचार्य का जन्म हुआ था। कांग्रेस नेता ने कहा कि सामाजिक न्याय की अलख जगाने वाले क्रांतिकारी संत की वर्षों तक अनदेखी की जाती रही। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है जब सामाजिक न्याय और समानता के उनके (संत) के उच्च विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाए।

● सामाजिक न्याय की अलख जगाने वाले क्रांतिकारी संत की वर्षों तक अनदेखी की जाती रही

हिन्दू संत 11-12वीं सदी के आध्यात्मिक प्रणेता थे जिन्हें आज के तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्रों में उनके समाज सुधार के कार्यों के लिए जाना जाता है। सेल्वापेरुंथगई ने कहा कि वह पुरतचियालर रामानुजर पेरावी (क्रांतिकारी रामानुजर फोरम) शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, शुरू किए जाने वाले फोरम को लेकर सभी उत्साहित हैं। हम इससे संबंधित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को आमंत्रित करने जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि फोरम समाज में बेहतरी लाने, जाति एवं नस्ल के आधार पर भेदभाव के उन्मूलन, सामाजिक न्याय और सौहार्द को बढ़ावा देने संबंधी पहल है। यह पूछे जाने पर कि जब सामाजिक न्याय से जुड़ी हस्तियों में प्रायः भीमराव आंबेडकर और पेरियार जैसी हस्तियों को गिना जाता है तो उन्होंने रामानुजाचार्य को क्यों चुना, कांग्रेस नेता ने कहा, रामानुजार्य आंबेडकर और पेरियार से भी पहले के क्रांतिकारी हैं।

श्रीपेरुमबदूर विधानसभा क्षेत्र (सुरक्षित) से विधायक सेल्वापेरुंथगई ने कहा कि 1,000 साल पहले रामानुजाचार्य ने दलितों के उत्थान के लिए काम किया, जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और यह सिद्धांत प्रतिपादित किया कि सभी श्री वैष्णव हैं। उन्होंने कहा, कल्पना करिए कि रामानुजाचार्य को एक हजार साल पहले किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि रामानुजार्य निःसंदेह एक क्रांतिकारी नेता एवं प्रणेता थे जो आंबेडकर और पेरियार के अग्रदूत थे।

जम्मू में मजदूर अपने घर वापस आने के लिए रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते हुए।

ऊर्जा बाजारों में बिजली कीमतों की सीमा तय हो: एआईपीईएफ

भाषा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय बिजली अभियंता संघ (एआईपीईएफ) ने मंगलवार को कहा ऊर्जा बाजारों में बिजली कीमतों की सीमा तय करने के लिए नियामकों के मंच की तत्काल बैठक होनी चाहिए। एआईपीईएफ ने इसके साथ ही कोयले की मौजूदा कमी के दौरान निजी परिचालकों द्वारा कालाबाजारी करने का आरोप भी लगाया। संघ ने एक बयान में कहा, अखिल भारतीय बिजली अभियंता संघ ने मांग की है कि संकट के दौरान ज्यादातर निजी परिचालकों द्वारा ऊर्जा बाजारों में कालाबाजारी रोकने के लिए नियामकों के मंच की तुरंत बैठक की जाए।

बयान में आगे कहा गया, एआईपीईएफ ने यह भी मांग की है कि कोयला संकट की जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में इस तरह के संकट से बचने के तरीके और साधन विकसित करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए। एआईपीईएफ के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह को लिखे पत्र में आग्रह किया कि बिजली कानून 2003 की धारा 62 (1) की भावना के अनुरूप आईपीपी (स्वतंत्र बिजली उत्पादकों) द्वारा मुनाफाखोरी पर रोक लगाने के मुद्दे पर नियामकों के मंच की चर्चा की जाए और इसे अंतिम रूप दिया जाए। एआईपीईएफ ने पत्र में कहा कि चूंकि बिजली दरों में बढ़ोतरी का एक प्रमुख कारण कोयले की कमी को माना जा रहा है, इसलिए बिजली मंत्रालय को भविष्य में कोयले की कमी खत्म करने पर जोर देना चाहिए।

ऐप्पल भारत में नया मैकबुक प्रो, म्यूजिक वॉयस प्लान पेश करेगा

नई दिल्ली। ऐप्पल जल्द ही भारतीय उपभोक्ताओं के लिए मैकबुक के नवीनतम मॉडल के साथ ही होमपॉड मिनी, एयरपॉड्स और ऐप्पल म्यूजिक वॉयस प्लान के तहत एक नए संगीत अनुभव की पेशकश करेगी। ऐप्पल का नया एम। प्रो और एम। मैक्स क्रमश: 14 और 16 इंच के मॉडल में उपलब्ध है और ग्राउंडब्रेकिंग प्रोसेसिंग, ग्राफिक्स और मशीन लर्निंग (एमएल) की सुविधा से लैस है। एम। प्रो और एम। मैक्स के साथ नई मैकबुक प्रो रेंज ऐप्पल के ऑनलाइन स्टोर के जरिए ऑर्डर की जा सकती है, और 26 अक्टूबर से ग्राहकों और इसके अधिकृत विक्रेताओं के पास पहुंचनी शुरू हो जाएगी। नए 14 इंच वाले मैकबुक प्रो मॉडल की कीमत करीब 1.95 लाख रुपए से शुरू होती है, जबकि 16 इंच वाले मैकबुक प्रो मॉडल की कीमत करीब 2.4 लाख रुपए से शुरू है।

तोमर ने कृषि भवन में सफाई अभियान का निरीक्षण किया, अब तक चार ट्रक कबाड़ का निपटारा

भाषा। नई दिल्ली

सफाई अभियान के तहत केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कृषि भवन का निरीक्षण किया, जहां से दो अक्टूबर से अब तक चार ट्रक कबाड़ और अपशिष्ट पदार्थ का निपटान किया गया है। एक सरकारी बयान में तोमर के हवाले से कहा गया है, स्वच्छता हमारे स्वभाव में और हमारी संस्कृति में होनी चाहिए।...स्वच्छता अभियान के तहत हम जनता से जो उम्मीद करते हैं, उसका पालन सभी भवनों और कार्यालय परिसरों में भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी को स्वच्छता के महत्व पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों, संसदीय मुद्दों और कार्यालयों से संबंधित अन्य लंबित मामलों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा की है, जिसके परिणाम भी सामने आए हैं और व्यापक स्तर पर जागरूकता का प्रसार हुआ है। कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि कृषि भवन में सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत पुरानी अनुपयोगी फाइलों का निस्तारण किया गया है और यह काम जारी रहेगा। बयान में कहा गया, अभी तक चार ट्रक कबाड़ और अन्य सामग्री कृषि भवन से बाहर निकाली जा चुकी है।

क्विक न्यूज

मोदी वैश्विक तेल और गैस क्षेत्र के सीईओ, विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए वैश्विक तेल और गैस क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और विशेषज्ञों के साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि यह छठी ऐसी वार्षिक बातचीत है, जो 2016 में शुरू हुई थी। इसमें तेल तथा गैस क्षेत्र के वैश्विक नेता शामिल होते है, जो इस क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों और भारत के साथ सहयोग तथा निवेश के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए विचार-विमर्श करते है। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी 20 अक्टूबर को शाम छह बजे वीडियो कांफ्रेंस के जरिए तेल एवं गैस क्षेत्र के वैश्विक सीईओ और विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। इस बातचीत का व्यापक विषय स्वच्छ वृद्धि और संवहनीयता को बढ़ावा देना है। पीएमओ के मुताबिक बातचीत के दौरान भारत में हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में खोज और उत्पादन को प्रोत्साहित करने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, गैस आधारित अर्थव्यवस्था, स्वच्छ और ऊर्जा कुशल समाधानों के जरिए उत्सर्जन में कमी, हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और जैव ईंधन उत्पादन में बढ़ोतरी जैसे क्षेत्रों पर चर्चा होगी। बयान में कहा गया कि प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगमों और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सीईओ और विशेषज्ञ इस चर्चा में भाग लेंगे। इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहेंगे।

नई नौकरियों में एक प्रतिशत की स्थिर मासिक वृद्धि

मुंबई। ऑनलाइन बिक्री में बढ़ोतरी के कारण मुख्य रूप से छपाई और पैकेजिंग क्षेत्र और साथ ही बीपीओ तथा आईटीईएस, आयात तथा निर्यात क्षेत्र में मांग बढ़ने से सितंबर में नई नौकरियों में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मॉन्स्टर डॉट कॉम के मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक के अनुसार इस साल अगस्त की तुलना में सितंबर में नई नौकरियों में एक प्रतिशत की स्थिर मासिक वृद्धि हुई। रिपोर्ट में बताया गया कि सितंबर, 2021 में ऑनलाइन बिक्री बढ़ने के कारण प्रिंटिंग और पैकेजिंग के लिए भर्तियों में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके बाद बीपीओ तथा आईटीईएस में पांच प्रतिशत, आयात तथा निर्यात में चार प्रतिशत, खुदरा में दो प्रतिशत और यात्रा तथा पर्यटन में दो प्रतिशत की तेजी आई। रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर, 2020 के मुकाबले सितंबर, 2021 में नई नौकरियों में नौ प्रतिशत का सुधार हुआ, जो साल के बाकी हिस्से के लिए उम्मीद जगाता है।

श्रीलंका को भारी कर्ज जोखिम का सामना करना पड़ रहा है, डिफॉल्ट की वास्तविक आशंका: फिच

कोलंबो। सिंगापुर स्थित फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि संकटग्रस्त श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था को डिफॉल्ट की एक वास्तविक आशंका के साथ पर्याप्त ऋण जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। रेटिंग एजेंसी ने जुलाई-अगस्त में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के चलते वर्ष 2021 के लिए श्रीलंका के वृद्धि पूर्वानुमान को 3.8 प्रतिशत से घटाकर 3.3 प्रतिशत कर दिया। फिच ने कहा, श्रीलंका के सार्वजनिक और विदेश वित्त की स्थित नाजुक बनी हुई है, जैसा कि नवंबर 2020 से हमारी सीसीसी रेटिंग में परिलक्षित होता है और जून 2021 में इसकी पुष्टि हुई।

पीएंडजी इंडिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में तेज वृद्धि के लिए 500 करोड़ रुपए का फंड बनाया

नई दिल्ली। प्रमुख एफएमसीजी कंपनी प्रॉक्टर एंड गैबल (पीएंडजी) इंडिया ने मंगलवार को ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि को गति के लिए 500 करोड़ रुपए के फंड की घोषणा की। इसके तहत ऐसे बाजारों में उपभोक्ताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए तैयार किए गए नवाचारों पर बाहरी साझेदारों के साथ भागीदारी की जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पीएंडजी ग्रामीण वृद्धि फंड के तहत बाहरी साझेदारों को ग्रामीण उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए पीएंडजी के साथ सहयोग करने का मौका मिलेगा। नया फंड पीएंडजी इंडिया के वीग्रो कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जो नवाचार से जुड़े स्टार्ट-अप, छोटे व्यवसायों, व्यक्तियों और संगठनों की पहचान करने और उनका सहयोग करने पर केंद्रित है।

त्यौहारों में बाजार में नए वाहन आएंगे

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एसयूवी लीजेन्डर का एक नया 4 गुणा 4 रूपांतर पेश किया। लीजेन्डर को सबसे पहले जनवरी 2021 में 4 गुणा 2 डीजल रूपांतर में नए टोयोटा फ ॉर्च्यूनर के साथ पेश किया गया था। लक्जरी एसयूवी तलाशने वालों के लिए लीजेन्डर पावर्ड इन स्टाइलश उम्दा गाड़ी है। कोने पर लिपटे हुए कैटामारन एलीमेन्ट्स एक मजबूत वर्टिकल प्रोमिनेंस तैयार करते हैं और विस्तृत उपस्थिति सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा, खासतौर से डिजाइन किए गए हेडलैम्प में वाटरफॉल एलईडी लाइन गाइड सिग्नेचर के साथ स्प्लिट क्वैड एलईडी होते हैं जो सर्वश्रेष्ठ ब्राइटनेट सुनिश्चित करते हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एसोसिएट जनरल मैनेजर सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग वी वाइजलाइन सिगामनी ने कहा कि टीकेएम में हम नए उत्पाद पेश करते हैं और बाजार में नवीनताएं लाते हैं ताकि अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं तथा बाजार की बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

डिजिटल की ओर बदलाव से 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकेगा भारत : श्नाइडर इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिल चौधरी ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल बदलाव से भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। ऊर्जा प्रबंधन और स्वचालन के डिजिटल बदलाव में अग्रणी श्नाइडर इलेक्ट्रिक ने मंगलवार को इनोवेशन समिट इंडिया 2021 की शुरुआत की। डिजिटल रूप से आयोजित इस शिखर सम्मेलन के पहले दिन कंपनी ने प्रमुख नीति निर्माताओं, उद्योग के दिग्गजों, ग्राहकों और भागीदारों को एक मंच लाकर आत्मनिर्भर भारत के साथ डिजिटल रूपांतरण पर चर्चा को आगे बढ़ाया। चौधरी ने शिखर सम्मेलन के एक सत्र में कहा, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और डिजिटल की ओर बदलाव से भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिलेगी।

मूडीज ने बैंकिंग प्रणाली के परिदृश्य को स्थिर किया

नई दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने महामारी की शुरुआत के बाद से संपत्ति की गुणवत्ता में मामूली गिरावट और आर्थिक पुनरुद्धार के साथ ऋण वृद्धि में तेजी आने की संभावना के मद्देनजर मंगलवार को भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर कर दिया। मूडीज को उम्मीद है कि अगले 12-18 महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रहेगा और मार्च, 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.3 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 7.9 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूडीज ने अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य - भारत रिपोर्ट में कहा, आर्थिक गतिविधियों में तेजी से ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। यह वृद्धि हमें सालाना 10-13 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कमजोर कॉरपोरेट वित्तीय स्थिति और वित्तीय कंपनियों में वित्त पोषण की कमी बैंकों के लिए प्रमुख नकारात्मक कारक रहे है लेकिन ये जोखिम कम हो गए है।

पेरिस समझौते के तहत निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के रास्ते पर भारत जी-20 में एकमात्र देश: कांत

भाषा। नई दिल्ली

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि सतत विकास को मुख्यधारा में लाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में भारत के प्रयासों से दुनिया के अन्य देशों को प्रेरणा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एकमात्र जी-20 देश है जो पेरिस समझौते के तहत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के रास्ते पर है। श्नाइडर इनोवेशन इंडिया सम्मेलन, 2021 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कांत ने कहा कि भारत ने इलेक्ट्रिक वाहन को तेजी से अपनाए जाने की नीति पेश की है। इससे देश में स्वच्छ वाहन की दिशा में बदलाव को गति मिल रही है।

उन्होंने कहा, सतत विकास को मुख्यधारा में लाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में भारत के प्रयास दुनिया के अन्य देशों को प्रेरित करने वाले हैं। कांत ने कहा कि जब हम सतत विकास और हरित एवं स्वच्छ भविष्य की बात करते हैं, कोई भी जलवायु परिवर्तन की चुनौती की अनदेखी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, भारत मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है। वास्तव में, भारत एकमात्र जी-20 देश है जो कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को हासिल करने के रास्ते पर है।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की अंतरसरकारी समिति का 2014 के बाद यह पहला बड़ा वैज्ञानिक आकलन है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि आशंका से कहीं अधिक तेज है। कांत के अनुसार, स्वतंत्र अध्ययनों में यूएनएफसीसी (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र मसौदा सम्मेलन) क्योटो प्रोटोकॉल के तहत जरूरी कदमों के रूप में भारत के प्रयास को उसके अनुरूप माना गया है। वैश्विक स्तर के 14 शोध संस्थानों के एक गठबंधन ने माना है कि भारत जी-20 में एकमात्र देश है, जिसकी नीतियां 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य के अनुरूप है।

एलआईसी म्यूचुअल फंड एलआईसी एमएफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड करेगा लॉन्च

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने आज एलआईसी एमएफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड एक ओपन एंडेड डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड लॉन्च करने की घोषणा की, जो मूल्यांकन और कमाई ड्राइवर्स जैसे कई मापदंडों का उपयोग करके इक्विटी और डेब्ट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। एलआईसी एमएफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के लिए निवेश रणनीति, अनिवार्य रूप से एक हाइब्रिड योजना, मूल्य संचालित गणितीय मॉडल द्वारा विशिष्ट रूप से संचालित होगी। एलआईसी एमएफबीएएफ में नए फंड ऑफर के लिए इस मॉडल आधारित अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण की व्याख्या करते हुए एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के सीईओ दिनेश पांगटे ने कहा, बॉन्ड प्रतिफल, एक तरह से, इक्विटी में निवेश की अवसर लागत और जोखिम उठाने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं। फंडामेंटल ड्रिवेन

दिनेश पांगटे

मैथमैटिकल मॉडल पर आधारित एलआईसी एमएफ में हम एलआईसी एमएफबीएएफ में इक्विटी और डेब्ट के बीच इस इनवर्स रिलेशन का उपयोग इक्विटी से डेब्ट में स्विच करने के लिए करेंगे। एलआईसीएमएफ बीएएफ मॉडल योजना के लिए इष्टतम परिसंपत्ति आवंटन स्तर निर्धारित करने के लिए इस संबंध का सटीक रूप से उपयोग करेगा। इष्टतम परिसंपत्ति आवंटन स्तर पर पहुंचने के लिए मॉडल ब्याज दरो, एक वर्षके आगे के मूल्य का आय अनुपात और आय प्रतिफल का उपयोग करता है। मॉडल स्वचालित रूप से इक्विटी और ऋण के बीच परिसंपत्ति आवंटन पर पहुंच जाता है क्योंकि अंतर्निहित बुनियादी बातों में परिवर्तन होता है। श्री पैंगटे ने कहा, मॉडल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह वास्तविक समय के आधार पर किसी भी पैरामीटर में किसी भी बदलाव को स्वचालित रूप से कारक बनाता है और लिनीयर प्रोग्रेशन का उपयोग करके मूल्य से कमाई बैंड को बदलता रहता है। एलआईसीएमएफ बीएएफ न केवल निवेशकों को बाजार की रैली में भाग लेने में मदद करेगा, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसका लक्ष्य नीचे की ओर जोखिम को कम करना होगा और यह किसी भी निवेश रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। श्री पांगटे ने कहा, एलआईसी एमएफ बीएएफ को एक अनुकूलित इंडेक्स, एलआईसी एमएफ हाइब्रिड कम्पोजिट 50-50 इंडेक्स के खिलाफ बेंचमार्क किया जाएगा। सूचकांक संरचना 50 प्रतिशत निफ्टी 50 टीआरआई और 50 प्रतिशत निफ्टी 10 वर्ष बेंचमार्क जी-सेक होगा।

कोयला, रेल, बिजली मंत्रियों ने विद्युत संयंत्रों में कोयला आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा बिजली मंत्री आर के सिंह के साथ ताप बिजलीघरों में ईंधन भंडार में सुधार के उपायों पर चर्चा की। यह बैठक ताप बिजलीघरों में कोयले की कमी के बीच हुई है।जोशी ने ट्विटर पर लिखा, मंत्री अश्विनी वैष्णव जी और राज कुमार सिंह जी के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में कोयला मंत्रालय के अधिकारी, कोयला कंपनियों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए। कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया की इकाई नार्दर्न कोलफील्ड्स लि. (एनसीएल) के प्रदर्शन की भी समीक्षा की तथा उत्पादन बढ़ाने एवं प्रतिदिन कम-से-कम 34 रैक कोयले की आपूर्ति करने को कहा। जोशी ने लिखा है, सीएमडी के साथ एनसीएल सिंगरौली के कामकाज की आज समीक्षा की। एनसीएल को उत्पादन बढ़ाने और कम-से-कम 34 रैक प्रतिदिन लदान का निर्देश दिया।

सरकार की वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कर्मचारियों को तदर्थ बोनस देने की घोषणा

नई दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को गैर-उत्पादकता से जुड़ा या तदर्थ बोनस देने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के कर्मचारी भी बोनस के लिए पात्र होंगे। जो कर्मचारी 31 मार्च, 2021 तक सेवा में थे, और जिन्होंने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कम से कम छह महीने की लगातार सेवा दी है, वे तदर्थ बोनस के लिए पात्र होंगे। गैर-उत्पादकता से जुड़े बोनस (तदर्थ बोनस) का भुगतान समूह-सी में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और समूह-बी में सभी अराजपत्रित कर्मचारियों को किया जाएगा, जो किसी भी उत्पादकता से जुड़ी बोनस योजना में शामिल नहीं हैं। बोनस के भुगतान के लिए गणना की सीमा 7,000 रुपए की मासिक परिलब्धियां होगी। व्यय विभाग ने कहा, तदर्थ बोनस की मात्रा की गणना औसत परिलब्धियों गणना की अधिकतम सीमा, जो भी कम हो, के आधार पर की जाएगी।

मुनाफावसूली से शेयर बाजारों में सात दिन की तेजी का सिलसिला थमा, सेंसेक्स में 50 अंक की गिरावट

भाषा। मुंबई

मुनाफावसूली से शेयर बाजारों में सात कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला मंगलवार को थम गया। बाजार के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर होने के बीच निवेशकों ने मुनाफा काटा जिससे सेंसेक्स करीब 50 अंक टूट गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का दूसरी तिमाही का नतीजा अनुमानों से कम रहा है। इससे एफएमसीजी शेयरों में गिरावट आई। हालांकि, आईटी कंपनियों के शेयर मजबूत रहे।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 62,245.43 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया। हालांकि, कारोबार के अंतिम घंटे में बिकवाली दबाव से यह 49.54 अंक या 0.08 प्रतिशत के नुकसान से 61,716.05 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 58.30 अंक या 0.32 प्रतिशत के नुकसान से 18,418.75 अंक पर आ गया। दिन में कारोबार के दौरान इसने 18,604.45 अंक के अपने रिकॉर्ड स्तर को छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर सबसे अधिक 6.23 प्रतिशत टूट गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर में 4.06 प्रतिशत का नुकसान रहा। एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10.69 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,185 करोड़ रुपए रहा है। टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक

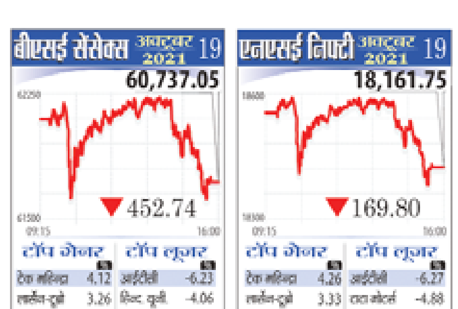

सीमेंट और पावरग्रिड के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक के शेयर 4.12 प्रतिशत तक चढ़ गए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 नुकसान में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजार काफी जुझारू क्षमता दिखा रहे हैं। हालांकि, लगातार तेजी के बाद मंगलवार को कारोबार के अंतिम घंटे में मुनाफावसूली का सिलसिला चला। आईटी शेयर मजबूती से टिके हुए हैं। रियल्टी, पीएसयू बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में आज बिकवाली देखने को मिली।

बैंकों का सकल एनपीए चालू वित्त वर्ष में बढ़कर आठ से नौ प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान

मुंबई। बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) यानी फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष में बढ़कर 8 से 9 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल ने यह कहा। अगर ऐसा होता है, तो यह वित्त वर्ष 2017-18 के अंत के 11.2 प्रतिशत के आंकड़े से काफी कम होगा। एजेंसी के अनुसार कर्ज पुनर्गठन और आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसे कोविड-19 राहत उपायों से बैंकों के सकल एनपीए को सीमित रखने में मदद मिलेगी। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक करीब दो प्रतिशत बैंक ऋण के पुनर्गठन की संभावना है। ऐसे में सकल एनपीए और पुनर्गठन के अंतर्गत आने वाला कर्ज समेत दबाव वाली संपत्ति 10-11 प्रतिशत पहुंच जाने का अनुमान है।

रेटिंग एजेंसी के वरिष्ठ निदेशक और उप मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने रिपोर्ट में कहा, खुदरा और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) खंडों का कुल कर्ज में योगदान करीब 40 प्रतिशत है। इस बार इन क्षेत्रों में एनपीए और दबाव वाली संपत्तियां बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इन दोनों खंडों में दबाव वाली संपत्तियां चालू वित्त वर्ष के अंत तक बढ़कर क्रमश: 4-5 प्रतिशत और 17-18 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। क्रिसिल ने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति पुनर्गठन कंपनी लि. (एनएआरसीएल) के चालू वित्त वर्ष के अंत तक परिचालन में आने के साथ पहले दौर में 90,000 करोड़ रुपए के एनपीए की बिक्री की उम्मीद है। इससे सकल एनपीए की सूचना में कमी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, कॉरपोरेट क्षेत्र अधिक मजबूत बना हुआ है। पांच साल पहले संपत्ति गुणवत्ता समीक्षा के दौरान कंपनियों में ज्यादातर दबाव वाली संपत्तियों की पहचान पहले ही हो चुकी है। इसमें कहा गया है, इससे...कंपनियों के बही-खाते मजबूत हुए और वे खुदरा तथा एमएसएमई के मुकाबले बेहतर तरीके से महामारी की चुनातियों से निपटने में सक्षम रहे।

पेज एक का शेष

एलएसी पर...

शामिल हैं। भारत के समग्र सैन्य आधुनिकीकरण का विवरण देते हुए पांडे ने यह भी कहा कि एकीकृत युद्ध समूह (आईबीजी) नामक नए युद्ध संरचनाओं को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गई है, जिन्हें अधिक प्रभावी ढंग से तेजी से जरूरत के स्थान पर ले जा सकते हैं। आईबीजी में पैदल सेना, तोपखाने, वायु रक्षा टैंक और रसद इकाइयां शामिल हैं। इसके अलावा पाकिस्तान और चीन सीमा पर नए सेटअप से सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाई जाएगी। इस बीच, सीमा पर अपने सामरिक मिशनों को मजबूती से लागू करने के लिए सेना ड्रोन के साथ-साथ, भारतीय सेना की विमानन शाखा उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर रुद्र की हथियार प्रणाली एकीकृत (डब्ल्यूएसआई) वेरिएंट को तैनात कर रही है। सरकार क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के तहत तवांग को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भी काम कर रही है। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के लिए कोर कमांडर स्तर की 13 दौर की वार्ता की है।

उत्तराखंड व...

कारण नैनीताल तक जाने वाली तीन सड़कों के अवरुद्ध होने की वजह से इस लोकप्रिय पर्यटक स्थल का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गुजरात के राजस्व मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि एक अनुमान के मुताबिक राज्य के विभिन्न हिस्सों से चारधाम की यात्रा के लिए उत्तराखंड गये करीब 100 श्रद्धालु भारी बारिश और भूस्खलन के कारण वहां फंस गये हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 300 से अधिक लोगों को बचाया है। एनडीआरएफ ने राज्य में 15 दल तैनात किये हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इनके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु समेत देश के अन्य हिस्सों से भी बारिश की खबरें हैं। उसने पूर्व और उत्तर पूर्व भारत में बुधवार तक तेज बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है, वहीं अगले चार-पांच दिन दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भी भारी बारिश के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले के हथगाम थाना क्षेत्र में तेज बारिश के दौरान दीवार ढहने से छप्पर के नीचे सो रहीं सास-बहू की मौके पर मौत हो गई। प्रदेश के बरेली जिले में भी बीसलपुर रोड पर दो श्रमिकों की सोलर पैनल के संपर्क में आने के बाद करंट लगने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार सुबह तक भारी बारिश जारी रहने के आसार हैं। हालांकि, राज्य के दक्षिणी हिस्से में गंगा घाटी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र बिहार की ओर स्थानांतरित हो गया है। बुधवार सुबह तक दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और अलीपुरद्वार में अत्यधिक भारी वर्षा होने तथा सभी उप-हिमालयी जिलों में बृहस्पतिवार तक बारिश होने की चेतावनी दी गई है। केरल में एक से 19 अक्टूबर तक रिकॉर्ड 135 प्रतिशत अतिरिक्त बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार यहां 20 अक्टूबर से फिर बारिश के आसार हैं। यहां वर्षा के कारण दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

उप्र विधानसभा...

तक खुला है। जो चुनाव लड़ना चाहता है आवेदन करे। हम उन्हें राजनीति में मौका देंगे। ज्यादा से ज्यादा महिलाएं आगे आएं। प्रियंका ने कहा इस वक्त नफरत और घृणा का बोल बाला है। इसको महिलाएं बदल सकती है। प्रियंका गांधी से जब पूछा गया कि क्या इतनी बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी को ऐसी महिला प्रत्याशी मिल पाएंगी जो चुनाव जीत सके, तो उन्होंने कहा कि हमें प्रत्याशी मिलेंगी और वे लड़ेंगी भी, अगर इस बार मजबूत नहीं होंगी तो अगली बार मजबूत होंगी, हमें लड़ाना है, हम पूरी तरह से मदद करेंगे और समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को टिकट जाति के आधार पर नहीं बल्कि उनकी क्षमता के आधार पर दिया जाएगा। कांग्रेस महासचिव से जब पूछा गया कि क्या वे उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ेंगी, तो उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने का निर्णय मैने अभी लिया नहीं है, अभी चुनाव में समय है और सोचकर मैं फैसला करूंगी कि चुनाव लड़ना है या नहीं। जब प्रियंका गांधी से पूछा गया कि क्या कांग्रेस पार्टी चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे के साथ जाएगी, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है। यह पूछे जाने पर कि कई बार लोग अपनी पत्नी व बेटी को चुनाव लड़वाते हैं पर दबदबा उनके पतियों का होता है, इससे कैसे पार पाएंगी, प्रियंका ने कहा कि यह सच पर है पर इसमें कोई बुराई नहीं है। प्रेस वार्ता के दौरान प्रियंका के साथ मंच पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, पीएल पुनिया, प्रमोद तिवारी, सलमान खुर्शीद, आराधना मिश्रा मोना, अजय कुमार लल्लू, आचार्य प्रमोद कृष्णन और नसीमुद्दीन सिद्दीकी मौजूद थे।

बाबुल सुप्रियो...

दो बार के सांसद तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के दो दिन बाद 20 सितंबर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे सदन से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे सकें। बाबुल सुप्रियो ने कई बार कहा था कि जिस पार्टी से वे इस सीट पर विजई हुए, उस पार्टी के अब सदस्य नहीं हैं, ऐसे में सांसद नहीं रहना चाहते हैं।

लखीमपुर मामले...

दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी फैल गया। शीर्ष अदालत ने जनवरी में कानूनों को अमल में लाने पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने आठ अक्टूबर को लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के आरोपियों को गिरफ्तार ना करने के कदम पर सवाल उठाए थे और साक्ष्यों को संरक्षित रखने का निर्देश दिया था। पीठ ने कहा था कि कानून सभी आरोपियों के खिलाफ समान रूप से लागू होना चाहिए और आठ लोगों की बर्बर हत्या की जांच में विश्वास जगाने के लिए सरकार को इस संबंध में सभी उपचारात्मक कदम उठाने होंगे। राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने आठ अक्टूबर को शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि मामले में उचित कार्वाई की जाएगी।

एनआरआई के...

बताया कि जालसाजों को किसी तरह यह पता लगा कि इस खाते से लेनदेन बंद है लेकिन इसमें बड़ी रकम थी, जिसके बाद उन्होंने इसके बारे में जानकारी एकत्र करना शुरू कर दिया। समूह ने बैंक की एक कर्मी को चेक बुक जारी करने और खाते पर लगी रोक हटाने के लिए 10 लाख रुपए देने का वादा किया। उन्होंने उससे 15 लाख रुपए का बीमा खरीदने का भी वादा किया। पहले भी इस खाते से धन निकालने की कोशिश की गई थी और इस संबंध में गाजियाबाद और मोहाली में दो मामले दर्ज किए गए थे। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसकी प्रणाली ने कुछ खातों से लेन-देन के अनधिकृत और संदिग्ध प्रयासों का पता लगाया है। उसने आवश्यक जांच के लिए प्रवर्तन एजेंसियों से इस संबंध में शिकायत की। प्राथमिकी के आधार पर, पुलिस ने बैंक कर्मियों समेत कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। बैंक ने कहा उसने जांच पूरी होने तक बैंक कर्मियों को निलंबित कर दिया है।

शेख हसीना...

इससे पहले दुर्गा पूजा समारोहों के दौरान सोशल मीडिया पर कथित तौर पर ईश निंदा करने वाला एक पोस्ट देखने को मिला था। रविवार देर रात बांग्लादेश में एक भीड़ ने 66 मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और कम से कम 20 मकानों को आग के हवाले कर दिया। कैबिनेट सचिव खांडकर अनवारूल इस्लाम के हवाले से ढाका ट्रिब्यून अखबार ने अपनी खबर में कहा है कि प्रधानमंत्री हसीना ने मंगलवार को साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान गृहमंत्री असदुज्जमान खान को उन लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया जिन्होंने धर्म का इस्तेमाल कर हिंसा भड़काई थी। अपने आधिकारिक आवास से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक में शामिल हुई प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से तथ्यों की जांच किए बगैर सोशल मीडिया पर किसी भी चीज पर विश्वास नहीं करने को कहा। उन्होंने गृह मंत्रालय को सतर्क रहने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक अलग-अलग हमलों में हिंदू समुदाय के छह लोग मारे गए हैं, लेकिन इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। गृह मंत्री ने कहा, कोमिला घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय आरोपियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए काम कर रहा है। हसीना ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता मुहैया करने की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय के बयान में यह रेखांकित किया गया है कि बांग्लादेश सरकार इन घटनाओं की निंदा करती है और हिंदू समुदाय के अंदर और बाहर से आई प्रतिक्रिया का गंभीर संज्ञान लेती है।

बल्लेबाजी क्रम को अंतिम रूप देने उतरेगा भारत

ऑस्ट्रेलिया के बीच अभ्यास मैच आज

भाषा। दुबई

पिछले मैच में जीत के साथ टी-20 विश्व कप की तैयारियां पुख्ता करने वाली भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को दूसरे और आखिरी अभ्यास मैच में बल्लेबाजी क्रम को अंतिम रूप देने के इरादे से उतरेगी। भारत को टूर्नामेंट के पहले मैच में रविवार को पाकिस्तान से खेलना है। बतौर कप्तान विराट कोहली और कोच के तौर पर रवि शास्त्री का यह आखिरी टूर्नामेंट है।

इंग्लैंड के खिलाफ सोमवार को अभ्यास मैच से पहले ही कोहली ने कहा था कि शीर्ष तीन स्थान तय है जिसमें केएल राहुल और रोहित शर्मा पारी की शुरूआत करेंगे जबकि कोहली तीसरे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट से जीत में 70 रन की पारी खेलने वाले युवा ईशान किशन अंतिम एकादश में चयन का दावा पुख्ता कर चुके हैं ऋषभ पंत (नाबाद 29) को सूर्यकुमार यादव से ऊपर भेजा गया था और अब देखना है कि वह बुधवार को किस क्रम पर उतरते हैं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं की लिहाजा इस मैच में वह हाथ आजमाना चाहेंगे। चर्चा का विषय हार्दिक पंड्या बने हुए है जो इंग्लैंड के खिलाफ सहज नहीं दिखे। वह गेंदबाजी भी नहीं कर पा रहे हैं तो देखना यह होगा कि भारतीय टीम प्रबंधन क्या उन्हें विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में उतारता है।

उनकी गेंदबाजी के बिना भारत को छठे गेंदबाजी विकल्प की कमी खलेगी चूंकि पांच गेंदबाजों में से एक के विफल रहने पर जरूरत पड़ सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने एक विकेट लिया था लेकिन जसप्रीत बुमराह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। मोहम्मद शमी ने तीन विकेट लिए लेकिन महंगे साबित हुए। राहुल चाहर भी काफी महंगे रहे। मौजूदा फॉर्म की बात करें तो आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला हारने के बाद से भारत लगातार आठ श्रृंखलाओं में अपराजेय रहा है। टी-20 विश्व कप 2016 के बाद से भारत ने 72 टी-20 मैच खेलकर 45 जीते हैं।

आस्ट्रेलिया ने जीत के साथ शुरूआत करते हुए न्यूजीलैंड को पहले अभ्यास मैच में तीन विकेट से हराया। डेविड वॉर्नर का खराब फॉर्म हालांकि आईपीएल के बाद यहां भी जारी रहा और वह पहली गेंद पर आउट हो गए। एडम जाम्पा और केन रिचर्डसन ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज विफल रहे। एश्टोन एगर और मिशेल स्टार्क ने आखिर में ताबड़तोड़ छोटी पारियां खेलकर टीम को जीत दिलाई।

टीमें

भारत: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, राहुल चाहर, रविचंद्रन अश्विन, वरूण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, शारदुल ठाकुर।

आस्ट्रेलिया: आरोन फिंच (कप्तान), एश्टोन एगर, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिशेल स्टार्क, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मिशेल स्वीपसन, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा।

धोनी की सलाह का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं राहुल

दुबई। केएल राहुल ने अगले कुछ दिनों के लिए अपने लिए जो लक्ष्य तय किए हैं उनमें महेंद्र सिंह धोनी की भारतीय टीम के मेंटर के तौर पर हर सलाह का पूरा फायदा उठाना भी शामिल है।

इस सलामी बल्लेबाज का मानना है कि धोनी की ड्रेसिंग रूम में उपस्थिति से शांति की भावना बनी रहती है। भारत टी-20 विश्व कप में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

नामीबिया को हराकर पहला मैच जीतने की कोशिश में नीदरलैंड

अबुधाबी। आयरलैंड के हाथों शर्मनाक हार से उबरकर नीदरलैंड टी-20 विश्व कप पहले दौर के मैच में बुधवार को नामीबिया जैसी नई टीम को हराकर खाता खोलना चाहेगा। आयरलैंड के तेज गेंदबाज कुर्टिस कैम्फर ने चार गेंद में चार विकेट लेकर नीदरलैंड की पारी की बखिया उधेड़ दी। अब वे सात विकेट से मिली उस हार को भुलाकर नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में जीत दर्ज करना चाहेंगे। नीदरलैंड के बल्लेबाजों कोलिन एकेरमैन, रियान टेन डोइशे, स्कॉट एडवडर्स और रोल्फ वान डेर मर्वे को कैम्फर ने 10वें ओवर में लगातार चार गेंदों पर आउट किया। नीदरलैंड के लिए सिर्फ मैक्स ओडाउड कुछ देर टिककर 47 गेंद में 51 रन बना सके। नीदरलैंड के छह विकेट 51 रन पर गिर गए थे। टीम अब इस प्रदर्शन को भुलाकर नामीबिया के खिलाफ जीत दर्ज करना चाहेगी। नामीबिया को पहले मैच में श्रीलंका ने हराया था और इस मैच में हार से अगले दौर के उसके रास्ते बंद हो जाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ 2011 विश्व कप में शानदार शतक लगाने वाले टेन डोइशे नामीबियाई गेंदबाजों के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कप्तान पीटर सीलार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 वर्ष का अनुभव है जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 21 रन बनाए। नामीबिया की अनुभवहीन टीम के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस और अनुभवी हरफनमौल डेविड वीसे पर सारा दारोमदार होगा। वैश्विक टूर्नामेंट में पहला मैच खेलते हुए नामीबिया 19.3 ओवर में 96 रन पर आउट हो गई थी। इरास्मस समेत तीन ही बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन श्रीलंका ने 13.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

सुपर 12 के लिए दावा मजबूत करने उतरेंगे श्रीलंका और आयरलैंड

अबुधाबी। पूर्व चैंपियन श्रीलंका का सामना टी-20 विश्व कप के पहले दौर के ग्रुप मुकाबले में बुधवार को यहां आयरलैंड से होगा और इस मैच की विजेता टीम सुपर 12 में जगह बनाने के करीब पहुंच जाएगी। श्रीलंका और आयरलैंड दोनों टीमें इस मुकाबले में बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी क्योंकि इन्होंने अपने पहले मुकाबलों में क्रमश: नामीबिया और नीदरलैंड को सात विकेट के समान अंतर से हराया है।

श्रीलंका ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत नामीबिया के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि आयरलैंड ने नीदरलैंड पर हर विभाग में दबदबा बनाया और इस दौरान तेज गेंदबाज कर्टिस कैंफर ने चार गेंद में चार विकेट भी चटकाए। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका को पता है कि आयरलैंड के खिलाफ उनकी राह आसान नहीं होगी और उनकी टीम को इस मुकाबले में गलती करने से बचना होगा।

इस पूर्व चैंपियन टीम को अपने सलामी बल्लेबाजों कुसाल परेरा और पथुम निसंका के अलावा अनुभवी दिनेश चांदीमल से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अविष्का फर्नांडो और भानुका राजपक्षे नामीबिया के खिलाफ विपरीत अंदाज में खेल पारियों से दिखा चुके हैं कि वे क्या करने में सक्षम हैं।

महेश थेकशाना और वानिंदु हसारंगा की स्पिन जोड़ी ने नामीबिया के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था और टूर्नामेंट में श्रीलंका की सफलता काफी हद तक इन दोनों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। लाहिरू कुमारा, चमिका करूणारत्ने और दुष्मंता चमीरा की मौजूदगी में टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण भी मजबूत है। कप्तान शनाका को हालांकि अपने तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। दूसरी तरफ कैंफर की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड को हराने के बाद आयरलैंड की टीम श्रीलंका की चुनौती के लिए तैयार होगी।

कैंफर और उनके साथी गेंदबाजों को बुधवार को अपने प्रदर्शन को दोहराना होगा। उन्हें श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिसमें अनुभव और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। श्रीलंका के खिलाफ आयरलैंड की गेंदबाजी से अधिक उसकी बल्लेबाजी की परीक्षा होगा।

श्रीलंका के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता है और उसके स्पिनर काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं।

स्कॉटलैंड ने पीएनजी को हराया

भाषा। अल अमेरात

रिची बेरिंगटन के अर्धशतक के बाद जोश डेवी की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से स्कॉटलैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में मंगलवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 17 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए सुपर 12 में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

पीएनजी की टीम स्कॉटलैंड के 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नोर्मन वानुआ (47 रन, 37 गेंद, दो छक्के, दो चौके) और किपलिन डोरिगा (18) के बीच सातवें विकेट की 53 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी के बावजूद 19.3 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। कप्तान असद वला (18) और सेसे बाउ (24) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। स्कॉटलैंड की ओर से डेवी ने 18 रन देकर चार विकेट चटकाए। मार्क वाट, ब्रेड व्हील, एलेस्डेयर इवान्स और क्रिस ग्रीव्स ने एक-एक विकेट हासिल किया।

स्कॉटलैंड ने बेरिंगटन (70) और मैथ्यू क्रॉस (45) के बीच तीसरे विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी की मदद से नौ विकेट पर 165 रन रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। बेरिंगटन ने 49 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के मारे जबकि क्रॉस ने 36 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और इतने ही छक्के जड़े।

अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह रन से हराने वाले स्कॉटलैंड ने अपने दोनों मैच जीतकर सुपर 12 चरण में जगह बनाने का दावा मजबूत कर दिया है। टीम को पहले दौर का अपना आखिरी मुकाबला 21 अक्टूबर को मेजबान ओमान के खिलाफ खेलना है। लक्ष्य का पीछा करने उतरे पीएनजी की शुरुआत काफी खराब रही और टीम ने पावर प्ले में ही 35 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। पीएनजी ने दूसरे ओवर में टोनी उरा (02) के रूप में पहला विकेट गंवाया जो डेवी की गेंद को विकेटों पर खेल गए। ब्रेड व्हील ने दूसरे सलामी बल्लेबाज लेगा सेइका (09) को विकेटकीपर क्रॉस के हाथों कैच कराया। कप्तान असद वला (18) ने एलेस्डेयर इवान्स पर चार चौके मारे लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर व्हील को कैच दे बैठे। चार्ल्स अमिनी एक रन बनाकर रन आउट हुए जबकि डेवी ने साइमन अताई (02) को बेरिंगटन के हाथों कैच कराके पीएनजी को पांचवां झटका दिया।

बाउ और वानुआ ने इसके बाद पारी को संभाला। बाउ ने वाट पर छक्के के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। बाउ हालांकि क्रिस ग्रीव्स की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लांग आन पर व्हील को कैच दे बैठे। वानुआ ने ग्रीव्स पर लगातार दो चौकों के साथ अपनी बाउंड्री का खाता खोला। पीएनजी को अंतिम छह ओवर में जीत के लिए 80 रन की दरकार थी।

वानुआ ने 15वें ओवर में व्हील पर दो छक्कों के साथ 18 रन जुटाए जबकि डोरिगा ने अगले ओवर में ग्रीव्स पर चौके और छक्के के साथ 16 रन जोड़े। वाट ने डोरिगा को स्टंप कराके इस साझेदारी को तोड़ा। इस ओवर में सिर्फ चार रन बने। पीएनजी को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 42 रन की जरूरत थी। डेवी ने वानुआ को क्रॉस के हाथों कैच कराके पीएनजी की रही सही उम्मीद भी तोड़ दी। इससे पहले स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों जॉर्ज मुन्से (15) और कप्तान काइल कोएटजर (06) के विकेट गंवा दिए। कोएटजर को मोरिया ने बोल्ड किया। मुन्से अच्छी लय में दिख रहे थे। उन्होंने नोसेइना पोकाना पर चौके से खाता खोला और फिर चार्ल्स अमिनी पर भी लगातार दो चौके मारे। मुन्से हालांकि अमिनी के अगले ओवर में गेंद को हवा में लहराकर लेगा सेइका को कैच दे बैठे। बेरिंगटन और क्रॉस ने इसके बाद पारी को संवारा। दोनों ने पावर प्ले में टीम का स्कोर दो विकेट पर 37 रन तक पहुंचाया।

बांग्लादेश के आरिफ हुसैन को आउट करने के बाद खुशी मनाते गेंदबाज कलीमुल्लाह (दाएं) और कप्तान मो. महमुदुल्लाह (बीच में)

बांग्लादेश ने ओमान को 26 रन से हराया

अल अमेरात। बांग्लादेश ने शुरुआती चरण के ग्रुप बी के अपने करो या मरो मुकाबले में मंगलवार का यहां ओमान को 26 रन से हराया। जीत के लिए 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी। ओमान के लिए जतिंदर सिंह ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए ने मुस्ताफिजुर रहमान ने चार विकेट लिए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज मोहम्मद नईम की 64 रन की पारी और शाकिब अल हसन (42) के साथ तीसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी से बांग्लादेश ने 20 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 153 रन बनाए। टूर्नामेंट का पहला मैच स्कॉटलैंड से गंवाने वाली बांग्लादेश की टीम को प्रतियोगिता में बने रहने के लिए इस मैच को जीतना जरूरी है। नईम ने दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए 50 गेंद की पारी में तीन चौके और चार छक्के जड़े। शाकिब ने 29 गेंद की पारी में छह शानदार चौके जड़े। बिलाल खान और फय्याज बट ने ओमान के लिए तीन-तीन विकेट लिए। बिलाल ने चार ओवर में महज 18 रन खर्च किए तो वही पाकिस्तान के लिए अंडर-19 विश्व कप (2010) खेल चुके फय्याज ने चार ओवर में 30 रन दिए। कलीमुल्लाह ने चार ओवर में 30 रन खर्चकर दो विकेट चटकाए जबकि कप्तान जीशान मकसूद ने दो ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया। दोनों टीमें इस मैच में एक-एक बदलाव के उतरीं बांग्लादेश ने सौम्य सरकार की जगह नईम को तो वही ओमान ने खावर अली की जगह फय्याज बट को अंतिम 11 में शामिल किया था। टॉस गंवाने के बाद ओमान ने शुरू से ही कसी हुई गेंदबाजी की जिसका फायदा उन्हें तीसरे ओवर में मिला। बिलाल खान की गेंद पर कश्यप प्रजापति ने लिट्टन दास का आसान कैच टपका दिया। लिट्टन हालांकि इसका फायदा नहीं उठा सके।

लियाम लिविंगस्टोन का टी-20 विश्वकप में खेलना संदिग्ध

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन का ऊंगली की चोट के कारण टी-20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध है। उन्हें भारत के खिलाफ दुबई में अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। इंग्लैंड अगले 24 घंटे तक उनकी चोट पर नजर रखने के बाद ही फैसला लेगा।

भारत ने यह मैच सात विकेट से जीता। मैच के आखिरी क्षणों में सीमारेखा पर कैच लपकने की कोशिश में लिविंगस्टोन को चोट लगी। उन्होंने 20 गेंद में 30 रन बनाए और दो ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया।

उन्हें स्टार हरफनमौला बेन स्टोक्स की जगह टीम में रखा गया था। स्टोक्स मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से दूर हैं।

भारत-पाक के बीच विश्व कप मकाबले होने चाहिए: पादुकोण

भाषा। मुंबई

भारतीय बैडमिंटन के पूर्व दिग्गज प्रकाश पादुकोण का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के बाद भी दोनों देशों के बीच टी-20 विश्व कप के मैच का आयोजन होना चाहिए। दोनों टीमें 24 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले से टी-20 विश्व कप में अपने अभियान को शुरू करेंगे।

पादुकोण ने यहां नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक कार्यक्रम के इतर कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि खेलों को राजनीति के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए और इस मैच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यह मेरी निजी राय है और ऐसा होता है या नहीं इस पर टिप्पणी करने का मैं कोई अधिकार नहीं रखता हूं। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर आप मेरी निजी राय पूछ रहे है तो मुझे लगता है कि मैच का आयोजन होना चाहिए। वे पहले भी कई बार खेल चुके हैं, इसलिए यह अलग नहीं है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकवादियों द्वारा नागरिकों की हत्या के मद्देनजर मैच रद्द कर दिया जाना चाहिए। आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार है।

टीके के बिना आस्ट्रेलिया ओपन के लिए टेनिस खिलाड़ियों को वीजा नहीं

भाषा। मेलबर्न

जनवरी में आस्ट्रेलिाई ओपन के दौरान उन टेनिस खिलाड़ियों को वीजा नहीं मिलेगा जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है। विक्टोरिया के प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज पहले ही घरेलू खेल लीगों में खेल रहे खिलाड़ियों और स्वास्थ्य समेत कुछ क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए टीका अनिवार्य होने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने अब विदेश से यहां खेलने आ रहे टेनिस खिलाड़ियों के लिए भी टीका अनिवार्य कर दिया।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री धीर सिंह पुत्र श्री सुल्तान सिंह निवासी ग्राम निठारी सेक्टर-31, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 के वसीयतनामा के आधार पर आवासीय प्लाट नं0 A-53 सेक्टर-151,नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 जो उप निबन्धक कार्यालय सदर प्रथम गौतमबुद्धनगर, में बही नं0 3 जिल्द सं0 995 पृष्ठ नं0 247 से 264 पर दस्तावेज नं0 1823 दिनाक 08.12.2020 में पंजीकृत है। अतः श्री धीर सिंह की मृत्यु उपरान्त उक्त प्लाट का नामान्तरण पुत्रगण श्री सर्वेश अवाना, दीपक अवाना व ज्योती अवाना पुत्री श्री देवेन्द्र सिंह अवाना निवासी ग्राम निठारी सेक्टर-31,नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 के पक्ष में स्थानांतिरत किया जा रहा है। अतः इस सूचना के द्वारा सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह पूरे सबूतों के साथ अपनी आपत्ति नोएडा विकास प्राधिकरण की आवासीय विभाग में इस सूचना के जारी होने के 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति दाखिल करें।

देवेन्द्र सिंह अवाना

हरभजन और श्रीनाथ को एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता

भाषा। लंदन

भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह और पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ उन 18 क्रिकेटरों में शामिल है जिन्हें मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने मंगलवार को मानद आजीवन सदस्यता प्रदान की। लंदन स्थित एमसीसी को क्रिकेट नियमों का संरक्षक माना जाता है। हरभजन और श्रीनाथ का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है।

हरभजन के नाम 103 टेस्ट में 417 विकेट दर्ज हैं और वह खेल के इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीयों में तीसरे नंबर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में उन्होंने 700 से ज्यादा विकेट लिए हैं। श्रीनाथ अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एलीट पैनल के मैच रेफरी है। वह भारत के महान तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने एकदिवसीय में 315 और टेस्ट में 236 विकेट लिए हैं। एमसीसी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस साल की सूची में 12 टेस्ट खेलने वाले देशों में से आठ को प्रतिनिधित्व दिया गया है, जिसमें आधुनिक खेल के कुछ सबसे लोकप्रिय खिलाड़ी भी शामिल है। भारत के दो खिलाड़ियों के अलावा इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के चार-चार खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया गया है। इसमें वेस्टइंडीज के तीन, ऑस्ट्रेलिया के दो और न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे तथा श्रीलंका के एक - एक खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के अलावा इयान बेल और मार्कस ट्रेस्कोथिक को आजीवन सदस्यता का सम्मान मिला है। इन तीनों ने मिलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 39,000 से अधिक रन बनाए है। इस सूची में चौथा नाम महिला विकेटकीपर बल्लेबाज साराह टेलर का है।

पंकज आडवाणी ने चौथी जीत दर्ज की

भाषा। मुंबई

स्टार क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए 121 अंक के एक ब्रेक के साथ जीएससी विश्व स्नूकर क्वालीफायर्स में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। आडवाणी ने ढीली शुरुआत की जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी धवज हरिया ने 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। आडवाणी ने हालांकि जल्द ही वापसी की और आखिर में 4-2 (29-74, 31-79, 121(121)-00, 69-14, 69-03, 72-17) से जीत दर्ज की। आडवाणी ने रविवार की रात को पुष्पेंदर सिंह को 4-1 (68(51)-34, 86-01, 00-86(86), 120(84)-11, 61-25) से हराया था। इस बीच पुरुष वर्ग में आदित्य मेहता और महिला वर्ग में विद्या पिल्लई दोनों को हार का सामना करना पड़ा। भारत के नंबर तीन खिलाड़ी लक्ष्मण रावत ने अपने सभी चारों मैच जीते।

सिंधू, श्रीकांत और समीर की अच्छी शुरुआत

डेनमार्क ओपन बैडमिंटन

भाषा। ओडेन्से

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने डेनमार्क ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में तुर्की की नेसलिहान यिजिट के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की। किदांबी श्रीकांत और समीर वर्मा ने भी टूर्नामेंट में अपना सफर जीत के साथ शुरू किया। मौजूदा विश्व चैम्पियन सिंधू को विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ महिला एकल मुकाबले में 21-12, 21-10 से जीत दर्ज करने में महज 30 मिनट का समय लगा।

टोक्यो ओलंपिक के बाद सुदिरमन कप और उबेर कप फाइनल्स से बाहर रहने वाली चौथी वरीयता प्राप्त इस भारतीय खिलाड़ी का दूसरे दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगामरूगफान से सामना होगा। पूर्व चैम्पियन किदाम्बी श्रीकांत और भारत के ही समीर वर्मा ने भी यहां टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग में जीत के साथ शुरुआत की। श्रीकांत ने 2017 में यहां खिताब जीता था।

उन्होंने हमवतन बी साई प्रणीत को 30 मिनट में 21-14, 21-11 से हराया। वहीं 28वीं रैंकिंग वाले समीर ने थाईलैंड के 21वीं रैंकिंग वाले कुन्लावुट विदितसर्न को 21-17, 21-14 से मात दी।

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के क्रिकेट अंपायर फ्रेड गुडाल का निधन हो गया है। वह न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच 1980 में विवादास्पद टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा थे। गुडाल 83 बरस के थे।

सावजनिक सूचना

आम जनता को एतददवारा सूचित किया जाता है कि श्री दिलीश मलिक श्री अमृतलाल मलिक के सुपुत्रआधार संख्या 732902231585 और श्री यूनिश मलिक श्री अमृतलाल मलिक के सुपुत्र आधार संख्या 488484109072, वाई-216, विवेकानंद अपार्टमेंट, सेक्टर 05 से प्लाट नंबर 02, द्वारका, नई दिल्ली 110075 के मालिकों, का दावा है कि वे संपत्ति के वर्तमान मालिक हैं, जो कि भवन की दूसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर Y-216 है और माप 102 वर्ग मीटर मीटर विवेकानंद सीजीएचएस, सेक्टर 5, प्लॉट नंबर 2, द्वारका, नई दिल्ली-110075 स्थित है।कोई भी व्यक्ति जिसके पास उक्त संपत्ति में बिक्री, उत्तराधिक, अधिकार, उत्तराधिकार, बंधक ग्रहणधिकार पटटे उपहार या अन्यथा के रूप में कोई अधिकार शीर्षिक दावा या रुचि है, तो वह लिखित रूप में आपत्ति की सूचना देगा। अधोहस्ताश्ररी इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर उसके सहायक दस्तावेजों के साथ या अन्यथा किसी के भी ऐसे किसी भी दावे पर विचारनहीं किया जाएगा और इसे माफ़ कर दिया गया और/या छोड़ दिया गया माना जाएगा

दिनांक: 20 अक्टूबर 2021
जगह: द्वारका नई दिल्ली

प्रियसचिव
विवेकानंदसीजीएचएस
सेक्टर 5, प्लॉट 2, द्वारका
नई दिल्ली-110075

PUBLIC NOTICE
Plot # 326 Sector-7 Phase-I, IMT Manesar

Plot # 326 Sector-7 Phase-I, IMT Manesar measuring 450 sq. mtrs. was allotted by the Corporation to M/s. Ample Auto Corporation having its office at 52 Main Market, Subhash Nagar, New Delhi-110027, a proprietorship firm of Mr. Manoj Gaba S/o late Shri Ram Saran Gaba R/o J-52/F2 Upper 3rd Floor, Hari Nagar, New Delhi-110064 vide its Allotment Letter dated 13.5.2004.

The Corporation has been informed that the original allottee's proprietor, Mr. Manoj Gaba has expired on 12.5.2021. The legal heirs of the deceased allottee, Ms. Shalini Gaba, Miss Richa Gaba and Mr. Aman Gaba has approached the Corporation for transfer of the plot in question in favour of Ms. Shalini Gaba W/o late Shri Manoj Gaba.

The Corporation is in process of considering their request and transferring the said plot in the name of Ms. Shalini Gaba W/o late Shri Manoj Gaba. Through this public notice, it is hereby informed that in case, any of the legal heirs of late Shri Manoj Gaba or any other person having reservation / objection to the said transfer may file his / her objection in writing before the undersigned or Addl. General Manager (Estate), M/s. HSIIDC Ltd., C-13-14, Sector-6, Panchkula, Haryana along with an affidavit within a period of 30 days from the date of publication of this notice. In case, no response is received within the aforesaid period, it will be presumed that no one has any objection to transfer of the said plot in the name of Ms. Shalini Gaba W/o late Shri Manoj Gaba and the Corporation shall go ahead with transfer of the plot in her favour.

The Estate Manager
M/s. HSIIDC Ltd.
IMT Manesar-122050, Distt. Gurugram

उत्तर कोरिया ने किया पनडुब्बी मिसाइल का परीक्षण

● दक्षिण कोरिया ने जताया खेद

एपी। सियोल

उत्तर कोरिया ने मंगलवार को समुद्र में कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे दक्षिण कोरियाई सेना ने पनडुब्बी से दागे जाने वाला हथियार बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यभार संभालने के बाद यह उत्तर कोरियाई सेना द्वारा हथियारों के सबसे महत्वपूर्ण प्रदर्शनों में से एक है। मिसाइल का परीक्षण ऐसे वक्त में हुआ जब कुछ घंटों पहले अमेरिका ने उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर कूटनीति बहाल करने की अपनी पेशकश दोहराई। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया के एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने का पता लगाया है जिसे उसने पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल माना है। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं इस प्रक्षेपण का करीबी विश्लेषण कर रही हैं। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि प्रक्षेपण समुद्र में किया गया लेकिन उसने यह नहीं बताया कि क्या यह समुद्र के नीचे से पनडुब्बी से दागी गई या समुद्र की सतह के ऊपर से दागी गई।

जापान की सेना ने कहा कि उसके प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं और प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि क्या ए पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हैं। प्रक्षेपण के बाद किशिदा ने इस महीने होने वाले जापान के विधाई चुनाव के मद्देनजर अपना प्रचार अभियान बीच में रोक दिया और वह टोक्यो लौट रहे हैं। उन्होंने अपनी सरकार को उत्तर कोरिया से बढ़ते खतरे को देखते हुए देश की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, हम मिसाइल तकनीक में उत्तर कोरिया के हाल के विकास और जापान तथा क्षेत्र की सुरक्षा पर इसके असर को हल्के में नहीं ले सकते।

उत्तर कोरिया ने इससे पहले पनडुब्बी से दागे जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण अक्टूबर 2019 में किया था।

भारत की पनडुब्बी को अपने जलक्षेत्र में घुसने से रोका

भाषा। इस्लामाबाद

● पाकिस्तान का दावा

पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को दावा किया कि उसने पिछले सप्ताह भारत की एक पनडुब्बी को पाकिस्तानी जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया। इसने एक बयान में कहा कि घटना 16 अक्टूबर को हुई, जब पाकिस्तानी नौसेना के एक गश्ती विमान ने भारतीय पनडुब्बी की मौजूदगी का पता लगाया। बयान में कहा गया कि नौसेना ने 16 अक्टूबर को भारतीय पनडुब्बी का पता लगाया और उसे पाकिस्तानी जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया गया।

पाकिस्तान की सेना ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए पाकिस्तानी नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के लिए कड़ी निगरानी रख रही है। बयान में कहा गया कि यह इस तरह की तीसरी घटना है, जब भारतीय पनडुब्बी का समय से पहले ही पता लगा लिया गया और उसे रोक दिया गया।

सेना ने कथित घटना की एक छोटी वीडियो फुटेज भी जारी की। बयान में दावा किया गया है कि इस तरह की एक घटना पिछली बार मार्च 2019 में हुई थी, जब पाकिस्तानी नौसेना ने एक भारतीय पनडुब्बी का पता लगाकर उसे देश के जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया था। इसमें दावा किया गया कि भारतीय पनडुब्बी द्वारा इस तरह का एक और प्रयास नवंबर 2016 में किया गया था, जिसका पता लगाकर उसे पाकिस्तान के जलक्षेत्र से बाहर कर दिया गया था।

एफएटीएफ के अगले सत्र तक ग्रे सूची में रह सकता है पाक

इस्लामाबाद। पेरिस स्थित वित्तीय कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) का अगला सत्र अप्रैल 2022 में होने तक पाकिस्तान उसकी ग्रे सूची में बना रह सकता है। मंगलवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई। द न्यूज इंटरनेशनल द्वारा पेरिस से प्रकाशित एक खबर के अनुसार एफएटीएफ का तीन दिवसीय सत्र 19 से 21 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा और ऐसी संभावना है कि मंगलवार के सत्र में सूचित किया जा सकता है कि पाकिस्तान ने अभी एफएटीएफ के मानदंडों को पूरा नहीं किया है।

अमेरिका ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों की घटनाओं की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के लोगों पर हाल में हुए हमलों की घटनाओं की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, धर्म चुनने की आजादी, मानवाधिकार है। दुनिया का प्रत्एक व्यक्ति, फिर चाहे वह किसी भी धर्म या आस्था को मानने वाला हो, उसका अपने अहम पर्व मनाने के लिए सुरक्षित महसूस करना जरूरी है। प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्रालय, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के लोगों पर हाल में हुए हमलों की घटनाओं की निंदा करता है। इस बीच बांग्लादेशी हिन्दू समुदाय के सदस्य प्रनेश हल्दर ने एक बयान में विदेश मंत्रालय से अपील की, बांग्लादेश में पहले से ही परेशानियों में घिरे हिन्दुओं को और नुकसान नहीं पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निगरानीकर्ता समूहों और मीडिया घरानों से बांग्लादेश में हिंसा की गंभीरता को उजागर करने की भी अपील की। अमेरिका में बांग्लादेश के दूतावास के बाहर बांग्लादेशी हिन्दू समुदाय के लोगों ने दुर्गा पूजा के दौरान पूजा पंडालों में की गई तोड़-फोड़ के विरोध में रविवार को प्रदर्शन भी किया था। अमेरिका के हिन्दू अधिकार समूह हिन्दूपैक्ट के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, यह देखना खासतौर पर भयावह है कि नोआखाली में बसे हिन्दुओं पर इस तरह से हमले हो रहे हैं.।

अमेरिका के विशेष दूत खलीलजाद का इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बताया कि अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष दूत जलमी खलीलजाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और अब उनकी जगह राजनयिक थॉमस वेस्ट लेंगे। अमेरिका और तालिबान के बीच शांति वार्ता में खलीलजाद की अहम भूमिका रही है। ब्लिंकन ने कहा कि जलमी खलीलजाद ने अफगानिस्तान के लिए विशेष दूत के पद से इस्तीफा दे दिया है। मैं दशकों तक अमेरिकी लोगों की सेवा करने के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने बताया कि थॉमस वेस्ट अब अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष दूत होंगे। वेस्ट पहले उप राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का हिस्सा रह चुके हैं। अब वह, राजनयिक प्रयासों का नेतृत्व करेंगे, दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सचिव तथा सहायक सचिव को सलाह देंगें।

लंदन में विज्ञान संग्रहालय में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और बिल गेट्स

भारत, अमेरिका, इजराइल और यूएई के विदेश मंत्रियों ने की चतुष्पक्षीय बैठक

भाषा। यरुशलम/ वाशिंगटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका, इज़राइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्षों के साथ चतुष्पक्षीय बैठक की। इस दौरान इन नेताओं ने पश्चिम एशिया तथा एशिया में व्यापार तथा समुद्री सुरक्षा बढ़ाने सहित आर्थिक एवं राजनीतिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

जयशंकर इन दिनों इज़राइल की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। सोमवार को हुई बैठक में जयशंकर, इज़राइल के विदेश मंत्री यायर लापिद, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान शामिल हुए।

जयशंकर ने ट्वीट किया द्धस्त्र इज़राइल के विदेश मंत्री यायर लापिद, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ पहली बैठक अच्छी रही। आर्थिक विकास और वैश्विक मुद्दों पर एक साथ मिलकर काम करने को लेकर चर्चा की। शीघ्र कदम उठाने पर सहमति बनी। जयशंकर ने एक संक्षिप्त टिप्पणी में कहा कि आप तीनों हमारे सबसे करीबी साझेदारों में से हैं। उन्होंने ब्लिंकन की इस बात से सहमति जताई कि इस तरह का एक मंच तीन अलग-अलग द्विपक्षीय कार्यक्रमों की तुलना में बहुत बेहतर काम कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत स्पष्ट है कि अपने समय के बड़े मुद्दों पर हम सभी की एक समान सोच है और यह काफी मददगार होगा यदि हम काम करने के लिए कुछ व्यावहारिक चीजों पर सहमत हो सकें। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक बयान में बताया कि ब्लिंकन ने तीनों समकक्षों के साथ व्यापार, जलवायु परिवर्तन से निपटने, ऊर्जा सहयोग और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के जरिए पश्चिम एशिया तथा एशिया में आर्थिक और राजनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मंत्रियों ने प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान के क्षेत्र में लोगों के आपसी संबंध बढ़ाने और कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के दौरान विश्व स्तर पर जन स्वास्थ्य का कैसे समर्थन किया जाए, इस पर चर्चा की। ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि बैठक में क्षेत्र और विश्व स्तर पर चिंता के साझा मुद्दों और हमारे आर्थिक तथा राजनीतिक सहयोग के विस्तार के महत्व पर चर्चा की। ब्लिंकन ने एक बयान में इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत को अपने तीन बड़े रणनीतिक साझेदार के रूप वर्णित किया।

उन्होंने कहा कि नए तरीके से दोस्तों को साथ लाकर, हम इन साझेदारियों को और व्यापक कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बैठक इसी बारे में है।

जयशंकर इजराइल के ओब्दा वायुसेना स्टेशन गए

यरूशलम। विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को इजराइल के ओब्दा वायुसेना स्टेशन गए और द्विवार्षिक ब्लू फ्लैग अभ्यास में हिस्सा ले रहे भारतीय वायुसेना दल के सदस्यों से मुलाकात की। इस अभ्यास में आठ देशों की वायुसेनाओं के दल हिस्सा ले रहे। अभ्यास का मकसद परिचालनात्मक क्षमता को बेहतर बनाने के लिए ज्ञान एवं लड़ाई से जुड़े अनुभवों को साझा करना है। इस अभ्यास में भारतीय वायुसेना के 84 कर्मी तथा पांच उन्नत मिराज-2000 लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहे हैं। फ्रांसीसी विमानों के उन्नत प्रौद्योगिकी प्रारूप हैं तथा आधुनिक हथियार प्रणाली से लैस हैं। इजराइल में जारी इस अभ्यास में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, यूनान और इजराइल हिस्सा ले रहे हैं। इसमें पहली बार एफ-35 विमान हिस्सा ले रहे हैं। भारत इस द्विवार्षिक अभ्यास में वर्ष 2017 से ही हिस्सा ले रहा है।

तीन भारतीय-अमेरिकियों समेत 19 युवा नेता व्हाइट हाउस फेलो नियुक्त

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने तीन भारतीय-अमेरिकियों समेत 19 उभरते युवा नेताओं को 2021-22 के लिए अपने फेलो के रूप में सोमवार को नामित किया। प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत विविध पृष्ठभूमियों के पेशेवरों को चुना जाता है, जो एक साल तक व्हाइट हाउस कर्मियों, कैबिनेट मंत्रियों और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के पूर्णकालिक फेलो के रूप में कार्य करते हैं और इसके लिए उन्हें वेतन भी दिया जाता है। इस सूची में जगह बनाने वाले तीन भारतीय-अमेरिकियों में कैलिफोर्निया के सनी पटेल एवं जॉय बसु और न्यूजर्सी के आकाश शाह शामिल हैं। प्रेजिडेंट्स कमीशन ऑन व्हाइट हाउस फेलो ने इस बार फेलो चुने गए युवाओं को इस कार्यक्रम के इतिहास का सबसे विविध वर्ग करार दिया था। इस कार्यक्रम को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने 1964 में शुरू किया था।

सैन फ्रांसिस्को की जॉय बसु को व्हाइट हाउस जेंडर पॉलिसी काउंसिल में नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह प्रामाणिक और प्रभावित करने वाले विकास संबंधी नवीन व्यवसायों के लिए एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वह टीपीजी ग्रोथ में पहली चीफ ऑफ स्टाफ थीं, जहां उन्होंने द राइज फंड का निर्माण किया, जो एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी निवेश मंच है। सनी पटेल को गृह सुरक्षा विभाग में नियुक्त किया गया है। पटेल एक बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों और परिवारों के लिए समान स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करना चाहते हैं। उन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में अपनी फेलोशिप पूरी की, जहां उन्होंने बाल चिकित्सा कैंसर क्लीनिक में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी एक मॉडल बनाया था। सनी के अनुसंधान कई पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए थे। उनके अनुसंधान को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी पेश किया गया था। आकाश शाह को स्वास्थ्य एवं मानवसेवा विभाग में नियुक्त किया गया है।

अमेरिका को वार्ता पर गंभीरता दिखाने के लिए प्रतिबंध हटाने चाहिए: इब्राहिम रईसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने सोमवार को कहा कि उनके देश पर लगाए गए प्रतिबंध अमेरिका को यह साबित करने के लिए हटा देना चाहिए कि वह विएना में बाधित परमाणु वार्ता बहाल करने को लेकर गंभीर है। सरकारी टीवी को दिए एक साक्षात्कार में रईसी ने कहा कि ईरान ने पश्चिमी देशों के साथ लक्ष्य उन्मुखी वार्ता की है और ईरान कभी वार्ता छोड़कर नहीं गया। उन्होंने कहा, प्रतिबंध हटाना दूसरे पक्ष की गंभीरता का संकेत है। ईरान और 2015 के परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले यूरोपीय देशों के बीच वार्ता में जून से गतिरोध है। अगस्त में पदभार संभालने वाले रईसी के प्रशासन ने वार्ता बहाल करने के लिए कोई तारीख तय नहीं की है। ईरान विएना में वार्ता जल्द बहाल करने की अपीलों का विरोध करता रहा है।

इसके बजाय ईरान विएना में वार्ता से पहले ब्रसेल्स में समझौते के अन्य पक्षकारों के साथ अलग से बैठक करना चाहता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के सोमवार को वाशिंगटन में संयुक्त राष्ट्र की परमाणु हथियार निगरानी संस्था के प्रमुख से मुलाकात करने पर विदेश विभाग ने कहा कि बाइडन प्रशासन को नहीं लगता कि ब्रसेल्स में पहले मुलाकात करने की आवश्यकता है। ब्लिंकन ने आगाह किया है कि कूटनीति का दरवाजा बंद हो रहा है। बहरहाल रईसी ने कहा कि इस मुद्दे पर ईरान गंभीर है, हमें दूसरे पक्ष की गंभीरता भी नजर आनी चाहिए। गौरतलब है कि 2015 के परमाणु समझौते के मुताबिक ईरान को अपने ऊपर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने यूरेनियम संवर्धन में भारी कमी लानी थी।

अमेरिकी अदालत में नीरव मोदी की याचिका खारिज

भाषा। वाशिंगटन

नीरव मोदी को झटका देते हुए अमेरिका की एक अदालत ने भगोड़े हीरा कारोबारी और उसके दो साथियों की उस याचिका को ठुकरा दिया जिसमें उन्होंने तीन कंपनियों के एक न्यासी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के अनुरोध किया था।

तीन अमेरिकी कंपनियों फायरस्टार डायमंड, फैंटेसी इंक और ए जैफ के अदालत द्वारा नियुक्त न्यासी रिचर्ड लेविन ने न्यूयॉर्क की एक अदालत में ए आरोप लगाए हैं। पहले इन तीनों कंपनियों का स्वामित्व अप्रत्यक्ष रूप से 50 वर्षीय नीरव मोदी के पास था। लेविन ने मोदी और उसके साथियों मिहिर भंसाली एवं अजय गांधी को कर्ज देने वालों को हुए नुकसान के लिए 1.5 करोड़ डॉलर का न्यूनतम मुआवजा भी मांगा है।

दिवालिया होने संबंधी मामलों की सुनवाई कर रही न्यूयॉर्क की अदालत के न्यायाधीश सीन एच लेन ने गत शुक्रवार को यह आदेश जारी किया जो भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी और उसके साथियों के लिए एक झटका है। ब्रिटेन की एक जेल में बंद नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों का

सामना करने के लिए प्रत्यर्पण के भारत के प्रयासों को चुनौती दे रहा है। भारतीय अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने कहा कि अदालत के न्यायाधीश लेन ने स्पष्ट फैसले में अमेरिकी न्यासी रिचर्ड लेविन की संशोधित शिकायत खारिज करने के अनुरोध वाली, अभियुक्त नीरव मोदी, महिर भंसाली और अजय गांधी की याचिका ठुकरा दी है।

60 पृष्ठों के आदेश के बारे में जानकारी देते हुए बत्रा ने बताया कि नीरव मोदी ने पंजाब नेशनल बैंक और अन्य से एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी की योजना बनाकर कंपनी के शेयर मूल्य को गलत तरीके से बढ़ाने के लिए अतिरिक्त बिक्री के तौर पर मुनाफा फिर से अपनी कंपनी में ही लगाया। बत्रा ने कहा कि लेकिन वे बैंक धोखाधड़ी के जरिए अपनी कंपनियों से गलत तरीके से प्राप्त धन को हासिल करने के लिए तथा अपने निजी फायदे के वास्ते धन की निकासी को छिपाने के लिए एक और धोखाधड़ी में शामिल हो गए और उन्होंने इसे इस तरह दिखाया जैसे यह सामान्य व्यापारिक लेनदेन हो।

अदालत के आदेश के अनुसार, लेविन की याचिका में नीरव मोदी की छह साल की अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी, धन शोधन और गबन साजिश के परिणामस्वरूप कर्जदारों और उनकी संपदा को नीरव मोदी तथा उसके साथियों से पहुंचे नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति करने का अनुरोध किया गया है। इस बीच ब्रिटेन के क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने अगस्त में कहा था कि वह नीरव मोदी को भारत सरकार को प्रत्यर्पित करने के आदेश के खिलाफ अपील करने की हीरा कारोबारी को अनुमति देने के लंदन उच्च न्यायालय के फैसले की समीक्षा कर रहा है।

अदालत में भारतीय प्राधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सीपीएस ने कहा कि अपील पर दो आधारों पर सुनवाई हो सकती है जिसमें हीरा कारोबारी का मानसिक स्वास्थ्य भी शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के लिए मानव गतिविधियां जिम्मेदार

वाशिंगटन। जलवायु परिवर्तन के लिए मानव गतिविधियां जिम्मेदार हैं और इस बात को 99.9 प्रतिशत वैज्ञानिक दस्तावेजों में माना गया है। यह तथ्य 88,000 से अधिक अध्ययनों की समीक्षा में सामने आया है। पत्रिका एन्वाइरन्मेन्टल रिसर्च लेटर्स में मंगलवार को प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट में 2013 में आए ऐसे ही एक अनुसंधान पत्र के परिणामों को अद्यतन किया गया है जिसमें कहा गया था कि 1991 से 2012 के बीच किए गए 97 प्रतिशत अध्ययनों में इस बात को माना गया था कि धरती के तापमान में वृद्धि के लिए मानव गतिविधियां जिम्मेदार हैं। मौजूदा सर्वेक्षण में 2012 से नवंबर 2020 तक किए गए उन अध्ययनों की समीक्षा की गई जो यह जानने के लिए किए गए कि मुद्दे पर कहीं वैज्ञानिकों के बीच आम सहमति में कहीं कोई बदलाव तो नहीं हुआ है। अमेरिका स्थित कोर्नेल यूनिवर्सिटी के विजिटिंग फेलो एवं अध्ययन पत्र के प्रथम लेखक मार्क लिनास ने कहा कि मुद्दे पर 99 प्रतिशत से अधिक आम सहमति अब भी यही है कि जलवायु परिवर्तन के लिए मानव गतिविधियां जिम्मेदार हैं।

लापता भारतीय मछुआरे की तलाश में जुटी श्रीलंका

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उस भारतीय मछुआरे को खोजने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जो उसकी नाव में श्रीलंकाई नौसैनिक पोत द्वारा टक्कर मारे जाने के बाद से लापता है। आधिकारिक बयान में मंगलवार को बताया गया कि लापता भारतीय मछुआरे की नौका में दो और लोग सवार थे। यह घटना सोमवार देर रात नेदुनथीवु के पास हुई, जब श्रीलंकाई नौसेना पोत इन मछुआरों की नाव से जा टकराया, जिससे उसमें सवार तीन लोग समुद्र में जा गिरे।श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि उनमें से दो मछुआरों को श्रीलंकाई कर्मियों ने तुरंत बचा लिया, जबकि एक अन्य मछुआरे को तुरंत नहीं बचाया जा सका और उसकी तलाश की जा रही है। बयान में कहा गया है,"श्रीलंकाई नौसेना (एसएलएन) 18 अक्टूबर की शाम को कोविलन लाइटहाउस के उत्तर-पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पार श्रीलंकाई जल क्षेत्र में डूबी नाव पर सवार दो मछुआरों को बचाने में कामयाब रही है।ए मछुआरे तमिलनाडु में पुथुकोट्टई जिले के कोट्टईपट्टिनम के रहने वाले थे।

गोताखोर को मिली 900 साल पुरानी तलवार

यरुशलम। एक इजराइली गोताखोर को देश के भूमध्यसागरीय तट के पास 900 साल पुरानी तलवार मिली है। इजराइल के पुरावशेष प्राधिकरण ने सोमवार को कहा कि गोताखोर श्लोमी कात्जिन पिछले सप्ताहांत गोता लगाने के लिए उत्तरी इजराइल गया था। उसी दौरान उसने कुछ प्राचीन कलाकृतियों देखी जिनमें लंगर, मिट्टी के बर्तन और एक मीटर लंबी तलवार भी शामिल थी। गोताखोर को यह तलवार पांच मीटर गहरे पानी में तट से करीब 150 मीटर की दूरी पर मिली। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राचीन काल में उस क्षेत्र में जहाज लंगर डालते थे और वहां कई पुरातात्विक खजाने हो सकते हैं। उनमें से कुछ 4,000 साल पहले तक के हो सकते हैं। गोताखोर ने तलवार सरकारी विशेषज्ञों को सौंप दी है, जिसके 900 साल पुरानी होने का अनुमान है।

ज्वालामुखी की सक्रियता के बारे में नए सुराग मिले

बीजिंग। चीन के एक रोबोटिक अंतरिक्ष यान द्वारा पिछले साल पृथ्वी पर लाई गई चंद्रमा की चट्टानों के विश्लेषण से वर्षों पहले चंद्रमा पर हुई ज्वालामुखी गतिविधि के बारे में नई जानकारी मिली है। एक अनुसंधानकर्ता ने मंगलवार को यह बताया। ली शियानहुआ ने कहा कि नमूनों के विश्लेषण से चंद्रमा की रासायनिक संरचना के बारे में और इसके विकास पर उष्मा से पड़े प्रभाव के बारे में नई जानकारी मिली है। ली ने कहा कि नमूनों से यह संकेत मिलता है कि यह गतिविधि चंद्रमा पर दो अरब साल पहले भी हो रही थी, जबकि पूर्ववर्ती अनुमानों में कहा गया था कि इस तरह की गतिविधि 2.8 अरब और तीन अरब वर्ष पूर्व के बीच रुक गई थी। ली ने संवाददाताओं से कहा कि चंद्रमा पर ज्वालामुखी गतिविधियां बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे चंद्रमा के अंदर की हलचल को बयां करती हैं और चंद्रमा के अंदर ऊर्जा के पुनर्चक्रण को प्रदर्शित करती हैं। चीन, पहली बार पिछले साल दिसंबर में चंद्रमा से चट्टान पृथ्वी पर लेकर आया। इससे पहले अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ 1970 के दशक में यह कार्य कर चुके हैं।

नए संविधान का मसौदा 2022 तक तैयार होगा

कोलंबो। श्रीलंका के नए संविधान के मसौदा को संसद की मंजूरी के लिए 2022 की शुरूआत तक अंतिम रूप दे दिए जाने की उम्मीद है। विदेश मंत्री जी एल पेइरिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पेइरिस ने कहा कि 2019 के चुनाव घोषणापत्र में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा किए गए वादे के मुताबिक मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की गई है। पेइरिस ने कहा कि इस मसौदा को अब पूरा कर लिया गया है और इसे विधिक मसौदा लेखक के पास भेजे जाने का इंतजार है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मसौदा नए साल की शुरूआत में उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने नए नए संविधान के प्रारूप के बारे में विस्तृत रूप से कुछ नहीं बताया। पेइरिस ने संविधान निर्माण के एक जटिल प्रक्रिया होने का जिक्र करते हुए कहा कि वक्त की दरकार है कि इसमें बदलाव किया जाए। श्रीलंका ने मौजूदा संविधान को अतीत में बदलने की कई कोशिशें की हैं। पिछली बार इस तरह की कोशिश 2015 में की गई थी। हालांकि, 1997 से इस तरह की सभी कोशिशें महीनों की चर्चा के बाद भी नाकाम हो गई।

जुनझेंग को तिब्बत इकाई क प्रमुख नियुक्त किया

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने वांग जुनझेंग को पार्टी की तिब्बत इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के मानवाधिकार उल्लंघन में कथित भूमिका के चलते अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और कनाडा ने उनपर प्रतिबंध लगाया था। सरकार संचालित शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मंगलवार को अपनी खबर में कहा कि जुनझेंग को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रीय समिति के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। वह वू यिंगजी की जगह लेंगे। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार जुनझेंग पर मार्च में तब प्रतिबंध लगाए गए थे, जब वह शिनजियांग प्रांत में पार्टी के उपसचिव और सुरक्षा प्रमुख थे। जुनझेंग की पदोन्नति दिखाती है कि शिनजियांग प्रांत में अपनी नीतियों को लेकर चीन पश्चिम की आलोचनाओं और प्रतिबंधों की कोई परवाह नहीं करता। चीन पर शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार करने के आरोप लगते रहे हैं और अमेरिका तथा उसके सहयोगी देश इस मुद्दे पर बीजिंग की लगातार आलोचना करते रहे हैं।

लंदन विज्ञान संग्रहालय में खुलेगी हरित ऊर्जा गैलरी

लंदन। लंदन के प्रतिष्ठित विज्ञान संग्रहालय ने मंगलवार को एक नई गैलरी खोलने की घोषणा की है जिसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए इतिहास के सबसे तेजी से होने वाले ऊर्जा परिवर्तन को दर्शाया जाएगा। इस गैलरी को भारत का उद्योग समूह अडानी ग्रुप प्रायोजित कर रहा है। गैलरी का नाम है एनर्जी रेवोल्यूशन: द अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी , इसे अडानी समूह के अडानी ग्रीन एनर्जी ने प्रायोजित किया है। यह नई गैलरी 2023 में खुलेगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मेजबानी में संग्रहालय में हुई ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट में तमाम हस्तियों की उपस्थिति में इस आशय की घोषणा की गई। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की शीर्ष कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी का लक्ष्य 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनना है। अडानी ग्रीन एनर्जी के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हमें एनर्जी रेवोल्यूशन गैलरी (ऊर्जा क्रांति गैलरी) प्रायोजित करके खुशी हो रही है।

तुर्की ने 10 राजनयिकों को तलब किया

अंकारा। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और नौ अन्य देशों के राजनयिकों को उनके द्वारा जारी बयान के विरोध में तलब किया है। इन देशों ने जेल में बंद समाज सेवी और मानवाधिकार कार्यकर्ता उस्मान कवाला को यूरोपीयन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स के फैसले के अनुरूप रिहा करने की मांग की है। बयान से सरकारी अधिकारी क्षुब्ध हो गए जिन्होंने इन देशों पर तुर्की की न्यायपालिका में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया।कवाला (64) को चार वर्षों से जेल में बंद रखा गया है जिन पर 2013 के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के माध्यम से तुर्की की सरकार को हटाने का प्रयास करने के आरोप लगे हैं।

वास्तविक बनता वर्चुअल

शालिनी सक्सेना का कहना है कि जब पिछले साल वर्तमान महामारी की मार पड़ी, तो संगीत समारोह सहित सब कुछ ऑनलाइन हो गया, जो लाखों संगीत प्रेमियों को सामाजिक दूरी के दौर में एक एचसीएल के मंच पर एक साथ लेकर आया।

कोविड-19 ने हमारे जीने और हमारे रोजमर्रा काम करने के तरीके को बदल दिया है। इसमें यह भी शामिल है कि हम अपने मनोरंजन के तरीकों की तलाश कैसे करते हैं। डिजिटल दुनिया में विस्फोट हो गया है और इसका मतलब है कि हम संगीत भी कैसे सुनें। कलाकारों को लाइव प्रस्तुति देने से लेकर उन्हें ऑनलाइन देखने तक, आज दुनिया एक अलग जगह बन गयी है।

एचसीएल डिजिटल कॉन्सर्ट्स के प्रमुख रोहित कौल बताते हैं कि जब उन्होंने बैठक, बैठक यूएस और साउंडस्केप के साथ शुरुआत की थी, तब से यात्रा दिलचस्प रही है क्योंकि उन्होंने पिछले साल मार्च में डिजिटल संगीत कार्यक्रम आयोजित करना शुरू किया था।

कौल कहते हैं,''जब हमने पिछले साल शुरू किया था, हमने कभी नहीं सोचा था कि हम इतने सारे संगीत कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित करेंगे। 100 माइलस्टोन वास्तव में अद्भुत है। हमने कभी नहीं सोचा था कि 8 करोड़ से अधिक लोग इन शोज को देखेंगे। यह समृद्धकारी और संतुष्टिदायक भी रहा है। हम अपने संगीत समारोहों में न केवल उद्योग के दिग्गजों को, बल्कि कई भावी कलाकारों को भी प्रस्तुत करने में सक्षम हुए हैं।''

वह बताते हैं कि उन्होंने जिस चीज के लिए योजना नहीं बनाई थी, वो थी एक निश्चित संख्या में दर्शकों की संख्या प्राप्त करना या कितने संगीत कार्यक्रम आयोजित करने थे या यदि इसकी समापन तिथि है या नहीं।

कौल का कहना है, ''हालांकि, इनमें से प्रत्येक प्लेटफॉर्म के साथ, चाहे वह बैठक हो या साउंडस्केप, एक खास किस्म के प्रशंसकों को लक्षित करने या उन्हें एक खास किस्म के कलाकार को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इसके पीछे सोच यह है कि हम लगातार नए प्लेटफॉर्म चाहते हैं और नए तरीके खोजते हैं कि हम विभिन्न प्रकार के कलाकारों को अपने दर्शकों तक कैसे ले जा सकें। ''

दिलचस्प बात यह है कि कौल और उनकी टीम के लिए वर्चुअल समारोह करना कोई नई बात नहीं थी। वे पूर्व-कोविड -19 दौर के दौरान भी अपने संगीत कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण आयोजित कर रहे थे।

कौल याद करते हैं, ''हम अपने लाइव कॉन्सर्ट को डिजिटल रूप से भी प्रसारित कर रहे थे। इससे हमें मदद मिली जब हमें तत्काल डिजिटल होना पड़ा। हमने कलाकार समुदाय से यह जानना चाहा था कि क्या किया जा सकता है क्योंकि प्रत्यक्ष संगीत कार्यक्रम ठप्प हो गए थे। हमारे पास पूर्वअर्जित शिक्षण के कारण हमारी प्रतिक्रिया त्वरित रही। रास्ते में, कई मोड़ आए थे। मगर सकारात्मक बात यह थी कि हमने डिजिटल स्पेस की ताकत को समझा। हम यह भी समझ गए थे कि प्रत्यक्ष समारोह की भी जरूरत है। हमने छोटी तकनीकी बारीकियां तक सीखीं। हमने सीखा कि दर्शकों को क्या पसंद है और कलाकारों तक प्रतिक्रिया भेजते हैं।''

कौल बताते हैं कि अब जब चीजें आसान हो रही हैं और कोविड-19 की संख्या कम हो रही है, तो वे अपने संगीत

> इनकार में जीने के बजाय आगे बढ़ने के पक्ष में चीजों को अपनाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि हम मानवीय स्पर्श खो रहे हैं। मानवीय तत्व - वह व्यक्ति, जिसने उस ऐप को बनाया है - अभी भी है। जब हम वीडियो कॉल पर चैट करते हैं, तो हर छोर पर लोग होते हैं। यह दूर जाने वाला नहीं है।
>
> — **पूर्बयन चटर्जी**

कार्यक्रम को-आनलाइन और आफलाइन के संयोजन में आयोजित करेंगे। वह कहते हैं, ''बेशक, हमें अभी भी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना होगा और करना चाहिए। आफलाइन होने से पहले हम थोड़ा और इंतजार करेंगे। हमारा डिजिटल मॉडल फिर भी जारी रहेगा।''

100वें डिजिटल एचसीएल कॉन्सर्ट में, तबले पर सत्यजीत तलवलकर और सारंगी पर फारूक लतीफ खान के साथ कार्यक्रम- प्रस्तुति देने वाले सितार वादक पूर्बयन चटर्जी का एक दिलचस्प दृष्टिकोण है। वह बताते है कि आभासी अधिक से अधिक वास्तविक होता जा रहा है।

चटर्जी बताते हैं, ''हमें इनकार में जीने के बजाय आगे बढ़ने के पक्ष में चीजों को अपनाना चाहिए। समय के साथ चलना बेहतर है। चीजें आसान हो रही हैं और अब हम वर्चुअल कॉन्सर्ट आयोजित करने के लिए स्टूडियो जा सकते हैं। बहुत सी चीजें वर्चुअल हो गई हैं। हम ऐप पर खाना ऑर्डर कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हम मानवीय स्पर्श खो रहे हैं। मानवीय तत्व - वह व्यक्ति, जिसने उस ऐप को बनाया है - अभी भी है। जब हम वीडियो कॉल पर चैट करते हैं, तो हर छोर पर लोग होते हैं। यह दूर जाने वाला नहीं है। ''

100वें मील के पत्थर के लिए उनकी पसंद दिलचस्प थी। उन्होंने एक ऐसा टुकड़ा चुना, जिसमें उत्साह का अनुभव हो। चटर्जी कहते हैं, ''चूंकि यह एक उत्सव था, इसलिए मैंने राग मारू बिहाग से शुरुआत करने का फैसला किया, यह राग बहुत मधुर है और यह एक खुशी का अवसर था। मैंने सारंगी की शुरुआत की, जो सबसे पहले बहुत शुभ है और यह वाद्य यंत्र सर्वोत्कृष्ट रूप में मूलत: भारतीय वाद्ययंत्र है। मैं इस उपकरण का प्रचार करना चाहता था। इसके अलावा, एचसीएल अपनी जड़ों की ओर वापस जाने के लिए खड़ा है, इसलिए मैंने कुछ ऐसा चुना जो उसके लिए सुखद स्वर हो।'' हालांकि, वह वर्चुअल स्तर पर प्रस्तुति करने के लिए नए नहीं हैं। इससे पहले भी वह लाइव परफॉर्मेंस समेत वर्चुअल शो कर चुके हैं।

चटर्जी बताते हैं, ''यहां तक कि जब कोई कोरोना काल नहीं था तब भी हम विश्व संगीत दिवस पर एक आभासी शो किया करते थे। हमने कौशिकी चक्रवर्ती के साथ जुगलबंदी की, जिसे वर्चुअल ऑडियंस के लिए दिल्ली में शूट किया गया था। मैंने यह सोचा नहीं था, कि मैं केवल वर्चुअल शो ही करूंगा। लेकिन चीजें धीरे-धीरे लाइव परफॉर्मेंस और दर्शकों के साथ पटरी पर वापस आ रही हैं।''

बकौल चटर्जी, ''पिछले साल भी, जब चीजें आसान हुई थीं, वो दिखने लगी थीं। मैंने ओडिशा में जो प्रस्तुति दी थी वो हाऊसफुल प्रस्तुति थी, मैंने मुंबई में कुछ शो किए और वहां अच्छी उपस्थिति थी। मैंने हाल ही में चेन्नई में एक शो किया था और लोग वहां अच्छी संख्या में आए थे। मेरा अगले महीने मुंबई में एक शो है। देखते हैं कि वह कैसा होता है। टीकाकरण अभियान अच्छा चलने से , लोगों में डर धीरे-धीरे कम हो रहा है। ''

परिवारिक रिश्तों के बारे में

रीयूनियन
ग्रूम स्टूडियो
कलाकार : लिलेट दुबे, केके रैना, वीर राजवंत सिंह, कश्मीरा ईरानी, प्रबल पंजाबी, देविका वत्स
रेटेड : 4/10

रीयूनियन एक ऐसे परिवार के बारे में है जो वर्षों से नहीं मिला है, लेकिन परिवार के एक सदस्य की मृत्यु पर एक साथ आता है और उसकी अंतिम इच्छा को पूरा करता है। विषय और अंतर्निहित संदेश कि परिवार सबसे पहले आता है, बहुत अच्छा है। आज कल ऐसे विषय पर कोई फिल्म या वेब सीरीज कम ही देखने को मिलती है। निश्चित रूप से एक स्वागत योग्य बदलाव।

इस वेब सीरीज का एक और प्लस यह है कि नौ में से कोई भी एपिसोड 24 मिनट से ज्यादा का नहीं है। इससे उन्हें एक बार में देखना आसान हो जाता है। साथ ही, चुनी गई लोकेल बहुत अच्छी है। फिर, इतनी हरियाली और प्राचीन समुद्र तटों को देखना दुर्लभ है। स्टार कास्ट का अभिनय सही जगह पर है। साथ ही कहानी नौ एपिसोड के बाद खत्म होती है। इसलिए, अगर निर्माता इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो इसे पूरी तरह से अलग ट्रैक होना चाहिए, लेकिन एक ही कास्ट के साथ हो सकता है।

बाप-बेटे के रिश्ते को हकीकत में दिखाया गया है। यह कुछ ऐसा है जिसे अक्सर देखा जाता है; आमतौर पर पिता और पुत्र के बीच बहुत अच्छे संबंध नहीं होते हैं और यह स्वाभाविक रूप से सामने आया है। यह देखते हुए कि लोग यथार्थवादी सिनेमा की तलाश में हैं, यह उनके लिए बिल्कुल सही है।

हालाँकि, कुछ नो-नो भी हैं। सबका अभिनय ठप है; ऐसा लगता है कि वे केवल प्रयास करने के बजाय अभिनय की गति के साथ जा रहे हैं। यहां पति-पत्नी की भूमिका निभाने वाले वीर राजवंत सिंह और कश्मीरा ईरानी के बीच कोई केमिस्ट्री नहीं है।

यथार्थवाद की तलाश करने वालों को यह पसंद आएगा।

— **शालिनी सक्सेना**

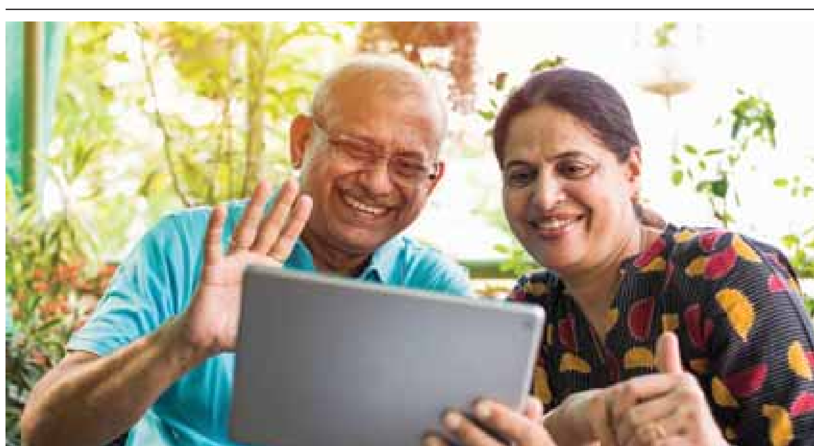

बुजुर्गों की देखभाल में बदलाव लाती प्रौद्योगिकी

कनिष्क आचार्य का कहना है कि बुजुर्गों की देखभाल उद्योग एक तकनीकी क्रांति के कगार पर है

2021 में, जीवन की उच्च गुणवत्ता प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकी और अनुकूलन परस्पर घुल गए हैं। वरिष्ठ नागरिक अब एक बटन के स्पर्श में नुस्खे अपलोड कर सकते हैं, डॉक्टरों से बात कर सकते हैं और परिवार और दोस्तों के संपर्क में रह सकते हैं। हालांकि, ये छोटे अनुकूलन केवल इस बात की सामने लाने लगे हैं कि वरिष्ठ जीवन के लिए तकनीक क्या कर सकती है।

यह नाटकीय लग सकता है, लेकिन यह अतिशयोक्ति नहीं है - वरिष्ठ नागरिक, एक समूचे समुदाय के रूप में ,नई तकनीक को अपनाने में सबसे धीमे रहे हैं, और उद्योग की अन्य शाखाओं के विपरीत, वरिष्ठ जीवन या बुजुर्ग देखभाल को, जैसा कि संदर्भित है, भारत में,ऐतिहासिक रूप से, उसके ग्राहक आधार द्वारा बेहतर तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित नहीं किया गया है, जिसका मुख्य कारण लघु उपयोगकर्ता आधार और संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली काफी हद तक खंडित किस्म की सेवा है, जो कि अधिकांशतया मौजूदा परेशानियों के लिए सरल प्राथमिक-सहायता समाधान प्रदान करती हैं। ये एक समस्या है। वरिष्ठ देखभाल प्रदाता केवल उसी हद तक कल्याणकारी सहायता प्रदान कर सकते हैं कि जब वे समूचे व्यक्ति से संबंधित निर्णय लेने के लिए अपने ग्राहकों का एक संपूर्ण खाका खींचने में सक्षम हों।

लेकिन दौर बदल रहा है। जैसा कि तकनीक कंपनियां 740 बिलियन डॉलर के बुजुर्ग देखभाल मार्केट को बदलने की विशाल क्षमता को पहचानती हैं और तकनीकी समझ रखने वाले बूमर्स तेजी के साथ सेवानिवृत्ति में प्रवेश कर रहे हैं, यानी समूचा उद्योग परिवर्तन के लिए तैयार है।

बड़ी बाधा यह कि अधिकांश प्रौद्योगिकियां, जो वरिष्ठ जीवन के चेहरे पर फर्क डाल सकती हैं, अब अपनी अनेक सुस्त प्रणालियों को एकत्रित कर रही हैं। हालांकि हम कई उपकरणों से डेटा संग्रहित कर रहे हैं, मगर ये प्रौद्योगिकियां परस्पर संवाद नहीं कर रही हैं - उदाहरण के लिए, ईएचआर, जो कैलेंडर सिस्टम या मेडिकल रिकॉर्ड सिस्टम पर नहीं ले जाते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सारा डेटा कहां जा रहा है? ऐसे में पैटर्न बनाने और विसंगतियों का पता लगाने के लिए एआई या एमएल इंजन को प्रशिक्षित करने वाले एक मजबूत डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। आईओटी बाद का जीवन जीने के लिए सार्थक समाधान गढ़ने में एक बड़ी भूमिका निभाएगा - ऐसे उपकरण जो गद्दे में लगे चिप्स के माध्यम से नींद के पैटर्न, आराम और परिवर्तनशील हृदय गति का पता लगा सकते हैं, ताकि इसे दिन-समय के डेटा के साथ जोड़कर समझा जा सके, जो कि चिकित्सकों और देखभाल कंपनियों को बेहतर निर्णय लेने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। ऐसे उपकरण -जो मधुमेह से संबंधित आंशिक या पूर्ण अंधेपन से प्रभावित लोगों के लिए जीवन जीने में मदद करते हैं - जाइरोस और सेंसर लगे ट्रिपल लेयर चिप डिजाइन से लैस होते हैं, जो जीवन की गुणवत्ता को अद्भुत ढंग से बदल सकते हैं।

महामारी की शुरुआत के बाद से, असुरक्षित परिस्थितियों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की मृत्यु में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामाजिक दूरी के दिशा-निर्देशों के प्रभाव में और मिलने वालों पर सीमा लागू होने से, बुजुर्ग अपने घरों में अकेले और असुरक्षित समय बिता रहे हैं। यह असाध्य न्यूरो स्थितियों वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से समस्याजनक है, जो बगैर डिमेंशिया के बुजुर्ग के बतौर पहले ही परेशान चल रहे थे

जैसा कि हम आगामी 2022 तक देखते हैं,कि वरिष्ठ जीवन में गिरावट की रोकथाम एक शीर्ष चिंता का विषय बनी रहेगी। अधिकांशतया नहीं मगर यह एक चौकन्ना रहने वाली घटना है जो जीवन की दिशा बदल देती है। इस चुनौती को हल करने में मदद करने हेतु, डिमेंशिया का शिकार होने वालों का पता लगाने के लिए एआई-सक्षम सेंसर और बीकन सिस्टम स्थापित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप 40 प्रतिशत तक इस रोग से ग्रसित होने में और इस रोग से संबंधित ईआर मुलाकातों में 80 प्रतिशत तक की कमी आएगी।

प्रौद्योगिकी नवाचार के चक्रव्यूह में अक्सर जो चीज खो जाती है वो है तकनीक को विकसित करने और लागू करने की आवश्यकता, जो दैनिक जीवन में वास्तविक अंतर लाती है, चाहे वह दैनिक जीवन (एडीएल) की गतिविधियों के प्रदर्शन में गुणवत्ता में सुधार करना हो या समूचे देखभालकर्ता रिसीवर संवाद में वरिष्ठों की गरिमा को बहाल करना हो। यह एक ऐसी चीज है जिस पर अब तक ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। प्री-बेबी बूमर पीढ़ी के साथ एक बड़ा मसला तकनीक को अपनाने के प्रति अनिच्छा या अक्षमता है। धारण योग्य स्वास्थ्य उपकरणों, ट्रैकर्स आदि के जरिए ढलने हेतु मजबूर करने की कोशिश से, शायद ही कभी वांछित परिणाम प्राप्त होते हैं। एक भरोसेमंद बदलाव लाने के लिए प्रौद्योगिकी को बुजुर्गों के जीवन में सहज भाव से बुनना होगा, इसमें बुजुर्ग असंयम से संबंधित एक और महत्वपूर्ण मामला देखा जा सकता है। यह 65 और उससे अधिक उम्र के लगभग 51 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को प्रभावित करता है, और इसमें दैनिक जीवन गतिविधियां करने के लिए एकमात्र मौजूदा समाधान आक्रामक सर्जरी या वयस्क डायपर है। यदि हम एक सेंसर-आधारित पैच बना सकते हैं जो पहले से रिकॉर्ड और संकेत कर सकता है, कि किसी व्यक्ति का मूत्राशय या आंत भरा हुआ है, तो यह व्यक्ति और उनके देखभाल-कर्ता दोनों के लिए एजेंसी को बहाल करेगा। इसलिए, गैर-हस्तक्षेपकारी तकनीक विकसित करना महत्वपूर्ण है जो जीवन की गुणवत्ता में नाटकीय रूप से सुधार कर सके और बाद के जीवन में गरिमा बहाल कर सके। यह बुजुर्ग स्वास्थ्य की निगरानी कर सकती है और बेहतर देखभाल प्रदान कर सकती है।

(लेखक वेल्डरकेयर, लाइफस्टाइल के संस्थापक और सीईओ हैं, जो बुजुर्गों के लिए सर्विस रिटायरमेंट मॉडल है।)

'कैसा होता है दिन-प्रतिदिन के आधार पर जीना'

नरेंद्र गुप्ता जो एंड टीवी के मौका-ए-वरदात-ऑपरेशन विजय में **न्यूटन चट्टोपाध्याय** की भूमिका निभा रहे हैं, ने सुप्रिया रमेश से उनके चरित्र के बारे में बात की, वह भूमिका के लिए क्यों सहमत हुए और अपराध शैली में कितना काम करना पड़ता है।

■ मौका-ए-वरदात - ऑपरेशन विजय क्या है?

यह स्वयं परिभाषित है। भारतीय अधिकारियों का एक बैंड एक अपराध का पता लगाता है और अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करता है और वे इसे सफलतापूर्वक करते हैं। मैं एक वैज्ञानिक की भूमिका निभा रहा हूं, जो दिमाग है और भारतीय अधिकारियों की मदद करता है। वह अधिकारियों का मार्गदर्शन करने और उनकी मदद करने के लिए अतीत और वर्तमान से निष्कर्ष निकालते हैं।

■ अपनी भूमिका के बारे में बताएं?

इसकी बहुत अलग भूमिका है। मैं एक वैज्ञानिक की भूमिका निभा रहा हूं जो पहुंच से दूर रहता है। मेरा ठिकाना और संपर्क जानकारी किसी को नहीं पता। लेकिन मुख्य किरदार न्यूटन चट्टोपाध्याय सब कुछ जानता है और हर चीज पर नज़र रखता है। ऐसा करते हुए अगर कुछ दक्षिण की ओर जाता है, तो वह अचानक प्रकट होता है और लोगों का मार्गदर्शन करता है। वह एक विशेषज्ञ है जो खुद को शामिल नहीं करता है लेकिन हमेशा स्टैंडबाय पर रहता है। वह पिता तुल्य, प्रोफेसर, मित्र, वैज्ञानिक जैसे हैं। वह हर चीज, हर भावना का समामेलन है।

■ आपने इस भूमिका के लिए हां क्यों कह दी?

मैंने इस रोल के लिए हामी भरी थी क्योंकि यह किरदार उनके पास है फिर भी उनके पास नहीं है। जब मैं शूटिंग कर रहा होता हूं, तो मैं अपनी मांद में होता हूं और वहीं से दूसरे किरदारों को चीजें समझा रहा होता हूं और वह भी बिना देखे। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक्टिंग में ज्यादातर बार कोई दूसरा कलाकार होता है जिसके साथ आप डायलॉग देते और लेते हैं। मैं इन संवादों पर तुरंत प्रतिक्रिया देता हूं और यह काफी चुनौतीपूर्ण है। कुछ ऐसे मौके आते हैं जब मैं अचानक कहीं प्रकट हो जाता हूं और फिर संवाद खत्म कर वहां से गायब हो जाता हूं। बहुत ज्ञानी, यह एक ऐसा चरित्र है जिसे मैंने चित्रित नहीं किया है इसलिए मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं इसे दिलचस्प पाते हुए आनंद ले रहा हूं। मुझे यकीन है।

■ यहां 'आलोकिक शक्तियान' का क्या अर्थ है?

आलोकिक शक्ति का तात्पर्य उन शक्तियों से है जो हमारी नियमित वैज्ञानिक पहुंच और समझ से परे हैं। लोक का अर्थ है लोग और लौकिक का अर्थ है कि लोग कहां से हैं। अलौकिक का अर्थ कुछ ऐसा है जो वहां से नहीं है जहां लोग रहते हैं। उदाहरण के लिए, अलौकिक क्षमताएं। आध्यात्मिक शक्ति जो अभी तक खोजी नहीं गई है लेकिन वैज्ञानिक शब्दों पर आधारित है। मुख्य विरोधी और विरोधी इन जैसी नई शक्तियों को खोजते रहते हैं। इन विचारों को वास्तविक रूप में प्रस्तुत करना बहुत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह हमारी कल्पना से परे है।

प्रतिपक्षी के पास ये आलोकिक शक्तियां हैं, लेकिन नायक स्थिति को बराबर करने के लिए अपनी चालाक और वर्तमान बेहतर तकनीक का उपयोग करते हैं। उनके पास अनुकरणीय शक्तियों का विलास नहीं है, लेकिन उनके पास ज्वार को बदलने का साहस, ब्रौन और दृष्टिकोण है।

■ आप ज्यादातर क्राइम जॉनर का हिस्सा रहे हैं चाहे वह सीरीज हो या फिल्म। चुनौतियां क्या हैं?

डेली सोप इस बारे में हैं कि आप दिन-प्रतिदिन कैसे जीते हैं और उसी के अनुसार प्रतिक्रिया करते हैं। जबकि क्राइम शोज में आपको एक खास कहानी, क्राइम और जॉनर का ख्याल रखना होता है। आपको अपनी भावनाओं को अलग तरह से प्रदर्शित करना होगा और अपराध का पता लगाने के बारे में यथार्थवादी दृष्टिकोण रखना होगा। सहजता और समग्र जानकारी में वृद्धि के कारण यह अलग है।

■ हम समझते हैं कि आपने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। काम का माहौल कैसे अलग है?

एक अभिनेता के लिए फिल्मों में काम करना या टेलीविजन या किसी मीडिया में काम करना एक समान होता है। लेकिन हर मीडिया में अभिनय की कुछ सीमाएँ और पहलू होते हैं। फिल्मों में अभिनय की बात करें तो समय की पाबंदी के लिहाज से कोई सीमा नहीं है। टेलीविजन में अभिनय के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि हर एपिसोड में एक होता है। आपको इसे संपादित करना होगा और इसे नियोजित कार्यक्रम में प्रसारित करना होगा। यह एक अच्छी चुनौती है क्योंकि विश्राम के लिए कम समय है। आप हमेशा समय पर शूटिंग कर रहे हैं और विलंब करने के लिए यहां कोई जगह नहीं है चाहे कुछ भी हो। उस दिन चैनल खाली नहीं जा सकता।

■ महामारी में शूटिंग किस तरह भिन्न थी?

महामारी में, सेट पर बहुत कम लोग होते हैं जो पहले हुआ करते थे। ऐसे कई प्रोटोकॉल हैं जो एक साथ कई लोगों की बातचीत को प्रतिबंधित करते हैं। काम का बोझ बढ़ गया है लेकिन जितने अभिनेता पहल करते हैं और कुछ चीजें खुद करते हैं। हमें एक दूसरे की मदद करनी है और जिम्मेदारियों को साझा करना है। इन महत्वपूर्ण प्रतिबंधों के कारण कोई भीड़ और दर्शक नहीं है। हम सभी बहुत खुश हैं कि हम इन नियमों का पालन करके एक दूसरे को सुरक्षित रखते हुए काम कर रहे हैं।